रांची, मंगलवार
03-11-2026
वर्ष : 01, अंक : 170
पृष्ट : 12
मूल्य 04 रू, मात्र
रांची से प्रकाशित

रफ़्तार मीडिया

RANCHI , चैत्र कृष्ण पक्ष-12 ₹04 RNI NO. - JHHIN/26/A3481 www.raftaarmedia.com

दिल्ली-एनसीआर में दीपावली पर सिर्फ ग्रीन पटाखे फोड़ सकेंगे

अस्पताल-वृद्धाश्रम जैसे साइलेंस जोन में रोक, सुप्रीम कोर्ट ने लगातार दूसरे साल परमिशन दी

कोर्ट में बताया- देश में वायु प्रदूषण से 20 लाख मौतें

मामले में कोर्ट की सहायता कर रहीं एमिकस क्यूरी और वरिष्ठ वकील उत्तरा बब्बर ने वायु प्रदूषण से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी नुकसान और दिल्ली-हृष्टक्रमें पटाखे जलाने के खतरों के बारे में बताया था। उन्होंने स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर 2025 रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा था कि भारत में मौतों के प्रमुख कारणों में वायु प्रदूषण सबसे आगे है। इसके कारण देश में 20.1 लाख से ज्यादा मौतें हुईं। इनमें से 21ब्र मौतें पांच साल से कम उम्र के बच्चों की थीं।

□ एजेंसी नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में 7 और 8 नवंबर 2026 को ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दी है। पटाखे केवल सुबह 6 से 7 बजे और रात 8 से 10 बजे तक जलाए जा सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने अस्पतालों, नर्सिंग होम, प्राथमिक एवं जिला स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों और अधिसूचित साइलेंस जोन के 300 मीटर के दायरे में पटाखे जलाने पर रोक लगाई है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि इन क्षेत्रों के साथ-साथ शैक्षणिक संस्थानों को भी नो-क्रैकर जोन घोषित किया जाए। इनकी उचित मार्किंग की जाए और लोगों को इसकी जानकारी दी जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 15 अक्टूबर को दिल्ली-हृष्टक्र में पटाखे चलाने को लेकर आदेश दिया था। इसमें दो दिन 19 और 20 अक्टूबर को ग्रीन पटाखे फोड़ने की इजाजत दी थी।

ग्रीन पटाखे जलने से कम धुआं निकलता है

ग्रीन पटाखे ऐसे पटाखे होते हैं, जिन्हें सामान्य पटाखों के मुकाबले कम प्रदूषण फैलाने के लिए बनाया जाता है। इनमें हानिकारक रसायनों का इस्तेमाल कम किया जाता है, जिससे इनके जलने पर कम धुआं और कम हानिकारक गैसें निकलती हैं।

पिछली 2 सुनवाई, कोर्ट ने कहा था- 24 घंटे पटाखे नहीं चला सकते

30 सितंबर- 24 घंटे पटाखे चलाने की परमिशन नहीं दे सकते

30 सितंबर को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि हम पटाखों पर पूरी तरह रोक नहीं लगाएंगे।

130 देश शामिल होंगे, भारत की क्षमता 300 गीगावॉट, टॉप 3 देशों में शामिल

पीएम मोदी रिन्यूएबल एनर्जी समिट का इनॉगरेशन करेंगे

□ एजेंसी नई दिल्ली

पीएम मोदी सोमवार को इंडिया रिन्यूएबल एनर्जी समिट एंड एक्सपो 2026 का इनॉगरेशन करेंगे। चार दिवसीय समिट 2 से 5 नवंबर 2026 तक आयोजित होगा। इसकी थीम इन्वेस्ट, इनोवेट, इंस्पायर रखी गई है। मोदी शाम करीब 4-30 बजे नई दिल्ली के भारत मंडपम में कार्यक्रम में शामिल होंगे।

इस समिट में 130 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है। इनमें 40 से अधिक मंत्री भी होंगे। इसके अलावा निवेशक, वित्तीय संस्थान और उद्योग जगत के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे।

ऑस्ट्रेलिया, डेनमार्क, यूरोपीय संघ, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड, नॉर्वे, स्वीडन और ब्रिटेन इसमें कंट्री पार्टनर के रूप में हिस्सा लेंगे। 13 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपनी रिन्यूबल एनर्जी क्षमता का प्रदर्शन करेंगे। इनमें आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल शामिल हैं।

सवालः रिन्यूएबल एनर्जी क्या होती है?

जवाबः ऐसे ऊर्जा स्रोत, जिनसे बार-बार बिजली बनाई जा सकती है और जो प्राकृतिक रूप से दोबारा उपलब्ध होते हैं, उन्हें रिन्यूएबल एनर्जी कहते हैं।

सवालः भारत के लिए यह समिट क्यों अहम है?

विदेशी निर्भरता घटाना- स्वच्छ ऊर्जा से आयातित तेल, गैस और कोयले पर निर्भरता कम होगी।

बिजली की मांग पूरी करना- उद्योग, शहरों और घरों की बढ़ती बिजली जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी।

रोजगार और उद्योग बढ़ाना- सोलर पैनल, बैटरी और ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में निवेश, रोजगार और विनिर्माण बढ़ेगा।

जलवायु परिवर्तन से मुकाबला- ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी लाने में मदद मिलेगी।

वैश्विक बाजार में मजबूती- भारत स्वच्छ ऊर्जा उपकरणों और तकनीक का बड़ा निर्माता और निर्यातक बन सकेगा।

सवालः भारत की रिन्यूबल एनर्जी क्षमता कितनी है?

जवाबः भारत में रिन्यूएबल एनर्जी (सौर, पवन और अन्य नवीकरणीय स्रोतों) की कुल स्थापित क्षमता करीब 299.25 गीगावॉट है। इसमें सोलर एनर्जी की क्षमता 171.05 जीडब्लू विंड एनर्जी की 59.20 जीडब्लूऔर बड़े हाइड्रो प्रोजेक्ट की 52.06 जीडब्लू है।

देश में रोजाना सोलर, विंड और अन्य रिन्यूएबल स्रोतों से औसतन करीब 85.57 करोड़ यूनिट बिजली पैदा हो रही है।

सवालः क्या 300.50 जीडब्लू का मतलब है कि भारत रोज इतनी बिजली बना रहा है?

जवाबः नहीं। इसका मतलब है कि इन सभी बिजली संयंत्रों की कुल स्थापित उत्पादन क्षमता 300.50 है।

जैसे

- सूरज की रोशनी से सोलर एनर्जी।
- हवा से विंड एनर्जी।
- पानी से हाइड्रो पावर।
- जैविक कचरे और कृषि अवशेषों से बायो एनर्जी।

इसे ऐसे समझिएः

जैसे किसी कार की अधिकतम रफ्तार 200 किलोमीटर प्रति घंटा है। इसका मतलब यह नहीं कि कार हर समय 200 की रफ्तार से चल रही है।

इसी तरह बिजली संयंत्र भी हर समय अपनी पूरी क्षमता से बिजली नहीं बनाते।

सवालः क्या 300.50 जीडब्लू बिजली भारत के लिए पर्याप्त है?

जवाबः अभी इसे देश की पूरी बिजली जरूरत के लिए पर्याप्त नहीं माना जा सकता।

भारत में बिजली की मांग लगातार बढ़ रही है। घरों में एसी, फैक्ट्रियों, मेट्रो, इलेक्ट्रिक वाहनों और डेटा सेंटर को ज्यादा बिजली चाहिए।

इसके अलावा सोलर और विंड एनर्जी हर समय उपलब्ध नहीं होती। इसलिए भारत को कोयला, गैस और दूसरे स्रोतों से भी बिजली बनानी पड़ती है।

सवालः रिन्यूएबल एनर्जी बढ़ने से आम लोगों को क्या फायदा होगा?

जवाबः घरों में सोलर पैनल लगाने से बिजली बिल कम हो सकता है। किसानों को सोलर पंप से सिंचाई में मदद मिल सकती है। नए सोलर और विंड प्रोजेक्ट से रोजगार के अवसर बढ़ सकते हैं।

बिजली उत्पादन के लिए कोयले पर निर्भरता घट सकती है। प्रदूषण और कार्बन उत्सर्जन कम करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, बिजली बिल में कितनी बचत होगी, यह योजना, लागत और इस्तेमाल पर निर्भर करेगा।

तूफान मुरासु आज रात आंध्र तट से टकराएगा

हवा की रफ्तार 110किमी रह सकती है, विजयवाड़ा में 10 फ्लाइट्स कैंसिल ; चेन्नई में भारी बारिश, स्कूल बंद

□ एजेंसी नई दिल्ली

तूफान अर्नब के बाद अब बंगाल की खाड़ी से उठा तूफान मुरासु आंध्र प्रदेश के तट की ओर तेजी से बढ़ रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक, यह आज रात 11-30 बजे से मंगलवार सुबह 4 बजे के बीच ओंगोल के पास तट से टकरा सकता है। इस दौरान हवा की रफ्तार 100 से 110किमी रह सकती है।

सोमवार सुबह 5-30 बजे चक्रवात चेन्नई से 200 और नेल्लोर से 210 किलोमीटर दूर था। यह 25किमी की रफ्तार से आगे बढ़ रहा था। आंध्र प्रदेश, ओडिशा और तमिलनाडु में चक्रवात का असर शुरू हो गया है। आंध्र के नेल्लोर के मयपाडु बीच पर समुद्र में ऊंची लहरें उठ रही हैं और तेज हवाएं चल रही हैं।

विजयवाड़ा एयरपोर्ट पर 10 उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। राज्य में एनआरएफ की तीन टीमें तैनात हैं। तमिलनाडु के चेन्नई, चेंगलपट्टू और तिरुवल्लूर में रविवार रात से बारिश हो रही है। चेन्नई में कई सड़कें जलमग्न हैं। स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

ओडिशाः पुरी में भारी बारिश, रायगढ़ा में रेस्क्यू टीमें अलर्ट

ओडिशा के पुरी जिले में चक्रवात का असर शुरू हो गया है। सोमवार सुबह से भारी बारिश हो रही है। समुद्र में ऊंची लहरें उठ रही हैं। रायगढ़ा जिले में प्रशासन ने सभी 11 फायर स्टेशन की टीमों को अलर्ट पर रखा है। एनडीआरएफ ओडीआरएएफ और ओडिशा फायर सर्विस के 300 से ज्यादा बचाव दल तैनात किए गए हैं। मौसम विभाग ने गंजाम और गजपति में भारी बारिश, बिजली चमकने और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान जताया है।

ओडिशा सरकार ने गंजाम, गजपति, रायगड़ा, कोरापुट और मलकानगिरी जिलों से लोगों को निकालने का काम तेज कर दिया है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, केरल, तेलंगाना, कर्नाटक और महाराष्ट्र में भी चक्रवात का असर दिख सकता है। इन राज्यों में अगले कुछ दिनों में भारी बारिश की आशंका है।

आंध्र प्रदेशः 90 जवानों की 3 एनडीआरएफ टीमें तैनात

चक्रवात से निपटने के लिए एनडीआरएफ की चौथी बटालियन की तीन टीमें तमिलनाडु के रणिपेट जिले में अरक्कोनम के पास नागरिककुप्पम से रवाना की गई हैं। इन टीमों में 90 जवान शामिल हैं।

इन्हें आंध्र प्रदेश के नेल्लोर, प्रकाशम और मार्कापुरम में राहत और बचाव कार्यों के लिए तैनात किया गया है। चक्रवात का सबसे ज्यादा असर बापटला, कृष्णा और प्रकाशम जिलों में पड़ने की आशंका है।

तमिलनाडुः 24 घंटे में चेन्नई में 11 सेमी बारिश

चेन्नई में पिछले 24 घंटे के दौरान माधवरम में सबसे ज्यादा 11 सेमी बारिश दर्ज की गई। एन्नोर पोर्ट और नुंगमबक्कम में 10-10 सेमी बारिश हुई। शहर के 22 सबवे में से दो में पानी भर गया।

चेन्नई नगर निगम ने जलभराव से निपटने के लिए पंप और फील्ड टीमों को तैनात किया है। तिरुवल्लूर के पझावेर्कांडु में समुद्र में करीब 6 फीट ऊंची लहरें उठ रही हैं।

एक्टर इमरान ने बॉम्बे हाईकोर्ट से माफी मांगी

□ एजेंसी मुंबई

एक्टर इमरान खान ने सीजपी विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने के लिए बिना शर्त माफी मांग ली है। उन्होंने बॉम्बे हाईकोर्ट से कहा है कि वे भविष्य में इस तरह के किसी भी विरोध प्रदर्शन में हिस्सा नहीं लेंगे।

बॉम्बे हाईकोर्ट इमरान को मिलने लीव इंडिया नोटिस के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था। कोर्ट ने उनसे बिना शर्त माफी और अंडरटेकिंग देने का आदेश दिया था।

हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को वसुधैव कुटुंबकम के सिद्धांत की याद दिलाई और निर्देश दिया कि इमरान को उनके खिलाफ जारी लीव इंडिया नोटिस का जवाब देने के लिए कुछ समय दिया जाए। अगली सुनवाई 7 दिसंबर को होगी। तब तक उनके खिलाफ जारी लीव इंडिया (भारत छोड़ो) नोटिस पर रोक रहेगी।

बॉम्बे हाईकोर्ट के 5 कमेंट

अगर किसी भारतीय नागरिक ने विदेश में ऐसा ही कुछ किया होता, तो उसे अगली ही फ्लाइट से भारत वापस भेज दिया जाता।

आप इतने सालों से भारत में रह रहे हैं, इस दौरान आपने कभी किसी प्रदर्शन में हिस्सा नहीं लिया। फिर भी अब शामिल क्यों हुए।

आप ओसीआई होल्डर हैं, आप भारतीय नागरिक जैसे व्यवहार नहीं कर सकते, आप सीजेपी से प्रभावित ही नहीं हैं, तो आपको प्रोटेस्ट का कोई हक नहीं। आप बचपन से यहां हैं तो भारतीय नागरिकता के लिए अप्लाई क्यों नहीं करतेड़ अगर ओसीआई ही रहना है ।

शाह का हैदराबाद में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च

□ एजेंसी नई दिल्ली

गृह मंत्री अमित शाह का बेगमपेट हवाई अड्डे पर केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने स्वागत किया। गृहमंत्री अमित शाह सोमवार को हैदराबाद पहुंचे। यहां उन्होंने 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च निकाला। यह कार्यक्रम इंडिया ब्लॉक के एसआईआर के खिलाफ चल रहे विरोध के जवाब में किया जा रहा है। उधर भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन कोलकाता में सीएम सुवेंदु अधिकारी के साथ पदयात्रा निकाल रहे हैं। बीजेपी का लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ देशव्यापी अभियान 22 अक्टूबर 2026 को शुरू हुआ था। पहला चरण- 22 अक्टूबर से 5 नवंबर 2026 तक चलेगा।

1. एसआईआर का समर्थन- विपक्ष मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर सवाल उठा रहा है। भाजपा का कहना है कि एसआईआर का उद्देश्य मतदाता सूची को शुद्ध करना और पात्र मतदाताओं के नाम शामिल करना है।

हादसा झुंझुनूं में सड़क बनाते समय मशीन हाईटेंशन लाइन की चपेट में आई ; नाराज गांव वाले धरने पर

राजस्थान में करंट लगने से 8 मजदूरों की मौत

□ एजेंसी उदयपुरवाटी

राजस्थान के झुंझुनूं में सोमवार को सड़क बना रहे 8 मजदूरों की करंट लगने से मौत हो गई। 5 अन्य झुलस गए। हादसा उदयपुरवाटी के छापोली गांव में सुबह 10 बजे हुआ।

उदयपुरवाटी रामपाल ने बताया- हादसा छापोली-कदंब कुंड मार्ग पर सीकर-नीमकाथाना स्टेट हाईवे से करीब 150 मीटर दूर हुआ। घटना के बाद ग्रामीणों ने धरना शुरू कर दिया।

रोड़ी-बजरी मिलाने के काम में आने वाली मशीन ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइन के संपर्क में आ गई। इससे उसमें करंट फैल गया। वहां काम कर रहे मजदूर करंट की चपेट में आ गए। हाईवोल्टेज लाइन का तार रोड़ी-बजरी (कंक्रीट) मिक्सर मशीन के हाइड्रोलिक जैक से टच हुआ था।

मंत्री खर्रा बोले- वन विभाग की जमीन पर बिना प्रस्ताव बन रही थी सड़क

सड़क का निर्माण सरकारी की योजना में नहीं हो रहा था। चुनाव के दौरान ग्रामीणों ने सार्वजनिक तौर पर अपने स्तर पर यह निर्माण करने का निर्णय लिया होगा। ये वन विभाग की जमीन पर सड़क बन रही थी। ये मुख्य रास्ता होता तो लोग पंचायत के मार्फत या व्यक्तिगत स्तर पर डायवर्जन के प्रस्ताव भिजवाते तो यह हादसा ही नहीं होता। हादसे के कारणों की जांच चल रही है। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। धार्मिक स्थान पर रास्ता जाने के सवाल पर मंत्री ने कहा-इस देश में सबसे बड़ी समस्या ये है कि नियमों के हिसाब से कोई नहीं चलना चाहता है। सालों पुराना रास्ता है तो प्रस्ताव जाता तो कभी भी डायवर्जन हो सकता था। रास्ता सरकार के स्तर पर भी बन सकता था।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान में युवाओं की भागीदारी जरूरी : मनीष दुबे

दुलाडीह नर्सिंग कौशल कॉलेज में विकसित भारत युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन

युवाओं को एसआईआर एवं मतदाता सूची पुनरीक्षण की दी गई जानकारी

रफ्तार मीडिया संवाददाता

जामताड़ा : मेरा युवा भारत, जामताड़ा के तत्वावधान में सोमवार को दुलाडीह स्थित नर्सिंग कौशल कॉलेज परिसर में विकसित भारत युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को लोकतांत्रिक व्यवस्था, मतदान के महत्व, मताधिकार और निर्वाचन प्रक्रिया के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के नामित सदस्य मनीष दुबे उपस्थित रहे। इनके अलावा माय भारत जामताड़ा की उप निदेशक उत्तरा विश्वास, एपीए उदय कुमार, नर्सिंग कॉलेज के एडमिन अरुण कुमार सिंह तथा नर्सिंग कौशल कॉलेज के प्रिंसिपल विशाक विश्वनाथन मौजूद थे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।कार्यक्रम के दौरान युवाओं को लोकतंत्र में मतदान की भूमिका, अपने मताधिकार के प्रति जिम्मेदारी तथा निर्वाचन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही एसआईआर के उद्देश्य, मतदाता सूची के पुनरीक्षण और सूची में अपना नाम सही तरीके से दर्ज कराने के महत्व पर भी चर्चा की गई। अतिथियों ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक नागरिक का जागरूक होना जरूरी है। मतदान केवल अधिकार नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी है। युवाओं को स्वयं मतदान करने के साथ-साथ अपने परिवार और समाज के अन्य लोगों को भी इसके लिए जागरूक करने की अपील की गई। इस अवसर पर यूथ आइकॉन स्नेहा शर्मा ने मतदान के अधिकार एवं एसआईआर से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। वहीं जामताड़ा की नेशनल प्लेयर दिवाशी हेंब्रम ने अपने अनुभव युवाओं के बीच रखे। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को लोकतांत्रिक मूल्यों, नागरिक कर्तव्यों और विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समापन एपीए उदय कुमार ने किया। अंत में उपस्थित सभी लोगों को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई गई। मौके पर संजीत सागर, साहिब मंडल, लखिन्दर सिंह, अंजली मिंज, प्रमिला मुर्मू, मिथुन महतो सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

समाचार सार

मिहिजाम शहर के डॉ. नागेन्द्र सिन्हा विद्यालय में लिंग भेद जागरूकता एवं समावेशी शिक्षा पर कार्यक्रम आयोजित

जामताड़ा (रफ्तार मीडिया संवाददाता) : जामताड़ा के उपायुक्त आलोक कुमार के मार्गदर्शन एवं जिला शिक्षा अधीक्षक विकेश कुणाल प्रजापति के निदेर्शानुसार सोमवार को मिहिजाम स्थित डॉ. नागेन्द्र सिन्हा विद्यालय में लिंग भेद जागरूकता एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उदेश्य ट्रांसजेंडर विद्यार्थियों के अधिकारों की रक्षा करना तथा विद्यालय में सभी विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित, सम्मानजनक और भेदभावमुक्त शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करना था। इस अवसर पर प्राचार्या चंदा मिश्रा ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को समान अधिकार, सम्मान और शिक्षा का अवसर मिलना चाहिए। विद्यालय में किसी भी विद्यार्थी के साथ उसकी लैंगिक पहचान के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए। उन्होंने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों से समाज में संवेदनशीलता, समानता और आपसी सम्मान की भावना विकसित करने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने संकल्प लिया कि विद्यालय में किसी भी विद्यार्थी के साथ प्रवेश, मूल्यांकन अथवा दैनिक गतिविधियों में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाएगा। साथ ही मानसिक एवं शारीरिक उत्पीड़न को पूरी तरह प्रतिबंधित रखने तथा विद्यार्थियों की निजता और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने की प्रतिबद्धता जताई गई। विद्यार्थियों की आवश्यक सुविधाओं एवं समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के सचिव नंदलाल शर्मा ने की, जबकि संचालन प्राचार्या चंदा मिश्रा ने किया। मौके पर उपप्राचार्या सीमा राऊत, शिक्षिका सीमा कुमारी, श्रावंती साहा, अंशु कुमारी, अलका कुमारी, सुप्रिया कुमारी, निकिता वर्मा, निकिता कुमारी, नीतू ठाकुर, अनिता कुमारी, गुड़िया कुमारी, कार्यालय लिपिक श्वेता वर्मा तथा कर्मी संजू कुमारी और शांति कुमारी उपस्थित थीं।

उज्ज्वला फाउंडेशन की मासिक बैठक संपन्न, 101 सदस्यों के बीच हुआ अंगवस्त्र वितरण

कुजू /रामगढ़(रफ्तार मीडिया संवाददाता): स्थानीय जे.पी. रेस्टोरेंट के सभागार में सोमवार को उज्ज्वला फाउंडेशन की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता फाउंडेशन के अध्यक्ष जगेश्वर प्रजापति ने की, जबकि मंच संचालन फाउंडेशन की पदाधिकारी कौशल्या देवी एवं मंगरी देवी ने संयुक्त रूप से किया। बैठक में कुजू द०, कुजू प० एवं हेसालग पंचायत के कई सदस्यों ने भाग लिया तथा उपस्थित सभी सदस्यों के हस्ताक्षर भी कराए गए। इस अवसर पर आगामी लक्ष्मी पूजा एवं छठ महापर्व के पावन मौके पर संस्था की ओर से 101 सदस्यों को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। अंगवस्त्र पाकर सदस्यों के चेहरों पर खुशी देखी गई तथा सभी ने अध्यक्ष को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से परमेश्वर केशरी, प्रकाश केशरी, छोटन प्रजापति, आशा कुमारी, सुमन देवी, संगीता देवी, रिंकू देवी, विभा, पूजा, जानकी, बसंती, अनिता, सिमा, ललिता, सुखली, कालो, करिश्मा, बबिता, सान्ती, गुड़िया, काजल, सोनिया, किरण, गीता, सीता सहित कई सदस्य एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

दीपावली से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग का सख्त रुख : अखाद्य रंगों से बनी मिठाइयों पर जीरो टॉलरेंस, चेनपुर में 30 किलो खाद्य सामग्री नष्ट

मेदिनीनगर (रफ्तार मीडिया संवाददाता): दीपावली के त्योहार को देखते हुए आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा आज चेनपुर क्षेत्र में विभिन्न मिठाई दुकानों एवं खाद्य प्रतिष्ठानों का विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी लव कुमार गुप्ता ने किया। उनके साथ प्रशिक्षु खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी संजीव कुमार उपाध्याय, ललिता कुमारी एवं श्री अभय शंकर उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों में मिठाइयों एवं अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, स्वच्छता, खाद्य लाइसेंस, भंडारण व्यवस्था तथा खाद्य पदार्थों के निर्माण एवं पैकेजिंग में उपयोग की जा रही सामग्री की जांच की गयी।जांच के दौरान अखाद्य रंगों के उपयोग एवं खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता से संबंधित गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। विभाग ने अखाद्य रंगों से तैयार मिठाइयों के मामले में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए मौके पर ही लगभग 30 किलोग्राम खाद्य सामग्री नष्ट कराई। शाहपुर क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान बासी समोसे, लड्डू एवं तैयार मिठाइयों सहित अन्य खाद्य सामग्री तथा एक्सपायर्ड पेय पदार्थ पाए गए। वहीं, अन्य प्रतिष्ठानों में खाद्य लाइसेंस, स्वच्छता एवं खाद्य पदार्थों को अखबार में लपेटने जैसी कमियां भी सामने आईं। स्वीट पैलेस, महावीर मंदिर चौक सहित विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर संचालकों को आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए गए। विभिन्न प्रतिष्ठानों में नियमों के उल्लंघन के मामलों में जुमार्ना लगाया गया। निरीक्षण के दौरान खाद्य कारोबारियों को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि त्योहार के दौरान मिठाइयों एवं अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, स्वच्छता तथा खाद्य सुरक्षा मानकों से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। खाद्य सुरक्षा विभाग ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि दीपावली के दौरान मिठाइयां एवं अन्य खाद्य पदार्थ खरीदते समय उनकी गुणवत्ता, ताजगी और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दें। खाद्य पदार्थों में अखाद्य रंगों के उपयोग अथवा किसी भी प्रकार की मिलावट की सूचना विभाग को दें।

सम्मानित कर गर्व महसूस कर रहा हूं : सिविल सर्जन

32 रक्तदाता संगठनों को किया गया सम्मानित

रफ्तार मीडिया संवाददाता

गिरिडीह : झारखंड स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी रांची के सौजन्य से आज गिरिडीह जिले के 32 रक्तदाता संगठनों को सम्मानित किया गया। सदर अस्पताल स्थित सभा कक्ष में आयोजित सम्मान समारोह की अध्यक्षता सिविल सर्जन डॉक्टर बच्चा सिंह ने जबकि संचालन रेड क्रॉस के चेयरमेन अरविंद कुमार ने किया। इस दौरान विगत वर्ष जिले में रक्तदान शिविर आयोजित करने वाले संस्थाओं के प्रतिनिधियों को मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। जिन संस्थाओं को सम्मानित किया गया उसमें श्री कबीर ज्ञान मंदिर, श्री विश्वनाथ नर्सिंग होम, मारवाड़ी युवा मंच, जामा मस्जिद कमेटी, सलूजा गोल्ड, टफकोन परिवार, नवजीवन नर्सिंग होम, देवकी हॉस्पिटल सरिया, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, शिवम क्लिनिक, मोंगिया स्टील, मानव विकास ट्रस्ट बलहरा, रोटरी आई हॉस्पिटल, कार्बन रिसॉर्स, नरेंद्र सिन्हा फाउंडेशन, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, गरीब नवाज रिलीफ फाउंडेशन, केंद्रीय माहुरी वैश्य समिति, भाजयुमो, सराफा संघ, माहुरी वैश्य नवयुवक समिति, सुभाष इंस्टिट्यूट, रेड क्रॉस सोसायटी, सहयोग हॉस्पिटल, सारथी, एनसीसी, नवदीप नर्सिंग होम, एचडीएफसी बैंक, स्कॉलर बीएड, जिला साउंड एसोसिएशन, कार्मेल स्कूल व सीसीएल बनियाडीह शामिल है। सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए सिविल सर्जन डॉ बच्चा सिंह ने कहा कि रक्तदाता संगठनों को सम्मानित करके खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। आपलोगो के सहयोग से ही रक्त की आवश्यकताओं की पूर्ति हो पा रही है।

रेड क्रॉस सोसायटी के चेयरमेन अरविंद कुमार ने जिले में थैलीसीमिया पीड़ित बच्चों की संख्या व इनके लिए प्रतिमाह रक्त की आवश्यकता पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए रक्तदाता समूहों के प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया। मौके पर डीएस डॉ अरविंद कुमार, रक्त अधिकोष प्रभारी डॉ सोहेल अख्तर समेत कई लोग मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ट्रैक्टर वितरण योजना के तहत लाभुक समूहों को मिला ट्रैक्टर और कृषि यंत्र

महिला सशक्तीकरण और कृषि को आधुनिक बनाने की दिशा में जिला प्रशासन की पहल

रफ्तार मीडिया संवाददाता

लातेहार। मुख्यमंत्री ट्रैक्टर वितरण योजना के तहत सोमवार को उपायुक्त संदीप कुमार ने लाभुक समूहों एवं समिति के बीच ट्रैक्टर और सहायक कृषि यंत्रों का वितरण किया। भूमि संरक्षण विभाग, झारखंड सरकार द्वारा संचालित इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि कार्यों को आधुनिक बनाना तथा महिला स्वयं सहायता समूहों और सहकारी समितियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है।

इस योजना के तहत जेएसएलपीएस से संबद्ध हेरहंज प्रखंड के शांति महिला सखी मंडल एवं कसमार स्थित रोशनी महिला सखी मंडल के साथ-साथ गारू प्रखंड की मत्स्यजीवी सहयोग समिति लिमिटेड को लाभान्वित किया गया। योजना के अंतर्गत कुल 10 लाख रुपये के पैकेज में बड़े ट्रैक्टर पर 50 प्रतिशत तथा रोटावेटर, कल्टीवेटर और केज व्हील जैसे सहायक कृषि यंत्रों पर 80 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान है। वहीं, संपूर्ण पैकेज पर लाभुक समूहों एवं समिति को कुल 50 प्रतिशत अनुदान का लाभ दिया जा रहा है। उपायुक्त ने कहा कि इस योजना से महिला स्वयं सहायता समूहों और सहकारी समितियों को कृषि यांत्रिकीकरण से जुड़ने का अवसर मिलेगा। इससे कृषि कार्यों में आसानी होगी, खेती की लागत कम होगी तथा समूहों की आमदनी बढ़ाने में मदद मिलेगी।

यह पहल महिला सशक्तीकरण, सामूहिक उद्यमिता और कृषि विकास को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।मौके पर आईटीडीए निदेशक सरोजनी ऐनी तिर्की, अपर समाहर्ता सलमान जफर खिजरी, जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी चंद्र किशोर कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. चंदन, जिला खेल पदाधिकारी अविनेश कुमार त्रिपाठी सहित कई जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

एसडीपीओ ने किया मेहता फर्नीचर का उद्घाटन, उचित कीमत पर गुणवत्तापूर्ण सामान उपलब्ध कराने का दावा

रफ्तार मीडिया संवाददाता

कुजू। उचित कीमत पर गुणवत्तापूर्ण फर्नीचर एवं घरेलू उपयोग के सामान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कुजू के मेहता चौक स्थित हरिओम पेट्रोल पंप के सामने मेहता फर्नीचर का शुभारंभ किया गया। प्रतिष्ठान का उद्घाटन मुख्य अतिथि रामगढ़ एसडीपीओ आलोक रंजन, विशिष्ट अतिथि कुजू ओपी प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह एवं घाटो ओपी प्रभारी दीपक कुमार ने संयुक्त रूप से विधिवत फीता काटकर किया। इस अवसर पर प्रतिष्ठान के संचालक संटू मेहता ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि मेहता फर्नीचर में लकड़ी से निर्मित विभिन्न प्रकार के फर्नीचर के अलावा इलेक्ट्रॉनिक एवं घरेलू उपयोग के उपकरण भी उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने बताया कि लकड़ी के फर्नीचर का निर्माण स्वयं भी किया जाता है। ग्राहकों की सुविधा और जरूरतों को ध्यान में रखते हुए गुणवत्तापूर्ण सामान उचित कीमत पर उपलब्ध कराना प्रतिष्ठान की प्राथमिकता होगी। उद्घाटन समारोह में उपस्थित अतिथियों एवं गणमान्य लोगों ने प्रतिष्ठान के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए संचालक संटू मेहता को शुभकामनाएं दीं। मौके पर जिला परिषद प्रतिनिधि ज्योतेंद्र प्रसाद साहू, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता, मुखिया संघ अध्यक्ष संजय प्रसाद, कुजू पश्चिमी मुखिया जयकुमार ओझा, कुजू दक्षिणी मुखिया राकेश कुमार रॉक, पंचायत समिति सदस्य संतोष कुमार मेहता, पूर्व मुखिया निर्मल करमाली, शिवा मेहता, मिथलेश मेहता, कुलेश्वर मेहता, पप्पू ठाकुर,आकाश ओझा, शिव बचन सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

हुनर परियोजना के तहत आईटीआई गोला में सीएनसी मशीनिस्ट प्रशिक्षण शुरू, 18 प्रशिक्षणार्थियों को मिला प्रमाण पत्र

स्थानीय युवाओं को जिले में ही रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में जिला प्रशासन की पहल

रफ्तार मीडिया संवाददाता

रामगढ़। जिला प्रशासन रामगढ़ की महत्वाकांक्षी हुनर परियोजना के तहत पीवीयूएनएल पतरातू के सहयोग से आईटीआई गोला में सीएनसी (कंप्यूटराइज्ड न्यूमेरिकल कंट्रोल) मशीनिस्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मांडू विधायक निर्मल महतो एवं रामगढ़ उपायुक्त ऋतुराज मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत गोल्ड स्मिथ (सुनार) ट्रेड में प्रशिक्षण पूरा करने वाले 18 प्रशिक्षणार्थियों के बीच प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक निर्मल महतो ने कहा कि युवाओं को तकनीकी रूप से दक्ष बनाना समय की आवश्यकता है। जिला प्रशासन द्वारा हुनर परियोजना के माध्यम से स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ने की पहल सराहनीय है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से प्राप्त ज्ञान और कौशल का बेहतर उपयोग कर अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने की अपील की। वहीं, उपायुक्त ऋतुराज ने कहा कि जिला प्रशासन की प्राथमिकता है कि रामगढ़ के युवाओं को रोजगार के लिए दूसरे जिलों और राज्यों में पलायन नहीं करना पड़े, बल्कि उन्हें अपने जिले में ही रोजगार के बेहतर अवसर मिलें।

इसी उद्देश्य से हुनर परियोजना की शुरूआत की गई है। इसके तहत जिले के औद्योगिक प्रतिष्ठानों की जरूरतों के अनुरूप युवाओं को विभिन्न तकनीकी ट्रेडों में प्रशिक्षण देकर स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ रोजगार के स्वरूप में भी तेजी से बदलाव हो रहा है। ऐसे में युवाओं को अपने तकनीकी ज्ञान और कौशल को लगातार विकसित करने की जरूरत है। जिला प्रशासन आने वाले समय में ड्रोन टेक्नोलॉजी एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शुरू करने की दिशा में प्रयासरत है, ताकि युवाओं को आधुनिक तकनीक के क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर मिल सकें। उपायुक्त ने बताया कि आगामी 19 नवंबर को जिले के विभिन्न औद्योगिक प्रतिष्ठानों, आईटीआई गोला एवं संबंधित संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ जिला स्तरीय कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी। इसमें औद्योगिक इकाइयों की वर्तमान एवं भविष्य की जरूरतों पर चर्चा होगी। इसके आधार पर युवाओं को संबंधित ट्रेडों में प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ने की रणनीति तैयार की जाए । कार्यक्रम में आईटीआई गोला के प्रशिक्षणार्थियों की उपलब्धियों की भी जानकारी दी गई। संस्थान के रोहित मुंडा ने वेल्डर ट्रेड में राज्य स्तर पर द्वितीय स्थान, जूही कुमारी ने टर्नर ट्रेड में राज्य स्तर पर द्वितीय स्थान तथा प्रदीप टुडू ने मशीनिस्ट ट्रेड में राज्य स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया है।

वहीं मिथुन महतो ने टर्नर ट्रेड में जिला स्तर पर प्रथम स्थान हासिल किया है। उपायुक्त ने सभी सफल प्रशिक्षणार्थियों को बधाई देते हुए अन्य युवाओं से भी उनसे प्रेरणा लेने की अपील की। इस अवसर पर उपायुक्त ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं से सीधा संवाद कर उनके प्रशिक्षण, तकनीकी ज्ञान, रोजगार की संभावनाओं एवं भविष्य की योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन युवाओं के कौशल विकास और रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास करता रहेगा।

कार्यक्रम में जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. प्रभात शंकर, ईओडीबी मैनेजर अंशुमन सिंह, झारखंड गवर्नमेंट टूल रूम के प्रशासनिक अधिकारी आशुतोष मिश्रा, आईटीआई गोला के सेंटर इंचार्ज अतुल शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन ट्रेनिंग मैनेजर मंगल टोप्पो ने किया। जिला प्रशासन की इस पहल से जिले के युवाओं को तकनीकी रूप से दक्ष बनाने के साथ-साथ स्थानीय औद्योगिक प्रतिष्ठानों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में नई उम्मीद जगी है।

धनबाद के बारामुड़ी खटाल में सरकारी जमीन पर कथित अतिक्रमण को लेकर जिला प्रशासन ने कार्रवाई की तेज

प्रशासन की चेतावनी: वैध दस्तावेज नहीं दिखाने पर जारी होगा जमीन खाली करने का नोटिस

बारामुड़ी खटाल के लोगों ने अंचल अधिकारी कार्यालय से मांगा समय, दस्तावेज नहीं दिखाने पर खाली करनी होगी जमीन सरकारी जमीन पर बने 155 घरों और दुकानों को अतिक्रमण के दायरे में किया गया है चिह्नित।

रफ्तार मीडिया संवाददाता

धनबाद : धनबाद के बारामुड़ी खटाल में सरकारी जमीन पर कथित अतिक्रमण को लेकर जिला प्रशासन ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। करीब 18 एकड़ जमीन की मापी और सर्वे के बाद 155 घरों और दुकानों को अनाधिकृत चिह्नित करते हुए नोटिस जारी किया गया था। नोटिस का जवाब देने के लिए निर्धारित तिथि पर सोमवार को बारामुड़ी खटाल के लोग धनबाद अंचल कार्यालय पहुँचे और जमीन के दस्तावेज पेश करने के लिए प्रशासन से अतिरिक्त समय की मांग की। खटाल वासियों और उनके प्रतिनिधियों का दावा है कि करीब 20 से 22 साल पहले तत्कालीन उपायुक्त के आदेश पर उन्हें बेकार बांध से हटाकर बारामुड़ी में बसाया गया था। ऐसे में उन्हें अचानक यहाँ से हटाना उचित नहीं है।

बसंत यादव का कहना है कि प्रशासन द्वारा उन्हें पहले यहाँ बसाया गया था, इसलिए दस्तावेज जुटाने के लिए उन्हें और मोहलत दी जानी चाहिए ताकि वे अपने पक्ष के कागजात सही समय पर पेश कर सकें। इस मामले पर कड़ा रुख अपनाते हुए धनबाद के अंचल अधिकारी रामप्रवेश कुमार ने स्पष्ट कर दिया है कि सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया पूरी सख्ती से आगे बढ़ाई जाएगी। रामप्रवेश कुमार ने कहा कि लोगों की मांग पर दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए समय दिया जा रहा है, लेकिन तय समय तक वैध कागजात नहीं दिखाने पर जमीन खाली करने का नोटिस जारी किया जाएगा। इसके बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाने पर प्रशासन बल प्रयोग कर जमीन को खाली करवाएगा।

आगे की कार्रवाई और अन्य इलाके

प्रशासन की यह कार्रवाई सिर्फ बारामुड़ी खटाल तक सीमित नहीं रहेगी। अंचल अधिकारी के मुताबिक, आने वाले दिनों में पांडरपाला, ट्रैक्शन कॉलोनी, लोको टैंक, रानी बांध तालाब के आसपास और हाउसिंग कॉलोनी में भी सरकारी जमीन पर हुए अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया जाएगा। फिलहाल, सबकी नजर इस बात पर टिकी है कि बारामुड़ी खटाल के लोग तय समय के भीतर अपने जमीन के वैध दस्तावेज पेश कर पाते हैं या जिला प्रशासन को कड़ा कदम उठाते हुए अतिक्रमण हटाना पड़ता है।

समाचार सार

एसआईआर को लेकर महागामा में जागरूकता अभियान, नए मतदाताओं को किया प्रेरित

गोड्डा (रफ्तार मीडिया संवाददाता): महागामा में एसआईआर को लेकर नए मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत महागामा अंचलाधिकारी डॉ. खगेन महतो ने बूथ नंबर 376 पर पहुंचकर युवाओं और नए मतदाताओं से मुलाकात की। उन्होंने पात्र युवाओं को मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया।अंचलाधिकारी ने अपील करते हुए कहा कि जिन युवाओं की उम्र 1 अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष पूरी हो चुकी है, वे जल्द से जल्द फॉर्म-6 और डिक्लेरेशन फॉर्म भरें, ताकि उनका नाम नई मतदाता सूची में शामिल किया जा सके। उन्होंने कहा कि मतदान का अधिकार लोकतंत्र की मजबूती का महत्वपूर्ण आधार है और प्रत्येक पात्र नागरिक को मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य दर्ज कराना चाहिए।डॉ. खगेन महतो ने बताया कि सोमवार को महागामा क्षेत्र में एसआईआर के तहत जागरूकता अभियान चलाया गया है।अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक पात्र युवाओं को मतदाता सूची से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और मंगलवार को अन्य क्षेत्रों में पहुंचकर युवाओं को नए मतदाता बनने तथा आवश्यक प्रपत्र भरने के लिए जागरूक और प्रेरित किया जाएगा।

शिकारीपाड़ा प्रखंड के काराकट्टा एवं हरिनसिंहा ग्राम में धूमधाम से मनाया गया जल अर्पण दिवस

शिकारीपाड़ा/दुमका : पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल दुमका-01 के अंतर्गत शिकारीपाड़ा प्रखंड की सिमानीजोर पंचायत के काराकट्टा और हरिनसिंहा ग्राम में प्रखंड विकास पदाधिकारी एजाज आलम, प्रशिक्षु पदाधिकारी सुजाता बैग एवं मुखिया की संयुक्त अध्यक्षता में जल अर्पण दिवस का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को जल संरक्षण और उसके प्रबंधन के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी एजाज आलम ने जल अर्पण दिवस के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने भूजल का रिचार्ज, जल संरक्षण, जल प्रबंधन, जल कर शुल्क, जल गुणवत्ता जांच, पेयजल आपूर्ति का संचालन एवं रखरखाव तथा वर्षा जल संचयन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर ग्रामीणों को विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान जिला समन्वयक और कनीय अभियंता ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग तथा ग्रामीणों के बीच बेहतर आपसी समन्वय स्थापित करने के तरीकों को साझा किया। समारोह के दौरान उपस्थित अधिकारियों और ग्रामीणों द्वारा जल शपथ ली गई तथा जल श्रृंगार का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसके साथ ही त्रिपक्षीय समझौता कर पेयजल योजनाओं का औपचारिक हस्तांतरण ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति को किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में प्रखंड समन्वयक विकास मिश्रा, जलसहिया, पंचायत सचिव, मुखिया, जेएसपीएल से जुड़ी स्वयं सहायता समूह की दीदियों और स्थानीय ग्रामीणों ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

त्यौहार को लेकर खाद्य सुरक्षा टीम सतर्क, मिठाई कारखाना में छापेमारी कर मिलावटी बताशा और सेवई भारी मात्रा में जब्त, कारखाना सील

▸▸झरिया के फतेहपुर रोड स्थित अवैध कारखाने पर खाद्य सुरक्षा विभाग का औचक छापा।

▸▸210 किलोग्राम प्रतिबंधित रंगों से तैयार रंगीन बताशा और 150 किलोग्राम मिलावटी सेवई बरामद।

धनबाद (रफ्तार मीडिया संवाददाता): त्योहारी सीजन को देखते हुए धनबाद खाद्य सुरक्षा विभाग पूरी तरह सतर्क हो गया है और मिलावटखोरों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी क्रम में दीपावली से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने सोमवार को झरिया में फतेहपुर रोड स्थित दिनेश गुप्ता के मिठाई कारखाने में औचक छापेमारी की। छापेमारी के दौरान कारखाने से 210 किलोग्राम प्रतिबंधित रंगों से तैयार रंगीन बताशा और 150 किलोग्राम मिलावटी सेवई बरामद की गई। कुल 360 किलोग्राम अमानक और संदिग्ध खाद्य सामग्री मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी डॉ. राजा कुमार ने बताया कि विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि फतेहपुर गली में बिना किसी वैध लाइसेंस और अनुमति के अवैध रूप से मिठाई का कारखाना संचालित किया जा रहा है। सूचना की पुष्टि के बाद टीम ने यह कार्रवाई की, जिसमें खाद्य पदार्थों में खतरनाक प्रतिबंधित रंगों का इस्तेमाल पकड़ा गया। **दीपावली बाजार में खपाने की थी तैयारी:-** प्रारंभिक जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि बरामद रंगीन बताशों और सेवई को आगामी दीपावली के त्योहार के दौरान धनबाद जिले के विभिन्न बाजारों और स्थानीय दुकानों में खपाने की पूरी तैयारी थी। विभाग अब यह पता लगाने में जुटा है कि इस कारखाने से तैयार सामग्री अब तक किन-किन दुकानों तक पहुंचाई जा चुकी है, क्योंकि त्योहार के समय मिलावटी खाद्य पदार्थों की मौजूदगी आम जनता की सेहत के लिए एक गंभीर खतरा बन सकती है। **कमरे में सील किए गए खाद्य पदार्थ, नमूने जांच के लिए रांची भेजे जाएंगे:-** छापेमारी के बाद विभागीय टीम ने मौके पर त्वरित कार्रवाई करते हुए बरामद 210 किलो रंगीन बताशा और 150 किलो सेवई को एक कमरे में सुरक्षित रखकर ताला बंद कर सील कर दिया। इसके साथ ही, जब्त खाद्य पदार्थों के नमूने (सैंपल) लेकर जांच के वास्ते रांची स्थित प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट आने के बाद कारखाना संचालक के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जामताड़ा अनुमंडल कार्यालय के समक्ष इंडिया गठबंधन ने किया वोट बचाओ, नागरिकता बचाओ को लेकर धरना-प्रदर्शन

रफ्तार मीडिया संवाददाता

जामताड़ा : वोट बचाओ, नागरिकता बचाओ और देश बचाओ के नारे के साथ सोमवार को जामताड़ा अनुमंडल कार्यालय के समक्ष इंडिया गठबंधन के नेताओं एवं कार्यकताओं ने एसआईआर के विरोध में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान केंद्र की मोदी सरकार और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। प्रदर्शनकारियों ने मतदाता सूची से कथित तौर पर बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए जाने पर नाराजगी जताते हुए इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताया। साथ ही मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की मांग की। धरना-प्रदर्शन की अध्यक्षता सीपीआईएम के प्रभारी जिला सचिव संजय कुमार मेहता ने की। मौके पर राजद जिला अध्यक्ष दिनेश यादव, प्रधान महासचिव अशोक चौधरी, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष अर्चना यादव, कांग्रेस नेता नंदकिशोर सिंह, सीपीआईएम के राज्य सचिव सुरजीत सिन्हा, चंडी दास पुरी, भाकपा माले जिला सचिव सुनील राणा और जयप्रकाश मंडल सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने सभा को संबोधित किया। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि एसआईआर के नाम पर सही मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं। इससे बड़ी संख्या में आम नागरिक अपने संवैधानिक और लोकतांत्रिक अधिकार यानी मतदान के अधिकार से वंचित हो सकते हैं। नेताओं ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि उनकी भूमिका निष्पक्ष नहीं रही है और वे भाजपा के पक्ष में काम कर रहे हैं। वक्ताओं ने दावा किया कि एसआईआर की प्रक्रिया से देश के करीब 13 करोड़ लोगों के नागरिकता और मताधिकार से जुड़े अधिकार प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक योग्य नागरिक को मतदान का अधिकार मिलना चाहिए। किसी भी योग्य मतदाता का नाम बिना उचित प्रक्रिया के मतदाता सूची से नहीं काटा जाना चाहिए। वही दिल्ली में हुए विरोध प्रदर्शन का जिक्र करते हुए नेताओं ने कहा कि विपक्ष अब चुप बैठने वाला नहीं है। यदि मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा और काटे गए नामों को जोड़ने की दिशा में ठोस पहल नहीं हुई तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और व्यापक तथा उग्र किया जाएगा। इस दौरान ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर भी जोरदार नारे लगाए गए। धरना-प्रदर्शन में सीपीआईएम राज्य कमेटी सदस्य लखनलाल मंडल, जिला कमेटी सदस्य गोविंद पंडित, सचिन राणा, महेंद्र रावत, गौर सोरेन, सुकुमार बाउरी, विजय राणा और नवल किशोर शामिल हुए। वहीं राजद की ओर से जोगिंदर राय, मुन्ना यादव और राम प्रकाश सिंह मौजूद रहे। भाकपा माले से सोमलाल मिर्धा, सुशील मोहाली, देबू चौधरी, आशा मिर्धा और ममता राणा ने भाग लिया। इसके अलावा सीपीआई के मधु रवाणी सहित इंडिया गठबंधन के विभिन्न घटक दलों के काफी संख्या में नेता एवं कार्यकर्ता धरना-प्रदर्शन में शामिल हुए।

मिट्टी के दीये हमारी सभ्यता और संस्कृति की पहचान : भागीरथ पंडित

जामताड़ा के मेझिया शिव मंदिर परिसर में प्रजापति समाज की ओर से दीपोत्सव का हुआ आयोजन

1008 मिट्टी के दीये जलाकर प्रजापति समाज ने दिया संस्कृति संरक्षण का संदेश

रफ्तार मीडिया संवाददाता

जामताड़ा। दीपावली के पावन अवसर पर भारतीय प्रजापति हिरोज संघ की ओर से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मेझिया स्थित धंधुर डागाल शिव मंदिर परिसर में भव्य दीपोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रजापति समाज के लोगों ने सामूहिक रूप से 1008 मिट्टी के दीये जलाकर प्रकाशोत्सव मनाया। पूरे मंदिर परिसर में दीपों की रोशनी से भक्तिमय और उत्सवी माहौल बन गया।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारतीय सभ्यता, संस्कृति और प्राचीन परंपराओं को जीवित रखने के साथ मिट्टी के दीयों के उपयोग को बढ़ावा देना था। इस दौरान आधुनिक पाश्चात्य विद्युत लाइटों के बजाय पारंपरिक मिट्टी के दीये जलाने पर विशेष जोर दिया गया। मौके पर जामताड़ा प्रजापति संघ के जिलाध्यक्ष सह समाजसेवी भागीरथ पंडित ने कहा कि मिट्टी के दीये हमारी प्राचीन सभ्यता और संस्कृति की पहचान हैं। कुम्हार समाज युगों-युगों से मिट्टी के बर्तन और दीये बनाकर समाज की परंपराओं को आगे बढ़ाता रहा है। मिट्टी प्राकृतिक रूप से शुद्ध और पर्यावरण के अनुकूल होती है। इसलिए सभी लोगों को दीपावली के अवसर पर कुम्हार भाइयों द्वारा निर्मित मिट्टी के दीये अपनाने चाहिए। इससे परंपरा का संरक्षण होने के साथ कुम्हार परिवारों को भी आर्थिक सहयोग मिलेगा। कार्यक्रम का संचालन एवं नेतृत्व जिलाध्यक्ष भागीरथ पंडित, सचिव काजल पंडित और महासचिव उज्जवल पंडित ने किया। इस दौरान काजल पंडित, रमेश पंडित और उज्जवल पंडित ने भी अपने विचार रखते हुए मिट्टी के दीयों के महत्व पर प्रकाश डाला। सभी ने एक-दूसरे के साथ दीपावली की खुशियां साझा कीं।

कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में महिलाएं, युवा, समाज के सदस्य एवं गांव के गणमान्य लोग शामिल हुए। आयोजन समिति की ओर से उपस्थित विशिष्ट अतिथियों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उज्जवल पंडित, काजल पंडित, रमेश पंडित, हाराधन पंडित, बबलू पंडित, राजकुमार पंडित, रुबेन पंडित, कार्तिक पंडित, सोनाराम पंडित, राहुल पंडित, झंटू पंडित, निरंजन पंडित, मनोज पंडित, उज्जवल दत्ता, मनोरंजन मंडल, तपन भंडारी, गुणाधर पंडित, आशुतोष पंडित, प्रफुल पंडित, सचिन पंडित, लखन दास, राहुल दास, सुजय गोराई, पवन पंडित, केशव पंडित, चंपा पंडित, रिया पंडित, सुमित्रा देवी, ऋतु पंडित, माही पंडित, पूर्णिमा कुमारी, जमुना देवी, अजय पंडित, भजारी पंडित, चरण पंडित, जयदेव पंडित, खिरोधर पंडित, तपन पंडित, सपन पंडित, राजा पंडित और असीम पंडित सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे।

महंगाई, बेरोजगारी और असुरक्षा से परेशान हैं राज्य की जनता : मौलाना रकीब

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष ने राज्य में महिला सुरक्षा पर उठाए सवाल

रफ्तार मीडिया संवाददाता

जामताड़ा : जामताड़ा भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष मौलाना अब्दुल रकीब अंसारी ने झारखंड की कानून-व्यवस्था, महिला सुरक्षा, मॉब लिंचिंग और बेरोजगारी के मुद्दे पर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनता की बुनियादी समस्याओं से बेखबर है और आम लोग महंगाई, बेरोजगारी तथा असुरक्षा के माहौल में जीने को मजबूर हैं। मौलाना अंसारी ने कहा कि झारखंड में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। महिलाओं को थाने तक में सुरक्षा और सम्मान मिलने को लेकर सवाल उठ रहे हैं। कभी जेल में महिला के गर्भवती होने का मामला सामने आता है, तो कभी थानों में महिलाओं के साथ कथित दुर्व्यवहार की शिकायतें सामने आती हैं। ऐसे मामलों से आम जनता का व्यवस्था पर भरोसा कमजोर होता है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब महिलाएं अपनी शिकायत लेकर पुलिस के पास जाती हैं और वहां भी सुरक्षा को लेकर सवाल उठते हैं, तो आखिर वे न्याय की उम्मीद किससे करेंगी।

उन्होंने कहा कि राज्य में मॉब लिंचिंग की घटनाएं सामाजिक सौहार्द और कानून-व्यवस्था के लिए चिंता का विषय हैं। सरकार को ऐसी घटनाओं पर सख्ती से रोक लगाने की जरूरत है। वहीं, रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं मिलने के कारण झारखंड के युवा दूसरे राज्यों में पलायन करने को मजबूर हैं। मौलाना अब्दुल रकीब अंसारी ने आरोप लगाया कि सरकार घोषणाओं तक सीमित है, जबकि जमीनी स्तर पर समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। उन्होंने राज्य सरकार से महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने, कानून-व्यवस्था मजबूत करने, मॉब लिंचिंग पर रोक लगाने और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की मांग की।

जामताड़ा में रक्त की कमी को दूर करने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी : डॉ. नीलेश कुमार

जामताड़ा मेडी सेफ पॉलीक्लिनिक की सराहनीय पहल, रक्तदान शिविर लगाकर लगभग 50 यूनिट रक्त किया संग्रह

रफ्तार मीडिया संवाददाता

जामताड़ा : जामताड़ा में जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सोमवार को मेडी सेफ पॉलीक्लिनिक एंड डायग्नोस्टिक सेंटर की ओर से करमाटाड़ रोड स्थित पॉलीक्लिनिक परिसर में एकदिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और कुल 50 रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। शिविर का विधिवत उद्घाटन जामताड़ा ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. नीलेश कुमार एवं डॉ. शाना अंडलिब ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर पॉलीक्लिनिक के डायरेक्टर चंदन मंडल एवं अर्नब मंडल ने दोनों अतिथियों को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। शिविर में चंदन मंडल, प्रणब मंडल, नगमा खातून, अर्पिता बनर्जी, मनोरमा बनर्जी, नाच परवीन, जीतू मंडल, प्रदीप यादव, गोविंद मंगल एवं ज्योति सिंह सहित कुल 50 लोगों ने रक्तदान किया। मौके पर जामताड़ा ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. नीलेश कुमार ने कहा कि रक्तदान एक पुनीत कार्य है। रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प नहीं है। जरूरत के समय किसी मरीज की जान बचाने के लिए रक्त की उपलब्धता बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ लोगों को साल में एक से दो बार रक्तदान अवश्य करना चाहिए। इससे जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा सकता है। उन्होंने जिले के सभी पैथोलॉजी एवं निजी स्वास्थ्य संस्थानों के संचालकों से भी अपील की कि वे समय-समय पर रक्तदान शिविर का आयोजन करें, ताकि जामताड़ा में रक्त की कमी की समस्या को दूर किया जा सके। वहीं पॉलीक्लिनिक के डायरेक्टर चंदन मंडल एवं प्रणब मंडल ने कहा कि डॉ. नीलेश कुमार के आग्रह पर इस शिविर का आयोजन किया गया। संस्थान की ओर से सामाजिक दायित्व के तहत पूर्व में भी निःशुल्क ब्लड शुगर एवं बीपी जांच शिविर आयोजित किए जाते रहे हैं। भविष्य में भी इस तरह के जनहितकारी कार्यक्रम जारी रहेंगे। उन्होंने रक्तदान करने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। मौके पर गोविंद मंडल, प्रदीप यादव, इस्तकार अंसारी, आदिल अंसारी, अर्पिता कुमारी सहित ब्लड बैंक के टेक्नीशियन उपस्थित थे।

संक्षिप्त ख़बरें

गरीब बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना लक्ष्य : डालसा

रफ्तार मीडिया संवाददाता : बबलु मुश्ताक ..

अनगड़ा : कमजोर और वंचित परिवारों के बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़कर उन्हें बेहतर भविष्य का अवसर दिलाना ही डालसा का प्रमुख लक्ष्य है। इसी उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा), रांची की ओर से अनगड़ा प्रखंड के चिलदाग पंचायत स्थित चिलदाग गांव में डोर-टू-डोर विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में पीएलवी बेबी सिन्हा ने नालसा, झालसा और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए लोगों से उनका लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने नालसा की 'शिक्षा-2026' योजना पर विशेष जोर देते हुए कहा कि समाज के पिछड़े, वंचित और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को शिक्षा से जोड़ना तथा उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना अभियान का मुख्य उद्देश्य है।पीएलवी मालती देवी, मालती कुमारी, मीना श्रीवास्तव और शिला देवी ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार की भूमिका बताते हुए बाल श्रम, बाल विवाह और विधवा पेंशन से संबंधित कानूनी प्रावधानों एवं योजनाओं की जानकारी दी। वहीं पीएलवी शिला तिग्गा ने 'संवाद' योजना के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय के लोगों को उनकी स्थानीय भाषा और संस्कृति के अनुरूप कानूनी जानकारी उपलब्ध कराना तथा उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ना डालसा की प्राथमिकता है। इस दौरान ग्रामीणों के बीच योजनाओं से संबंधित लिफलेट और पंपलेट वितरित किए गए। साथ ही आगामी 13 दिसंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की जानकारी देकर लोगों को इसका लाभ उठाने के लिए जागरूक किया गया। मौके पर डालसा की पीएलवी बेबी सिन्हा, मालती कुमारी, मीना श्रीवास्तव, शिला देवी, सुनीता कुमारी समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

गया जी के बहेरा थाना क्षेत्र में हुंडई कार से भारी मात्रा में अवैध शराब और बीयर बरामद, एक तस्कर गिरफ्तार

रफ्तार मीडिया/गया जी
प्रभात सिन्हा

गया जीः: गया जी जिले के बहेरा थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाली अस्थायी जाँच चौकी धीरजपुल के पास पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान एक हुंडई कार से भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब और बीयर ज़ब्त की है. इस मामले में पुलिस ने कार सवार एक व्यक्ति को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, हुंडई कार (पंजीयन संख्याः BR-02PC-2682) से अवैध बीयर और विदेशी शराब का परिवहन किया जा रहा था। जाँच के दौरान जब वाहन की तलाशी ली गई, तो कुल 120.000 लीटर (यानी 240 बोतल) अवैध बीयर और विदेशी शराब बरामद की गई, जिसे पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रोहित कुमार (पिता - प्रमोद सिंह, साकिन - ढकनी बिगहा, थाना - मखदुमपुर, जिला - जहानाबाद, बिहार) , उम्र 26 वर्ष के रूप में हुई है। इस पूरी कार्रवाई को अंजाम देने वाली छापामार टीम
में विजय कुमार (स०अ०नि०म०नि०) एवं
गृहरक्षक जवान शामिल थे।

सहायक आयुक्त (मद्यनिषेध) प्रिय रंजन ने बताया कि इस मामले में आगे की अनुसंधान प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोप पत्र समर्पित किया जाएगा।

सीआईएसएफ की कार्रवाईः एनके-पिपरवार क्षेत्र में छापेमारी, 103 टन से अधिक अवैध कोयला चिह्नित व जब्त

रफ्तार मीडिया संवाददाता पवन गुप्ता

डकरा :सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के एनके और पिपरवार क्षेत्र में अवैध कोयला कारोबार और चोरी की रोकथाम को लेकर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने सोमवार को व्यापक अभियान चलाया। कमांडेंट अमित कुमार के निर्देशन में अलग-अलग टीमों ने केडीएच, रोहिणी, धमधमिया और छापर जंगल में एक साथ कार्रवाई कर कुल 103.30 टन अवैध कोयला चिह्नित व जब्त किया। साथ ही लगभग 100 किलोग्राम एल्युमिनियम तार भी बरामद किया गया।सोमवार सुबह करीब 7 बजे मिली गुप्त सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर रश्मि के नेतृत्व में टीम ने केडीएच क्षेत्र में दबिश दी। यहां चोरी की नीयत से छिपाकर रखा गया 2.070 टन कोयला बरामद किया गया। कांटे (WB-03) पर वजन कराने के बाद इसे सीसीएल प्रबंधन को सौंप दिया गया, जिसका मूल्यांकन 1,130 रुपये प्रति टन की दर से 2,339.10 रुपये किया गया। उप कमांडेंट दिनेश कुमार एवं सहायक कमांडेंट हर्ष लवानिया के नेतृत्व में रोहिणी 9 नंबर और धमधमिया जंगल में तलाशी अभियान चलाया गया। इंस्पेक्टर पंकज झा और इंस्पेक्टर आर.के. सिंह की अगुवाई में टीम ने यहां से करीब 100 किलोग्राम अवैध एल्युमिनियम तार बरामद कर जब्त किया।

डिजिटल बस से गांवों तक पहुंचेगा रोजगार का संदेश

◈ चार दिनों में 16 स्थानों पर युवाओं को मिलेगा रोजगार, शिक्षा और स्वरोजगार का मार्गदर्शन

रफ्तार मीडिया संवाददाता

अनगड़ा : ग्रामीण युवाओं को रोजगार, कौशल प्रशिक्षण और स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सोमवार को जोन्हा पंचायत स्थित Wow Hub Jonha से डिजिटल मोबिलाइजेशन बस अभियान का शुभारंभ किया गया। अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर बस को विभिन्न गांवों के लिए रवाना किया।टीआरआई एवं एसबीआई फाउंडेशन के सहयोग से चेंजमेकर द्वारा संचालित यह अभियान 2 से 5 नवंबर तक चार दिनों में 16 गांवों एवं प्रमुख स्थानों तक पहुंचेगा। अभियान के तहत डिजिटल बस के माध्यम से वीडियो प्रदर्शन, जागरूकता कार्यक्रम और ग्रामीणों के साथ सीधा संवाद किया जाएगा। युवाओं को रोजगार, उच्च शिक्षा, कौशल विकास, उद्यमिता, कृषि, सरकारी योजनाओं और स्वरोजगार के अवसरों की जानकारी दी जाएगी।

◈ चार दिनों का निर्धारित कार्यक्रम

2 नवंबर को सुरसू, सिंगारी-टाटी, डिमरा और मुनगाडीह; 3 नवंबर को पहाड़सिंह, बरवादाग, सीताडीह और आसरी स्कूल मैदान; 4 नवंबर को हेसलाबेड़ा, हापतबेड़ा, जीलिंग सेरेंग और गुड़ी डीह तथा 5 नवंबर को शासनबेड़ा, सुपा, चंद्रा टोली और राजाडेरा में बस पहुंचेगी। प्रत्येक स्थान पर सुबह 9 से शाम 6 बजे तक निर्धारित समयानुसार कार्यक्रम होंगे।

शुभारंभ कार्यक्रम में जोन्हा मुखिया सह विरासत समिति अध्यक्ष कृष्णा मुंडा, जरा टोली ग्राम प्रधान रिझुवा मुंडा, जोन्हा ग्राम प्रधान जगन्नाथ शाही, भीष्म शाही मुंडा, बरवादाग मुखिया सारथी देवी, पंचायत समिति सदस्य सरनी देवी, सिंगारी सीएलएफ कोषाध्यक्ष शिरोमणि बांडो, सामाजिक कार्यकर्ता सत्यनारायण मुंडा एवं बीरेंद्र मुंडा उपस्थित थे।शिक्षकों में बलराम मुंडा, सुशांति सुरीन और प्रभा मगदली तिर्की शामिल रहीं।अभियान में सीएलएफ एचआर रामबृक्ष महतो, बीरेंद्र अहीर, अफसरी खातून, फील्ड कोऑर्डिनेटर सुकर मनी देवी, बागवानी सखी पूनम देवी और पशु चिकित्सा मित्र हरदयाल मुंडा ने सक्रिय भूमिका निभाई।कार्यक्रम का संचालन हब कोऑर्डिनेटर राजेश महतो के नेतृत्व में हुआ। हब सारथी रेखा देवी और हर्षनाथ भोगता का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं की रुचि और क्षमता पहचानकर उन्हें सही अवसरों से जोड़ना है, ताकि वे गांव में ही रोजगार और स्वरोजगार के नए रास्ते तलाशकर आत्मनिर्भर बन सकें।

ज्ञान, संस्कृति और रोमांच का संगम : सरला बिरला पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों की गुजरात-मुंबई यात्रा

रफ्तार मीडिया संवाददाता
: बबलू मुश्ताक ..

राँची/नामकुम : सरला बिरला पब्लिक स्कूल राँची के विद्यार्थियों की गुजरात एवं मुंबई की शैक्षणिक यात्रा ज्ञानार्जन, सांस्कृतिक अन्वेषण, मनोरंजन और रोमांच से परिपूर्ण रही। इस यात्रा का उद्देश्य विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान से परे वास्तविक जीवन के अनुभवों से जोड़ना तथा देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहरों और विविधताओं से परिचित कराना था।यात्रा के प्रथम चरण में विद्यार्थियों ने अहमदाबाद स्थित श्री माँ वैष्णोदेवी मंदिर में दर्शन कर आध्यात्मिक शांति का अनुभव किया। इसके पश्चात उन्होंने साबरमती आश्रम का भ्रमण किया, जहाँ उन्हें राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जीवन, उनके सत्य, अहिंसा एवं सादगी के सिद्धांतों तथा स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को निकट से जानने का अवसर मिला। श्री स्वामीनारायण अक्षरधाम की भव्य स्थापत्य कला और अद्भुत शिल्पकला ने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति एवं कलात्मक विरासत की समृद्ध परंपरा से परिचित कराया। वहीं, 5/11 गेम जोन में विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों ने यात्रा में उत्साह और उमंग का संचार किया।यात्रा का एक विशेष आकर्षण विश्वविख्यात स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का भ्रमण रहा। सरदार वल्लभभाई पटेल की इस विशाल प्रतिमा ने विद्यार्थियों को उनके दूरदर्शी नेतृत्व, अदम्य संकल्प और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता के प्रति उनके अतुलनीय योगदान से प्रेरणा लेने का अवसर प्रदान किया। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने मुंबई की ओर प्रस्थान किया, जहाँ उन्होंने ऐतिहासिक गेटवे ऑफ इंडिया का भ्रमण कर देश के गौरवशाली अतीत से परिचय प्राप्त किया। मरीन ड्राइव पर अरब सागर की मनमोहक लहरों और सुरम्य प्राकृतिक दृश्यों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

सीआईटी में आईडिया ट्राइब 2026 का आयोजन

◈ बिभिन्न तकनिकी संस्थानों के विद्यार्थियों ने लिया भाग

रफ्तार मीडिया संवाददाता - बबलु मुश्ताक ..

राँची/ टाटीसिलवे : कैंब्रिज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (सीआईटी) में सोमवार को जेयूटी के सेंटर फॉर इनोवेशन, इन्क्यूबेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (सीआईआईई) के तत्वावधान में आईडिया ट्राइब-2026 फेज-3 बूटकैंप का आयोजन किया गया। इसमें रांची और आसपास के विभिन्न तकनीकी संस्थानों के विद्यार्थियों ने अपने नवाचारी विचारों और मॉडलों के प्रोटोटाइप प्रस्तुत कर प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मौके पर विशेषज्ञ के रूप में बीएसएनएल (आईटीएस) के प्रिंसिपल जनरल मैनेजर उमेश प्रसाद, एमएसएमई रांची के निदेशक इंद्रजीत यादव और जेयूटी (सीआईआईई) की डिप्टी सीईओ डॉ. अनीता सिन्हा उपस्थित थीं। विद्यार्थियों ने अपने-अपने प्रोजेक्ट की उपयोगिता और कार्यप्रणाली की जानकारी दी। विशेषज्ञों ने प्रस्तुत मॉडलों का मूल्यांकन करते हुए विद्यार्थियों को नवाचार, तकनीकी विकास और उद्यमिता से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव दिए।आयोजकों के अनुसार, विद्यार्थियों के प्रस्तुत विचारों में से चयनित परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए जेयूटी की ओर से वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। बूटकैंप में जेयूटी रांची, रामगढ़ इंजीनियरिंग कॉलेज, गवर्नमेंट विमेंस पॉलिटेक्निक रांची, आरटीसी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कैंब्रिज पॉलिटेक्निक और सीआईटी रांची के विद्यार्थी शामिल हुए।संस्थान के इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल के अध्यक्ष दीपक कुमार वर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य युवा नवप्रवर्तकों को प्रोत्साहित करना, उनकी रचनात्मक सोच को मंच देना और स्वदेशी उद्यमिता को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में सीआईटी के प्राचार्य डॉ. एल. रंगनाथन, उप प्राचार्य प्रो. रसिका नवनीत सिंह, इनोवेशन काउंसिल के कन्वेनर विनीत कुमार, डीन एकेडमिक प्रो. अरशद उस्मानी, डॉ. रणवीर कुमार और डॉ. पवन कुमार मुख्य रूप से उपस्थित थे।

पितृपक्ष मेला में उत्कृष्ट सेवा देने वाले एनसीसी और स्काउट गाइड के 447 स्वयंसेवक सम्मानित

◈ अपर समाहर्ता परितोष कुमार ने प्रशस्ति पत्र देकर बढ़ाया बच्चों का उत्साह, सेवा और समर्पण की भावना की सराहना की

रफ्तार मीडिया/गयाजी
प्रभात सिन्हा

गया जी :: पितृपक्ष मेला-2026 के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन में सराहनीय योगदान देने वाले एनसीसी और भारत स्काउट गाइड के कुल 447 स्वयंसेवकों को सोमवार को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अपर समाहर्ता, गया जी परितोष कुमार ने सभी स्वयंसेवकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके उत्कृष्ट सेवा कार्यों की सराहना की। सम्मानित होने वालों में एनसीसी 6 बटालियन के 154 कैडेट और भारत स्काउट गाइड के 293 स्वयंसेवक शामिल हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपर समाहर्ता परितोष कुमार ने कहा कि पितृपक्ष मेला के दौरान इन स्वयंसेवकों ने अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और सेवा भावना का परिचय देते हुए विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों पर तीर्थयात्रियों की सहायता की। विष्णुपद मंदिर, देवघाट, घाटों तक जाने वाली संकरी गलियों, रामशिला, प्रेतशिला, मातंगवापी, धर्मारण्य, अक्षयवट, सीताकुंड एवं विष्णुपथ अप्रोच पाथवे सहित मेला क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर इन बच्चों ने पूरी तत्परता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया।

उन्होंने कहा कि मेले के दौरान भारी भीड़ के बीच कई तीर्थयात्री अपने परिजनों से बिछड़ जाते थे। ऐसे लोगों को उनके परिवार से मिलाने में खोया-पाया केंद्र पर तैनात स्वयंसेवकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अलावा बुजुर्ग एवं दिव्यांग तीर्थयात्रियों को व्हीलचेयर के माध्यम से विष्णुपद मंदिर में दर्शन कराने तथा उन्हें आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने में भी इनकी भूमिका सराहनीय रही। गया जी रेलवे स्टेशन पर भी स्वयंसेवकों ने तीर्थयात्रियों को रास्ते की जानकारी देने, मार्गदर्शन करने और उनके सुगम आवागमन में सक्रिय सहयोग दिया।

सकरीगली रैक साइडिंग में श्रम विवाद, डीआरएम कार्यालय में उठेगा मामला

◈ मजदूरों ने लगाया दुर्व्यवहार करने व निर्धारित मजदूरी नहीं देने का आरोप,प्रबंधन ने आरोपों को बेबुनियाद बताया

रफ्तार मीडिया संवाददाता

साहिबगंजः सकरी गली रेलवे रैक साइडिंग में मजदूरों और एक स्टोन प्रबंधन के बीच श्रम विवाद को लेकर झारखंड मजदूर संघ (प्रजातांत्रिक) की जिला कमेटी की बैठक की गई। जिसमें मजदूरों ने प्रबंधन के प्रतिनिधि द्वारा दुर्व्यवहार करने, निर्धारित मजदूरी नहीं देने और रैक लोडिंग पॉइंट पर बुनियादी सुविधाओं के अभाव रहने का आरोप लगाया। मजदूरों का कहना था कि कई मौकों पर रैक लोडिंग के लिए स्टोन प्रबंधन के द्वारा स्टोन चिप्स की आपूर्ति में देरी करने के कारण उन्हें लोडिंग के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता है। वहीं कई मौकों पर बिना काम कराये उन लोगों को वापस भेजकर लोडिंग का कार्य जेसीबी से कराया जाता है। मजदूरों ने बैठक के माध्यम से पूरी निर्धारित मजदूरी देने की मांग उठाई। संघ के केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने कहा कि मजदूरों के अधिकारों का हनन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। न्यूनतम मजदूरी के साथ बिजली, पेयजल और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रबंधन की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आगामी 23 नवंबर को डीआरएम कार्यालय, मालदा के समक्ष मामला उठाया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता मुन्ना यादव ने की। मौके पर विजय यादव, राकेश राव, संजय रजक, धर्मेंद्र चौधरी सहित अन्य मजदूर एवं संघ के सदस्य मौजूद थे। इसके पहले सकरी गली रैक लोडिंग पॉइंट में मजदूरों के निर्धारित मजदूरी देने,लोडिंग पॉइंट पर बिजली, पानी एवं शौचालय की व्यवस्था करने की मांग को लेकर मजदूरों ने काफी देर तक बवाल काटा था। इधर, स्टोन प्रबंधन के प्रतिनिधि की मानें तो मजदूरों का आरोप बेबुनियाद है, मजदूरों द्वारा जितना काम किया जाता है, उसका भुगतान किया गया। उनके अनुसार मजदूर रैक लोडिंग करने में मनमानी करते हैं। रेलवे से ट्रैक लोडिंग का इंडेन समय सीमा के साथ जारी किया जाता है, समय सीमा के भीतर रैक लोडिंग कार्य पूरा नहीं हो पाने की स्थिति में रेल प्रबंधन के द्वारा डैमरेज चार्ज के नाम पर भारी भरकम राशि के रूप में पेनल्टी लगा दी जाती है। इसके बावजूद कई मौका पर मजदूरों के द्वारा स्टोन प्रबंधन को सहयोग नहीं किया जाता है।

धुर्वा डैम के नाम पर अधिग्रहित जमीन का 50 साल बाद भी नहीं मिला मुआवजा, पीड़ित ने न्याय की गुहार लगाई

रफ्तार मीडिया संवाददाता

रांची राजधानी रांची में जमीन अधिग्रहण का एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है, जहां 1975 में धुर्वा डैम के लिए अधिग्रहित जमीन का मुआवजा 50 साल बाद भी रैयत को नहीं मिला, वहीं दूसरी ओर उसी जमीन की रजिस्ट्री और म्यूटेशन 2018 तक होता रहा। इस पूरे मामले को लेकर पीड़ित अनूप कुमार प्रजापति ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर न्याय की मांग की है।

अनूप कुमार प्रजापति ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2018 में रैयत मालिक से धुर्वा डैम साइड स्थित 24 डिसमिल जमीन खरीदी थी। जमीन का खाता नंबर-6 और प्लॉट नंबर-408 है। जमीन खरीदने से पहले उन्होंने पूरी सतर्कता बरती और संबंधित अंचल कार्यालय जाकर जमीन से जुड़ी सभी जानकारियां प्राप्त की थीं। अंचल कार्यालय से उन्हें बताया गया था कि जमीन पूरी तरह से सही है और किसी प्रकार का विवाद नहीं है। इसके आश्वासन के बाद उन्होंने विधिवत जमीन की रजिस्ट्री कराई और उसका म्यूटेशन भी करा लिया।अनूप ने बताया कि

24 डिसमिल जमीन में से उन्होंने 4 डिसमिल जमीन की बिक्री भी कर दी थी। सब कुछ ठीक चल रहा था, लेकिन अचानक उन्हें और उनके द्वारा जमीन खरीदने वाले व्यक्ति को प्रशासन की ओर से नोटिस जारी कर बताया गया कि संबंधित जमीन धुर्वा डैम के लिए वर्ष 1975 में ही अधिग्रहित की जा चुकी है। नोटिस मिलने के बाद से वे मानसिक रूप से परेशान हैं।

प्रजापति का सवाल है कि जब जमीन 1975 में ही अधिग्रहित हो गई थी, तो 2018 में उसकी रजिस्ट्री और म्यूटेशन कैसे हो गई? अगर सरकार ने जमीन ले ली थी, तो उसका रिकॉर्ड अंचल कार्यालय में क्यों नहीं चढ़ाया गया? और यदि अधिग्रहण हुआ था तो मूल रैयत को अब तक मुआवजा क्यों नहीं दिया गया?

उन्होंने कहा कि इसमें उनकी कोई गलती नहीं है। उन्होंने सरकारी प्रक्रिया का पालन करते हुए जमीन खरीदी है। अब सरकार उन्हें बेघर करने की तैयारी में है। उन्होंने राज्य सरकार और जिला प्रशासन से मांग की है कि या तो उन्हें बाजार दर पर उचित मुआवजा दिया जाए या फिर उनकी जमीन को अधिग्रहण मुक्त किया जाए।

अनूप कुमार प्रजापति ने कहा कि वे इस मामले को लेकर उपायुक्त कार्यालय से लेकर मुख्यमंत्री तक गुहार लगा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि यह मामला सिर्फ उनका नहीं है, बल्कि धुर्वा डैम के आसपास सैकड़ों रैयतों का है, जिनकी जमीन कागजों पर अधिग्रहित है लेकिन धरातल पर वे ही जोत-कोड कर रहे हैं और खरीद-बिक्री भी हो रही है।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही उन्हें न्याय नहीं मिला तो वे न्यायालय की शरण लेंगे और जरूरत पड़ी तो आंदोलन भी करेंगे।

संक्षिप्त ख़बरें

टांगरबसली चौक के समीप दो मोटरसाइकिलों की टक्कर, पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल

मांडर। मांडर थाना क्षेत्र के रांची-मेदनीनगर मुख्य मार्ग एनएच-39 पर टांगरबसली चौक के समीप सोमवार शाम करीब 6 बजे दो मोटरसाइकिलों के बीच हुई टक्कर में पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान कंजिया गांव निवासी 45 वर्षीय अलफ्रेंड खलखो और 40 वर्षीय मोनिका लकड़ा के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोनों पति-पत्नी मोटरसाइकिल से मालती गांव से अपने घर कंजिया लौट रहे थे। इसी दौरान टांगरबसली चौक के समीप पीछे से तेज रफ्तार में आ रही एक अन्य मोटरसाइकिल ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद ग्रामीणों और पुलिस की मदद से दोनों को इलाज के लिए मांडर स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

खलारी में महिला की भारी वस्तु से प्रहार कर हत्या, बैंक चौक के समीप सनसनी; FSL टीम बुलाई गई

रफ्तार मीडिया संवाददाता पवन गुप्ता

खलारी (रांची):खलारी थाना क्षेत्र अंतर्गत बैंक चौक के पास सोमवार सुबह एक अधेड़ महिला की निर्मम हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मृतका की पहचान लालती देवी (उम्र करीब 55 वर्ष), पति रवि पाल, निवासी विशुनटीकर, थाना- रमना, जिला- गढ़वा के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, घटना सोमवार सुबह करीब 07:10 बजे की है। खलारी बैंक चौक स्थित सुभाष प्रसाद गुप्ता की नाश्ता दुकान के पीछे (पीढ़ा के ऊपर) अज्ञात व्यक्ति द्वारा किसी ठोस व भारी वस्तु से सिर पर जोरदार वार कर महिला की हत्या कर दी गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। मामले की सूचना मिलते ही खलारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है तथा हत्या के कारणों और अज्ञात आरोपी की तलाश में जुटी हुई है। खलारी में ट्रक और मारुति सियाज की भीषण टक्कर, दो युवक गंभीर रूप से घायल; डकरा अस्पताल में इलाज जारी।

वरिष्ठ पत्रकार सरूफ खान के बड़े भाई अयुब खान के निधन से महेशपुर में शोक

रफ्तार मीडिया संवाददाता - बबलु मुश्ताक ..

अनगड़ा : महेशपुर गांव निवासी वरिष्ठ पत्रकार सरूफ खान के बड़े भाई अयुब खान (75) का रविवार सुबह आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही परिवार, रिश्तेदारों और क्षेत्र के लोगों में शोक की लहर दौड़ गई। वे पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। उनके निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। अयुब खान अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। रविवार दोपहर महेशपुर कब्रिस्तान में जनाजे की नमाज अदा की गई।इसके बाद गमगीन माहौल में उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया गया। अंतिम विदाई के दौरान परिजनों और ग्रामीणों की आंखें नम हो गईं। उनके आकस्मिक निधन से गांव में मातमी माहौल बना हुआ है। अयुब खान के निधन पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, पत्रकारों और गणमान्य लोगों ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। लोगों ने कहा कि अपनों को खोने का दुख कभी भुलाया नहीं जा सकता। सभी ने शोकाकुल पत्रकार सरूफ खान और उनके परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए इस कठिन समय में धैर्य रखने की कामना की। साथ ही दिवंगत की मगफिरत और जन्नत में आला मुकाम के लिए दुआ की। उनके निधन से महेशपुर सहित आसपास के गांवों में शोक व्याप्त है।

रांची में निकली भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा

- जुएल उरांव, गजेंद्र सिंह पटेल, आदित्य साहू और बाबूलाल मरांडी ने कांग्रेस एवं इंडी गठबंधन पर साधा निशाना

सौरभ रॉय/ रफ्तार मीडिया

रांचीः झारखंड की मुख्य विपक्षी दल भाजपा द्वारा सोमवार को राजधानी रांची के मोराबादी मैदान से भगवान बिरसा मुंडा स्मृति संग्रहालय तक 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत विशाल पदयात्रा निकाली गई। इसपदयात्रा में केंद्रीय मंत्री जुएल उरांव, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सह झारखंड प्रदेश प्रभारी गजेंद्र सिंह पटेल, प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं और हजारों कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की गई।

- जनता का विश्वास जीतकर ही प्रधानमंत्री बन सकते हैं-जुएल ओरांव

पदयात्रा के दौरान केंद्रीय मंत्री जुएल उरांव ने कांग्रेस, राहुल गांधी और विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि

प्रधानमंत्री बनने के लिए संसद का चुनाव जीतकर जनता का जनादेश प्राप्त करना जरूरी है। मॉक पार्लियामेंट आयोजित करने से कोई प्रधानमंत्री नहीं बन जाता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एमएलसी चुनाव में भी बेनकाब हुई है। बैलेट पेपर से हुए चुनाव में भी जनता ने उसे नकार दिया। उन्होंने कहा कि देश की जनता अराजकता नहीं, बल्कि विकास चाहती है.झारखंड सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि मंईयां सम्मान योजना विफल साबित हो रही है और राज्य सरकार को जनता के सवालों का जवाब देना होगा।

- एसआईआर का विरोध घुसपैठियों को बचाने की कोशिश-गजेंद्र सिंह पटेल

वहीं,भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सह प्रदेश प्रभारी गजेंद्र सिंह पटेल ने कहा कि देश में अब तक 12 बार विशेष गहन पुनरीक्षण हो चुका है, जिनमें 10 बार कांग्रेस के नेतृत्व में यह प्रक्रिया हुई। उस समय कांग्रेस ने विरोध नहीं किया, लेकिन अब मृत और अवैध मतदाताओं के नाम हटाने की प्रक्रिया पर सवाल उठा रही है।उन्होंने कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया स्वतंत्र और पारदर्शी तरीके से चल रही है। सभी राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट इसमें शामिल हैं। किसी भी वैध मतदाता का नाम नहीं कटेगा। नए मतदाताओं के नाम जोड़े जा रहे हैं और मृत एवं अवैध मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि कांग्रेस ने अपने 65 वर्षों के शासनकाल में सत्ता और परिवारवाद को प्राथमिकता दी। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के 140 करोड़ नागरिकों के कल्याण और विकास के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस को गरीब परिवार से निकले व्यक्ति का प्रधानमंत्री बनना बर्दाश्त नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस वोट चोरी का बहाना बनाकर एसआईआर का विरोध कर रही है।

गया जी रेलवे स्टेशन पर चलती जनशताब्दी एक्सप्रेस से गिरकर यात्री की मौत

- चलती ट्रेन में चढ़ने के दौरान हुआ हादसा, ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच फंसा यात्री

रफ्तार मीडिया | गयाजी
प्रभात सिन्हा

गया जीः: गया जी रेलवे स्टेशन पर रविवार की रात एक दर्दनाक हादसे में 61 वर्षीय यात्री की चलती ट्रेन से गिरकर मौत हो गई। मृतक की पहचान पटना के कृष्णानगर थाना क्षेत्र के रामकृष्णा नगर निवासी सुरेंद्र प्रसाद के रूप में हुई है। वह अपनी पत्नी सुनीता देवी के साथ रांची-पटना जनशताब्दी एक्सप्रेस से पटना जा रहे थे। आरपीएफ गया जी के पोस्ट प्रभारी निरीक्षक बनारसी यादव से मिली जानकारी के अनुसार, ट्रेन संख्या 12366 डाउन रांची-पटना जनशताब्दी एक्सप्रेस रात 20:23 बजे गया स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-6 पर पहुंची थी। इंजन बदलने के बाद ट्रेन रात करीब 20:44 बजे पटना के लिए रवाना होने लगी। इसी दौरान प्लेटफॉर्म के दिल्ली छोर पर शौचालय के पास चलती ट्रेन में चढ़ने के प्रयास में सुरेंद्र प्रसाद का पैर पायदान से फिसल गया और वह ट्रेन तथा प्लेटफॉर्म के बीच फंस गए। गंभीर रूप से दबने के कारण मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आरपीएफ के सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार सिंह, पोस्ट प्रभारी निरीक्षक बनारसी यादव,जीआरपी के थानाध्यक्ष शिव कुमार,स्टेशन अधीक्षक और रेलवे के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौके पर पहुंचे। स्टेशन डेवलपमेंट विभाग के कर्मचारियों की मदद से रात 21:27 बजे शव को बाहर निकाला गया। इसके बाद जीआरपी ने शव को अपने कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए थाना भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार ट्रेन के गया जी स्टेशन पर खड़े रहने के दौरान सुरेंद्र प्रसाद नीचे उतरकर प्लेटफॉर्म पर टहल रहे थे। ट्रेन खुलने लगी तो उन्होंने जल्दबाजी में चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास किया, जिसके कारण यह हादसा हुआ।

स्वच्छता व पर्यावरण संरक्षण को लेकर उदयपुर पंचायत में निकाली गई जागरूकता रैली

- ग्रामीणों को जल, जंगल, जमीन की रक्षा और स्वच्छता अपनाने का दिया संदेश
- उदयपुर, धोबन्ना, चेगरबाद, चुटियाडीह और महादेवडीह का किया गया भ्रमण

राजु मंडल रफ्तार मीडिया
संवाददाता गांडेय

गांडेय प्रखंड अंतर्गत उदयपुर पंचायत के विभिन्न गांवों में सोमवार को अभिव्यक्ति फाउंडेशन एवं जीआईसीआर के संयुक्त तत्वावधान में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को लेकर व्यापक जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से ग्रामीणों को अपने आसपास साफ-सफाई रखने तथा प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करने के प्रति जागरूक किया गया। जागरूकता रैली उदयपुर से शुरू होकर पंचायत के धोबन्ना, चेगरबाद, चुटियाडीह और महादेवडीह गांव का भ्रमण करते हुए गुजरी। इस दौरान शामिल सदस्यों ने पर्यावरण व स्वच्छता से संबंधित गगनभेदी नारे लगाकर ग्रामीणों का ध्यान आकृष्ट किया और उन्हें अपने परिवेश को हरा-भरा व स्वच्छ रखने का संदेश दिया।

मौके पर मौजूद संस्था के फील्ड ऑफिसर भीम सिंह ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को पर्यावरण के प्रति सजग और जिम्मेदार बनाना है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि वर्तमान समय में प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए पेड़-पौधे लगाना और उनका संरक्षण करना अनिवार्य है। इसके साथ ही जल, जंगल, जमीन सहित समस्त प्राकृतिक संपदाओं की रक्षा करना हर नागरिक का दायित्व है। उन्होंने ग्रामीणों को अपने घरों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने और खुले में कचरा न फेंकने की भी सलाह दी।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से ग्राम प्रधान रूपन मुर्मू, वार्ड सदस्य गीता मरांडी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय महिला-पुरुष और संस्था के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हाईकोर्ट के फैसले से व्यापारियों को मिली बड़ी राहतः मुकेश अग्रवाल

वरिय संवाददाता शंकर ठाकुर

रांचीः झारखंड हाईकोर्ट ने रांची के अपर बाजार स्थित जालान रोड की जमीन और दुकानों का लीज रद्द करने तथा उन्हें खाली कराने के रांची नगर निगम के आदेशों को निरस्त कर दिया है। न्यायमूर्ति संजय कुमार द्विवेदी की पीठ ने निगम की कार्रवाई को पर्याप्त कारणों के अभाव में पारित मानते हुए सभी आठ याचिकाकर्ताओं की रिट याचिकाएं स्वीकार कर लीं। अदालत के इस फैसले से किरण देवी मोदी समेत आठ याचिकाकर्ताओं को बड़ी राहत मिली है। अदालत ने मामले को नए सिरे से निर्णय लेने के लिए रांची नगर निगम के पास वापस भेज दिया है। निगम को निर्देश दिया गया है कि सभी संबंधित पक्षों को सुनवाई का उचित अवसर दिया जाए। उनके तर्कों और प्रस्तुत दस्तावेजों पर विचार करने के बाद तर्कसंगत आदेश पारित किया जाए। यह पूरी प्रक्रिया अदालत के आदेश की प्रति प्राप्त होने के 12 सप्ताह के भीतर पूरी करनी होगी। इस फैसले पर झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के लैड रिफॉर्म उपसमिति के चेयरमैन सह रांची नगर निगम किरायेदार संघ के अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल ने खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट के फैसले से जालान रोड के दुकानदारों और किरायेदारों को बड़ी राहत मिली है। किसी भी व्यापारी या किरायेदार के खिलाफ कार्रवाई करने से पहले उसे अपना पक्ष रखने का उचित अवसर मिलना चाहिए। न्यायालय ने भी निष्पक्ष सुनवाई और दस्तावेजों के आधार पर नए सिरे से निर्णय लेने का निर्देश दिया है।

मुकेश अग्रवाल ने कहा कि अपर बाजार रांची का प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र है और यहां बड़ी संख्या में व्यापारी वर्षों से अपना कारोबार कर रहे हैं। ऐसे में दुकानों और जमीन से जुड़े मामलों में किसी भी कार्रवाई से व्यापारियों की आजीविका प्रभावित होती है। इसलिए जरूरी है कि नगर निगम सभी संबंधित पक्षों की बात सुने और कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए ही निर्णय ले। उन्होंने उम्मीद जताई कि नगर निगम हाईकोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए सभी पक्षों को सुनवाई का पर्याप्त अवसर देगा और मामले का निष्पक्ष एवं न्यायसंगत समाधान निकालेगा।

तेलोडीह फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब घुटिया के नाम, रोमांचक फाइनल में बुढ़ियाखाद को टाई-ब्रेकर में दी शिकस्त।

रफ्तार मीडिया की रिपोर्ट

गिरिडीहः गिरिडीह के तेलोडीह स्थित अखाड़ा मैदान में फुटबॉल क्लब तेलोडीह-कुष्माटांड़ द्वारा आयोजित तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला रविवार को बेहद रोमांचक रहा। खिताबी भिड़ंत में एबीसी क्लब घुटिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए डिवाइन एफसी क्लब बुढ़ियाखाद को टाई-ब्रेकर में शिकस्त देकर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। पहले हाफ में एबीसी क्लब घुटिया ने मैदानी गोल दागकर बढ़त बना ली। वहीं, दूसरे हाफ में डिवाइन एफसी क्लब बुढ़ियाखाद ने शानदार वापसी करते हुए मैदानी गोल कर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। निर्धारित समय तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं। इसके बाद टाई-ब्रेकर का सहारा लिया गया, जिसमें घुटिया की टीम ने बाजी मारते हुए खिताब पर कब्जा जमा लिया।

फाइनल मुकाबले का उद्घाटन एवं खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के लिए मुख्य अतिथि तेलोडीह पंचायत के मुखिया शब्बीर आलम तथा विशिष्ट अतिथि झामुमो नेता फरदीन इम्तियाज अहमद, जिला परिषद प्रतिनिधि अनवर अंसारी, पचंबा थाना प्रभारी राजीव कुमार, पंचायत समिति सदस्य आमिर अली, शमशाद अंसारी, इमरान आलम, जमीरउद्दीन अंसारी सहित कई गणमान्य लोग एवं खेल प्रेमी मौजूद रहे।

तीन दिवसीय इस टूर्नामेंट में क्षेत्र की विभिन्न टीमों ने हिस्सा लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पूरे आयोजन के दौरान अखाड़ा मैदान में दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ी। खेल प्रेमियों ने तालियों और उत्साह के साथ खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।

पितृपक्ष मेला महासंगम 2026 में उत्कृष्ट मीडिया कवरेज के लिए पत्रकारों को जिलाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक ने किया सम्मानित

रफ्तार मीडिया के ब्यूरो प्रमुख प्रभात सिन्हा भी सम्मानित
रफ्तार मीडिया | गयाजी

गया जीः:पितृपक्ष मेला महासंगम-2026 के सफल आयोजन के दौरान उत्कृष्ट मीडिया कवरेज एवं सराहनीय पत्रकारिता के लिए जिला प्रशासन, गयाजी की ओर से बोधगया स्थित होटल डेल्टा में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पितृपक्ष मेले के दौरान अपनी लेखनी और समाचार कवरेज के माध्यम से मेले की व्यवस्थाओं, धार्मिक महत्व, प्रशासनिक तैयारियों तथा विभिन्न गतिविधियों को आम लोगों तक पहुंचाने वाले पत्रकारों को सम्मानित किया गया। समारोह में जिला पदाधिकारी शशांक शुभंकर एवं वरीय पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार ने उत्कृष्ट मीडिया कवरेज करने वाले पत्रकारों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। अधिकारियों ने पत्रकारों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि किसी भी बड़े आयोजन की सफलता और उसकी सकारात्मक जानकारी आम जनता तक पहुंचाने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। पितृपक्ष मेला जैसे विशाल धार्मिक आयोजन के दौरान पत्रकारों ने पूरी जिम्मेदारी और सक्रियता के साथ अपनी भूमिका निभाई। इसी क्रम में रफ्तार मीडिया (गयाजी) के ब्यूरो प्रमुख प्रभात सिन्हा को भी उनके उत्कृष्ट मीडिया कवरेज के लिए जिला पदाधिकारी शशांक शुभंकर एवं वरीय पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा में खिजरी मंडल से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता हुए शामिल

- समीर राय के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने दिखाई एकजुटता

रफ्तार मीडिया संवाददाता - बबलु मुश्ताक ..

नामकुम : भारतीय जनता पार्टी की ओर से सोमवार को मोरहाबादी मैदान में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा में खिजरी मंडल के कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मंडल अध्यक्ष समीर राय के नेतृत्व में खिजरी मंडल क्षेत्र से बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता पदयात्रा में शामिल हुए और कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई। इस दौरान कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह और जोश देखने को मिला। पार्टी के झंडे और नारों के साथ कार्यकर्ताओं ने एकजुटता का परिचय देते हुए पदयात्रा में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। भाजपा नेताओं ने कार्यक्रम के माध्यम से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा, संगठन की मजबूती और जनहित के मुद्दों को लेकर संघर्ष जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता आरती कुजूर के अलावा गोपाल चौधरी, अनूद पांडेय, दुर्गाशंकर झा, बीरेंद्र ओझा, राकेश सिंह, प्रभास झा, सीता देवी, शोभा देवी, विकास सिंह, धीरज सिंह, रामाशंकर सिंह, पुष्पा चौधरी, प्रकाश घूरनी, बुधु पाहान, सोराई पाहन, बजीनाथ महतो, सुशील मुंडा, अशोक मुंडा, शंकर मुंडा, अमित श्रीवास्तव, अश्विनी लकड़ा और मीनू सुजाता सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।मंडल अध्यक्ष समीर राय ने सभी कार्यकर्ताओं के प्रति आभार जताते हुए कहा कि संगठन की ताकत कार्यकर्ताओं की एकजुटता और समर्पण में निहित है। खिजरी मंडल के कार्यकर्ताओं की व्यापक भागीदारी ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संपादकीय

राहुल का जिक्र और चुके हुए कारतूस

'बड़ा शोर सुनते थे पहलू में दिल का जो चीरा तो इक कतरा-ए-खूँ न निकला।' तो जनाब, यहां तो बात खून से भी बहुत पहले पसीना तक भी न निकल पाने की है। दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडी गठबंधन की आज वाली रैली शोशेबाजी वाले स्तर से भी नीचे का मामला ही साबित हुई। जैसा कि पहले से ही तय था। विपक्ष के पास पहले भी कोई ठोस एजेंडा नहीं था और आज तो फिर मामला भाषणबाजी तक ही सिमट कर रह गया। इसके बावजूद यह कहना गलत होगा कि राहुल गांधी अपने प्रयासों में असफल रहे। उनका मंतव्य पूरा हो गया।

अभिमत

हिंदुओं के सबसे बड़े पर्व के पहले वह इसी आयोजन से आमदनी हासिल करने वाले व्यापारियों का भट्टा बैठाने के अपने एजेंडे में काफी हद तक सफल हो गए। एक दौर में राहुल की दादी इंदिरा गांधी के लिए अखबार ने लिखा था, 'शी कम, शी सॉ, शी कॉन्कर्ड।' राहुल तो खानदानी आदमी हैं। ऐसा इस अर्थ में है कि उन्हें जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा जी और राजीव गांधी के तत्कालीन पद को अपने कद के पूरी तरह मुफीद मानने का अहंकार घेरे हुए है। फिर आज के आयोजन के लिए तो वह खुद को जयप्रकाश नारायण की संपूर्ण क्रांति रैली से भी आगे वाला चेहरा मानकर चल रहे थे। मगर एक बार फिर उनकी हालत 'ढाक के तीन पात' वाली ही हो गई। वह भी, 'थोथा चना, बाजे घना' वाली तर्ज पर। अलबत्ता, हुआ भी ऐसा ही।

अगले ने माइक के गला फाड़ा, श्रोताओं का मनोरंजन किया। और फिर वह हुआ कि 'ये खेल, ये हंगामे दिलचस्प तमाशे हैं, कुछ लोगों की कोशिश है कि कुछ लोग बहल जाएं।' लेकिन क्या इस मजमेबाजी से कुछ भी होता नजर आ रहा है? क्योंकि जिस चुनाव प्रक्रिया के खिलाफ आप बुक्का फाड़कर रोते आ रहे हैं, उस प्रक्रिया में आपकी ही मांग के अनुरूप हुए बैलट पेपर वाले चुनाव में कांग्रेस की हालिया दुर्गति से सभी वाकिफ हैं। राहुल की समस्या यह कि प्रायोजित चाटुकारों के अलावा समझदार आम जनता और विपक्षी दलों सहित खुद कांग्रेस के विचारशील लोग भी उन्हें गंभीरता से नहीं लेते हैं। उनकी इकलौती पूंजी यह कि वह आज भी कांग्रेस पर निर्णायक असर रखने वाली सोनिया गांधी जी के बेटे हैं। बाकी तो राहुल के संदर्भ में कोई चर्चा करते समय खुद-ब-खुद वह अनगिनत लोग याद आ जाते हैं, जिनके लिए आमतौर पर 'चुके हुए कारतूस' वाले विश्लेषण का प्रयोग किया जाता है।

इतिहास

क्या-क्या हुआ

- 1917 ब्रिटिश विदेश सचिव आर्थर बालफोर ने फिलिस्तीन में एक यहूदी मातृभूमि की स्थापना के लिए ब्रिटिश समर्थन की घोषणा करते हुए, बालफोर घोषणा जारी की।
- 1936 दुनिया के पहले हाईडेफिनेशन टेलीविजन कार्यक्रम का प्रसारण बीबीसी ने किया।
- 1942 बीबीसी ने कनाडा में फ्रेंच भाषा के प्रसारण का शुभारंभ किया।
- 1949 नीदरलैंड ने इंडोनेशिया को स्वायत्त राज्य के रूप में मान्यता दी।
- 1950 जार्ज बर्नार्ड शा का 97 वर्ष की आयु में निधन हुआ।
- 1951 मिस्र में ब्रिटेन के खिलाफ हुए प्रदर्शनों पर काबू पाने के लिए करीब 6 हजार ब्रिटिश सैनिक पहुंचे। ब्रिटेन ने दूसरे विश्व युद्ध के बाद पहली बार इतनी बड़ी संख्या में ब्रिटिश फौज को किसी और देश भेजा था।
- 1712 सूरीनाम सरकार फ्रेंच अपहरणकर्ता जैक्स कसरर्ड, को 682,800 दिए।
- 1721 महान पीटर वास्तुकार रूस के पहले सम्राट की घोषणा की है, यह रूसी साम्राज्य के साथ रूस के 176 वर्षीय तारादाम की जगह थी।
- 1749 अंग्रेजी ओहियो की व्यापार कंपनी को पहली व्यापारिक पोस्ट बनाया गया।
- 1772 बोस्टनः अंग्रेजी-विरोधी समिति ऑफ कॉरस्पोन्डैंस का गठन किया गया।
- 1795 कुराकाओ सरकार ने रविवार को दासता का काम मना कर दिया।
- 1835 अमेरिका के मूल निवासियों के विभिन्न गुटों के बीच फ्लोरिडा के ओसिओला में दूसरा सेमीनोले युद्ध शुरू हुआ। यह लड़ाई फ्लोरिडा युद्ध के नाम से भी मशहूर है।
- 1852 फ्रैंकलिन पियर्स अमेरिका के 14वें राष्ट्रपति निर्वाचित हुए।
- 1884 तिमिसोरा बिजली की रोशनी द्वारा प्रकाशित सड़कों के साथ यूरोप का पहला शहर बना।
- 1889 द डकोटा टेरिटरी, संयुक्त राज्य अमेरिका का एक संगठित क्षेत्र था, विभाजित हो गया और उत्तर और दक्षिण डकोटा के राज्य बन गए।
- 1892 फ्रांसीसी कवि पॉल वरलेइन ने नीदरलैंड की यात्रा किया।
- 1898 थियोडोर हर्जल यरूशलेम की यात्रा की।
- 1914 ब्रिटेन ने साइप्रस को अपने साम्राज्य में शामिल किया।

कविता

संवेदना का अबोध पाठ

अब हमें बहुत छोटे नन्हों से
सीखना होगा चुपचाप
संवेदना का एक नर्म अबोध पाठ।
वे जब रोते तो ऐसा लगता जैसे
किसी सूने घर में गूंज उठा हो
मनमोहक संगीत।

एक मामूली खिलौना टूट जाने पर
मासूम और सच्ची उदासी भोले चेहरे पर तैर जाती।
वे अक्सर एक मरी चींटी को देखकर भी
देर तक चुपचाप सदमे रहते , मानो पूरी धरती
किसी अपने की विदाई दे रहा हो।

हमें सीखना होगा उनसे
बिना किसी शर्त के पिघल जाना
किसी का भी दुःख से दिल का दरवाजा
खुला रख दुखी होना।

मनुष्य होने का यह इकलौती मासूमियत
बिना बात के खुश होना बिना दुख के रो देना
यह भी सीखना होगा नन्हों से।

प्रकृति के करीब होना प्रकृति सा हो जाना
हरियाली में हरा हर बरसात में
ओस की बूंदे बन जाना यह भी
सीखना होगा नन्हों से।

संजीव ठाकुर
लेखक

लोक मुद्दा

दुनिया भर के युवाओं में क्यों बढ़ रहा असंतोष?

दुनिया तेजी से बदल रही है। विज्ञान, तकनीक, शिक्षा और संचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हो रही है। बड़े-बड़े उद्योग स्थापित हो रहे हैं और अर्थव्यवस्थाओं के विकास के दावे किए जा रहे हैं। इसके बावजूद दुनिया के अनेक देशों में युवा पीढ़ी अपने भविष्य को लेकर चिंतित है। रोजगार की कमी, महँगाई, महँगा आवास, शिक्षा का बढ़ता खर्च और आर्थिक असुरक्षा ने युवाओं के सामने गंभीर चुनौतियाँ खड़ी कर दी हैं। यही कारण है कि उनकी चिंताएँ अब व्यक्तिगत परेशानी तक सीमित नहीं रह गई हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बनती जा रही हैं। हाल के दिनों में जर्मनी और फ्रांस सहित यूरोप के कई देशों में युवाओं के नेतृत्व में हुए प्रदर्शनों ने इस समस्या को दुनिया के सामने रखा है। इन आंदोलनों में युवाओं ने बेहतर शिक्षा, रोजगार के अवसर, किफायती आवास और जीवनयापन की बढ़ती लागत से राहत देने की माँग की है। इन घटनाओं से स्पष्ट है कि आर्थिक विकास के आँकड़े और आम नागरिकों के जीवन की वास्तविक परिस्थितियाँ हमेशा एक जैसी नहीं होतीं।

महेन्द्र तिवारी

दुनिया के देशों को यह समझना होगा कि युवा केवल भविष्य के नागरिक नहीं, बल्कि वर्तमान के सक्रिय भागीदार भी हैं। उनके सपनों को अवसरों में बदलना ही समावेशी विकास की वास्तविक कसौटी है।

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की अगस्त 2026 में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025 में दुनिया के युवाओं की बेरोजगारी दर बढ़कर 12.4 प्रतिशत हो गई। लगभग 6.7 करोड़ युवा बेरोजगार थे। रिपोर्ट यह भी बताती है कि विकसित अर्थव्यवस्थाओं में युवाओं के लिए रोजगार प्राप्त करना पहले की तुलना में कठिन हुआ है। उत्तरी अमेरिका में युवा बेरोजगारी की दर वर्ष 2023 के 8.3 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 9.8 प्रतिशत हो गई। उत्तरी, दक्षिणी और पश्चिमी यूरोप में यह दर लगभग 15 प्रतिशत रही।

इन आँकड़ों का अर्थ केवल इतना नहीं है कि युवाओं को नौकरी नहीं मिल रही है। इसके पीछे एक बड़ी समस्या रोजगार की गुणवत्ता भी है। अनेक युवा अपनी योग्यता के अनुरूप काम पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कुछ को अस्थायी रोजगार मिलता है, जबकि दूसरे कम वेतन पर काम करने को विवश हैं। नौकरी मिलने के बाद भी यह निश्चित नहीं होता कि उनकी आय नियमित रहेगी और भविष्य सुरक्षित होगा। जब शिक्षा पूरी करने के बाद भी आर्थिक स्वतंत्रता प्राप्त करना कठिन हो जाता है, तो युवाओं में निराशा बढ़ना स्वाभाविक है।

युवाओं की आर्थिक चिंताओं का दूसरा बड़ा कारण जीवनयापन की बढ़ती लागत है। भोजन, परिवहन, बिजली, स्वास्थ्य सेवाओं और आवास पर होने वाला खर्च लगातार उनके बजट को प्रभावित करता है। विशेष रूप से बड़े शहरों में किराये की ऊँची दरों के कारण कम आय वाले युवाओं के लिए स्वतंत्र रूप से रहना कठिन होता जा रहा है।

यूरोप में हाल के प्रदर्शनों के दौरान आवास और महँगाई का मुद्दा प्रमुखता से उठा। जब किसी युवा की आय का बड़ा हिस्सा केवल किराया और आवश्यक वस्तुओं पर खर्च हो जाता है, तो बचत करना, परिवार शुरू करना अथवा अपने भविष्य के लिए निवेश करना कठिन हो जाता है।

यह समस्या केवल यूरोप तक सीमित नहीं है। भारत सहित अनेक विकासशील देशों के बड़े शहरों में भी युवाओं को शिक्षा, रोजगार और आवास के बीच संतुलन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। आर्थिक स्वतंत्रता का सपना तब अधूरा रह जाता है, जब नियमित आमदनी के बावजूद बुनियादी जरूरतें पूरी करना चुनौती बन जाए।

31 अक्टूबर 2026 को जर्मनी के 34 शहरों में युवाओं

के नेतृत्व में प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों ने शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में निवेश बढ़ाने, जीवनयापन की लागत कम करने तथा अनिवार्य सैन्य सेवा का विरोध करने जैसी माँगें उठाईं। अधिकांश प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे, हालाँकि कुछ स्थानों पर हिंसा और तोड़फोड़ की घटनाएँ भी हुईं। फ्रांस में भी युवाओं और अन्य सामाजिक समूहों ने शिक्षा व्यवस्था, सार्वजनिक सेवाओं, महँगाई और रोजगार की समस्याओं को लेकर विरोध जताया। इन आंदोलनों में एक साझा भावना दिखाई देती है। युवाओं को लगता है कि उनकी समस्याओं को पर्याप्त गंभीरता से नहीं सुना जा रहा है और नीतियाँ बनाते समय उनकी आवश्यकताओं को अपेक्षित महत्व नहीं दिया जाता।

इन घटनाओं को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर नहीं देखा जाना चाहिए। शांतिपूर्ण विरोध लोकतंत्र में अपनी बात रखने का एक माध्यम है। सरकारों को हिंसा रोकने के साथ उन आर्थिक और सामाजिक कारणों पर भी विचार करना चाहिए, जिनसे असंतोष पैदा हो रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्वचालन ने रोजगार की दुनिया में नए अवसर पैदा किए हैं, लेकिन इनके कारण कुछ पारंपरिक नौकरियों के स्वरूप में भी बदलाव आ रहा है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, 15 से 29 वर्ष की आयु के युवाओं द्वारा किए जाने वाले लगभग 6.1 प्रतिशत रोजगार ऐसे क्षेत्रों में हैं, जिन पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े बदलावों का अधिक प्रभाव पड़ सकता है।

इसका अर्थ यह नहीं है कि इन सभी नौकरियों का अंत हो जाएगा। बल्कि अनेक कार्यों की प्रकृति बदल सकती है और नए कौशलों की आवश्यकता बढ़ सकती है। समस्या तब पैदा होती है, जब शिक्षा और प्रशिक्षण व्यवस्था इस परिवर्तन के अनुरूप स्वयं को समय पर नहीं ढाल पाती। इसलिए युवाओं को केवल प्रमाणपत्र देने के बजाय व्यावहारिक ज्ञान, तकनीकी दक्षता, रचनात्मक सोच और समस्या समाधान की क्षमता विकसित करने पर जोर देना चाहिए। साथ ही, काम कर रहे लोगों के लिए भी नए कौशल सीखने के अवसर उपलब्ध होने चाहिए।

भारत की युवा आबादी देश की सबसे बड़ी संभावनाओं में से एक है। लेकिन इस संभावना को वास्तविक शक्ति में बदलने के लिए पर्याप्त और सम्मानजनक रोजगार उपलब्ध कराना आवश्यक है। शिक्षा प्राप्त युवाओं की आकांक्षाएँ बढ़ रही हैं। वे आर्थिक स्वतंत्रता, सुरक्षित भविष्य और अपनी योग्यता के अनुसार आगे बढ़ने के अवसर चाहते हैं। यदि आर्थिक विकास के साथ गुणवत्तापूर्ण रोजगार नहीं बढ़ते, तो युवाओं की अपेक्षाओं और वास्तविक अवसरों के बीच दूरी बनी रह सकती है। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों का अभाव, महिलाओं के लिए काम की सीमित उपलब्धता और असंगठित क्षेत्र में सामाजिक सुरक्षा की कमी भी गंभीर प्रश्न हैं।

सरकारों को उद्योगों के विस्तार, छोटे कारोबार को प्रोत्साहन, कौशल विकास और रोजगारपरक शिक्षा पर ध्यान देना चाहिए। साथ ही, युवाओं को अपने विचार व्यक्त करने और नीतिगत चर्चाओं में भाग लेने के अवसर मिलने चाहिए। युवाओं की आर्थिक चिंताओं का समाधान बहुआयामी प्रयासों से ही संभव है। सरकारों को रोजगार सृजन के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और सामाजिक सुरक्षा पर पर्याप्त निवेश करना होगा। उद्योगों को भी ऐसे कार्यस्थल विकसित करने चाहिए, जहाँ उचित वेतन, सुरक्षित वातावरण और आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध हों। इसके साथ ही, युवाओं की समस्याओं को समझने के लिए उनसे नियमित संवाद आवश्यक है। उनकी शिकायतों को केवल असंतोष या अनुशासनहीनता मानकर खारिज करना उचित नहीं होगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती इसी में है कि वह नई पीढ़ी की आकांक्षाओं को समझे और उन्हें नीतियों में स्थान दे। युवाओं की आर्थिक चिंताएँ वास्तव में समाज और शासन के सामने खड़ा एक बड़ा प्रश्न हैं। यदि आज उनकी शिक्षा, रोजगार और भविष्य की सुरक्षा पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया, तो इसका प्रभाव आने वाले वर्षों की सामाजिक स्थिरता और आर्थिक प्रगति पर पड़ सकता है।

लोक विचार

किसानों को ग्रीन अमोनिया से सस्ती खाद की उम्मीद

सौरभ वार्ष्णेय

सरकार को परीक्षण के नतीजे सार्वजनिक करने, उत्पादन लागत का वास्तविक आकलन करने और किसानों को मिलने वाले संभावित लाभ का स्पष्ट खाका तैयार करना चाहिए। कृषि प्रधान देश में तकनीकी नवाचार की सार्थकता तभी है, जब उसका लाभ खेत और किसान तक पहुंचे।

भारतीय कृषि लंबे समय से बढ़ती लागत और घटती आमदनी की चुनौती व पुरानी रुढ़िवादी तकनीक से जूझ रही है। डीजल, बिजली, बीज, कीटनाशक और उर्वरकों की कीमतों में वृद्धि ने किसानों के सामने आर्थिक संकट को और गहरा किया है। खेती की लागत में उर्वरकों की हिस्सेदारी भी काफी महत्वपूर्ण है। विशेष रूप से यूरिया की उपलब्धता और उसकी कीमत किसानों के लिए हमेशा एक बड़ा मुद्दा रही है। ऐसे में सरकार द्वारा ग्रीन अमोनिया के इस्तेमाल की संभावनाएं तलाशना एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा सकती है। यदि यह प्रयोग सफल होता है तो आने वाले समय में किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा बदलाव संभव है। हालांकि, इस पहल की वास्तविक सफलता केवल तकनीकी प्रयोग तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसका लाभ खेतों में काम करने वाले किसानों तक पहुंचना भी जरूरी है।

किसानों के लिए खुशखबरी आई है कि सरकार छह राज्यों में लगभग 10 हजार एकड़ भूमि पर ग्रीन अमोनिया के उपयोग का परीक्षण कर रही है। इसका उद्देश्य यह समझना है कि पारंपरिक नाइट्रोजन आधारित उर्वरकों के विकल्प के रूप में इसका इस्तेमाल कितना प्रभावी और किफायती हो सकता है। ग्रीन अमोनिया का उत्पादन नवीकरणीय ऊर्जा से तैयार हाइड्रोजन के माध्यम से किया जाता है। इसके विपरीत परंपरागत अमोनिया उत्पादन में मुख्य रूप से प्राकृतिक गैस से प्राप्त हाइड्रोजन का उपयोग होता है। इस प्रक्रिया में ऊर्जा की अधिक खपत के साथ कार्बन उत्सर्जन भी होता है। इसलिए ग्रीन अमोनिया को न केवल कृषि की लागत कम करने, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक संभावनाशील विकल्प माना जा रहा है।

नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के सचिव संतोष सारंगी के अनुसार, अमोनिया को सीधे मिट्टी में डालने से उर्वरक की

लागत मौजूदा स्तर से लगभग एक-तिहाई तक घट सकती है। यदि यह अनुमान व्यावहारिक रूप से सही साबित होता है तो खाद उत्पादन और कृषि अर्थव्यवस्था के लिए यह महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। लेकिन यहां एक बुनियादी सवाल भी है कि उत्पादन लागत में संभावित कमी का लाभ किसानों को किस रूप में मिलेगा? क्या इससे यूरिया की खुदरा कीमत घटेगी, या सरकार की सब्सिडी का बोझ कम होगा? इन सवालों का जवाब परीक्षण के परिणाम और सरकार की नीतिगत व्यवस्था से ही मिलेगा।

दरअसल, भारत में यूरिया केवल एक औद्योगिक उत्पाद नहीं, बल्कि कृषि उत्पादन व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। देश में बड़ी संख्या में किसान नाइट्रोजन की पूर्ति के लिए यूरिया पर निर्भर हैं। सरकार किसानों को सस्ती दरों पर यूरिया उपलब्ध कराने के लिए भारी सब्सिडी देती है। इसके बावजूद अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस और कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर उर्वरक क्षेत्र पर पड़ता है। भारत को उर्वरकों के उत्पादन के लिए आवश्यक कच्चे माल और गैस की उपलब्धता के मामले में भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में स्वच्छ ऊर्जा आधारित अमोनिया का विकल्प देश की आयात निर्भरता कम करने में भी सहायक हो सकता है। हालांकि, ग्रीन अमोनिया को यूरिया का सीधा और तत्काल विकल्प मान लेना जल्दबाजी होगी। अमोनिया एक प्रभावी नाइट्रोजन स्रोत है, लेकिन इसका सुरक्षित भंडारण, परिवहन और खेतों में उपयोग विशेष तकनीकी सावधानी की मांग करता है। यह एक विषाक्त रसायन है और इसके रिसाव से मानव स्वास्थ्य तथा पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। इसलिए किसानों को इसके इस्तेमाल की उचित जानकारी, सुरक्षा उपकरण और आधुनिक कृषि तकनीक उपलब्ध कराना आवश्यक होगा। इसके अतिरिक्त मिट्टी की प्रकृति, फसल की जरूरत, मौसम और सिंचाई की परिस्थितियों के अनुसार इसके प्रभाव का वैज्ञानिक मूल्यांकन भी जरूरी है। सबसे महत्वपूर्ण चुनौती ग्रीन अमोनिया की उत्पादन लागत है। नवीकरणीय ऊर्जा से हाइड्रोजन तैयार करने और उसके माध्यम से अमोनिया बनाने के लिए बड़े निवेश, आधुनिक तकनीक और पर्याप्त ऊर्जा की जरूरत होती है। जब तक इसका उत्पादन बड़े पैमाने पर प्रतिस्पर्धी कीमतों पर नहीं होगा, तब तक किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराने का लक्ष्य पूरी तरह हासिल करना आसान नहीं होगा। सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इस तकनीक के विकास का आर्थिक बोझ अंततः किसानों पर न पड़े।

भारत में कृषि सुधारों की चर्चा अक्सर नई तकनीक और आधुनिक उत्पादन प्रणालियों तक सीमित रह जाती है, जबकि किसान की सबसे बड़ी चिंता उसकी लागत और उपज का उचित मूल्य है। ग्रीन अमोनिया की पहल को भी इसी कसौटी पर परखा जाना चाहिए। यदि इससे उर्वरकों की कीमत कम होती है, मिट्टी की सेहत बेहतर रहती है और पर्यावरण को नुकसान घटता है तो यह कृषि क्षेत्र के लिए दूरगामी परिवर्तन साबित हो सकता है। लेकिन केवल उत्पादन लागत में कमी का दावा पर्याप्त नहीं है। इसके लिए पारदर्शी मूल्य निर्धारण, वितरण व्यवस्था और किसानों तक तकनीक की पहुंच सुनिश्चित करनी होगी।

उफान पर नदियां, बहती कारें और डूबे घर...

» अमेरिका और मेक्सिको में बाढ़ का कहर

100 साल पुराना बारिश का रिकॉर्ड टूटा

बाढ़ के पानी में बह गईं कई कारें : मेक्सिको के बाजा कैलिफोर्निया सुर राज्य के सैन होजे डेल काबो से सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि बाढ़ का तेज पानी कई कारों को बहा ले जा रहा है। भारी बारिश के कारण आमतौर पर सूखे रहने वाले रास्ते अब उफनती नदियों में बदल गए हैं। बताया जा रहा है कि 100 मिमी से भी ज्यादा मूसलाधार बारिश हुई है, जिससे सड़कें जलमग्न हो गईं और स्थानीय जल निकासी व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई।

वाशिंगटन। अमेरिका के दक्षिण-पश्चिमी इलाकों और मेक्सिको में भारी बारिश के कारण अचानक बाढ़ आ गई है। नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ने से हजारों लोग प्रभावित हुए हैं। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है और बड़े पैमाने पर बचाव अभियान चलाए जा रहे हैं। मैक्सिको में बाढ़ के बहाव ने कई कारों को बहा दिया। 12 अक्टूबर को हरिकेन साइमन ने मैक्सिको के प्रशांत तट पर भारी बारिश और तेज हवाओं के साथ तबाही मचाई थी। वहीं ट्रॉपिकल स्टॉर्म रेचल के कारण अमेरिका के दक्षिण-पश्चिमी हिस्सों में भीषण बारिश हुई। एसोसिएटेड प्रेस के अनुसार एरिजोना के कई इलाकों में बाढ़ आ गई है, जहां रेस्क्यू टीमें नावों से घरों में फंसे लोगों को निकाल रही हैं। दक्षिण-पश्चिमी कोलोराडो के एगेवा स्प्रिंग्स में अधिकारियों ने भीषण बाढ़ की चेतावनी दी है। रीन जुआन नदी के जलस्तर के 21.9 फीट तक पहुंचने का अनुमान है, यह 1911 की उस विनाशकारी बाढ़ के दौरान दर्ज किए गए 17.8 फीट के स्तर से भी अधिक हो सकता है, जिसने शहर के एक बड़े हिस्से को तबाह कर दिया था।

न्यूज ट्रैक

कोलकाता के डलहौजी इलाके की टर्नर मॉरिसन बिल्डिंग में आग

कोलकाता. एजेंसी। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के डलहौजी इलाके में स्थित टर्नर मॉरिसन बिल्डिंग में आग लगने की घटना सामने आई है। आग इमारत की तीसरी मंजिल पर लगी। घटना की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं और आग बुझाने का काम शुरू किया गया। इससे पहले ऐतिहासिक राइटर्स बिल्डिंग के पीछे स्थित एक बहुमंजिला इमारत में देर रात आग लग गई। आग बुझाने के लिए दमकल की 10 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। अधिकारियों के मुताबिक, आज सुबह तक आग बुझाने का काम जारी था।

चारधाम हेली सेवा: फैसले के विरोध में आज से संचालन बंद

देहरादून/मसूरी. एजेंसी। चारधाम चार्टर्ड हेली सेवा में को-पायलट फैसले का हेली ऑपरेटर्स ने विरोध किया है। ऑपरेटर्स ने आज से चार्टर्ड हेली सेवा संचालन बंद करने का एलान किया है। विरोध के चलते डीजीसीए के नए नियम अगले साल की यात्रा में लागू हो सकते हैं। यात्रा 16 नवंबर को शीतकाल के स्थगित हो जाएगी। 30 अक्तूबर को चमोली जिले के ज्योर्तिमठ के समीप बदरीनाथ से लौट रहे ट्रांस भारत एविएशन के हेलिकॉप्टर दुर्घटना के बाद नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण के साथ बैठक कर चारधाम यात्रा में देहरादून के सहस्त्रधारा से संचालित चार्टर्ड हेली सेवा में को-पायलट होने का निर्णय लिया। केदारनाथ धाम के लिए गुप्तकाशी, सिरसी, फाटा से संचालित शटल हेली सेवा पर यह नियम लागू होगा। ऑपरेटर्स कहना है कि को-पायलट के नियमों से हेली सेवा संचालन आर्थिक रूप से संभव नहीं है।

आगरा: व्यापारी परिवार को कमरे में बंद कर 70 लाख की चोरी

आगरा.एजेंसी। कमला नगर के प्रोफेसर कॉलोनी एफ ब्लॉक में पीवीसी दरवाजे के व्यापारी संदीप अग्रवाल के घर में रविवार-सोमवार की रात करीब 70 लाख रुपये की चोरी हो गई। परिवार के सदस्य अपने-अपने कमरों में सो रहे थे। चोरों ने कमरों के बाहर से कुंडी लगा दी, जिससे कोई बाहर न निकल सके। परिवार के मुताबिक वे रात दो बजे के बाद सोए थे। संदीप अग्रवाल पत्नी और बेटी के साथ एक कमरे में थे, जबकि उनके माता-पिता दूसरे कमरे में सो रहे थे। सुबह करीब छह बजे अलमारी खुली और सामान बिखरा मिलने पर चोरी का पता चला, जिसमें सोने-चांदी और हीरे के जेवर चोर ले उड़े। चोर सड़क किनारे वाले खिड़की की ग्रिल काटकर घुसे थे।

योग और नाथ परंपरा के सम्मान के लिए नाथ समाज ने की दो मांग

इंदौर। अखिल भारतवर्षीय नाथ समाज ने योग और नाथ परंपरा को सम्मान दिलाने के लिए शासन के समक्ष दो प्रमुख मांगें रखी हैं। प्रदेश महासचिव लेखराज जोगी ने बताया कि पहली मांग इंदौर में गुरु गोरखनाथ मंदिर के पास प्रस्तावित बापट चौराहा मेट्रो स्टेशन का नामकरण महायोगी गुरु गोरखनाथ जी के नाम पर करने की है। दूसरी मांग उज्जैन सिंहस्थ 2028 से पहले महाकाल लोक में गुरु गोरखनाथ की 108 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित करने की है। उन्होंने कहा, योग को विश्व में पहचान दिलाने वाले गुरु गोरखनाथ को उचित सम्मान मिलना चाहिए। जोगी ने सीएम डॉ. मोहन यादव से मांगों पर शीघ्र निर्णय लेने का आग्रह किया।

चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री का दावा

विपक्ष की रैली से व्यापारियों को 12 हजार करोड़ का नुकसान!

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के रामलीला मैदान में राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस और विपक्षी दलों की महारैली के चलते दिल्ली के व्यापारियों को भारी नुकसान हुआ है। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन बृजेश गोयल ने फेस्टिव सीजन में दीपावली से ठीक पहले हुई दिल्ली रैली के दौरान दिल्ली के अलग-अलग बाजारों के करीब ढाई लाख दुकानों के बंद होने और कारोबारियों के 12 हजार करोड़ के नुकसान का दावा किया है। CTI के साथ ही देश के सबसे पुराने व्यापारी संगठन 'किराना कमिटी दिल्ली' और 'नट्स एंड ड्राई फ्रूट्स काउंसिल' ने भी भारी नुकसान का अनुमान लगाया है।

रामलीला मैदान से सटे 25 बाजारों का कारोबार ठप

विपक्ष ने रामलीला मैदान में जो रैली की और रैली से पहले राहुल गांधी ने मार्च किया उससे एक तरफ तो सेंट्रल दिल्ली कई घंटे तक जाम रही। तो वहीं, दूसरी

तरफ राहुल की रैली के दौरान सेंट्रल दिल्ली के दो दर्जन से ज्यादा बाजार बंद रहे। कारोबारियों ने रैली से पहले जो आशंकाएं जताई थीं, रैली के दिन वो सच साबित हुईं। दिल्ली के कारोबारियों ने दावा किया कि कस्टमर के नहीं पहुंचने के कारण उन्हें भारी नुकसान हुआ है। चैंबर ऑफ ट्रेड इंडस्ट्री यानी CTI के चेयरमैन बृजेश गोयल ने कहा कि राहुल की रैली के कारण रोड जाम रहा और भीड़ के कारण रामलीला मैदान से सटे 25 बाजारों का कारोबार ठप रहा और प्रमुख बाजारों में करीब 80 फीसदी दुकानें बंद रहीं।

एआई फोटो पर रिजिजू का तंज

'फर्जी तस्वीर भी ठीक से नहीं बना पाए'

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने दिल्ली के रामलीला मैदान में हुई विपक्षी दलों के 'इंडिया ब्लॉक' की रैली में भीड़ दिखाने के लिए कथित एआई से तैयार तस्वीर साझा करने को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस को रैली में भीड़ दिखाने के लिए एआई से बनी तस्वीरों का सहारा लेना पड़ा। रिजिजू ने कांग्रेस सांसद वामसी गड्डम और पार्टी के अन्य नेताओं की ओर से सोशल मीडिया पर साझा की गई तस्वीर को अपनी पोस्ट के साथ लगाया। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'रामलीला मैदान भरा हुआ दिखाने के लिए कांग्रेस पार्टी की फर्जी नैरेटिव टीम एआई से बनी फर्जी तस्वीर भी ठीक से नहीं बना पाई!'

जम्मू-कश्मीर: मंत्री पद न मिलने से नाराजगी

उमर को 25 विधायकों का अल्टीमेटम-14 दिन में मांगें नहीं मानीं तो समर्थन वापस

जम्मू-कश्मीर। एजेंसी

जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के 25 विधायकों ने पार्टी नेतृत्व को 14 दिन का अल्टीमेटम दिया है। विधायकों ने मांगें पूरी नहीं होने पर सरकार से समर्थन वापस लेने की धमकी दी है। इन विधायकों ने मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर सोगामी और 27 अक्टूबर को कैबिनेट विस्तार में बने 4 नए मंत्रियों को हटाने की मांग की। इसके साथ ही वे मंत्रिमंडल में बड़े दलाव की मांग कर रहे हैं। सोगामी पर पार्टी नेतृत्व को गुमराह करने और संगठन के कामकाज में हस्तक्षेप करने का आरोप है।

श्रीनगर से सांसद आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी ने भी इस्तीफे का ऐलान किया है। रुहुल्लाह ने कहा है कि वह 3 नवंबर को नेशनल कॉन्फ्रेंस और लोकसभा सदस्यता, दोनों से औपचारिक इस्तीफा दे देंगे।

उन्होंने पार्टी नेतृत्व पर वैचारिक प्रतिबद्धताओं को कमजोर करने का

आरोप लगाया है। रुहुल्लाह का कहना है कि पार्टी धारा 370 पर केंद्र के फैसले को चुनौती देने के वादे से पीछे हट रही है।

विधायकों का 4 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल बनाया

बैठक में विधायकों ने 4 सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल बनाने का फैसला किया। इसकी अगुआई पार्टी के सीनियर लीडर व गुरेज विधायक नजीर अहमद गुरेजी तथा थानामंडी विधायक मुजफ्फर इकबाल खान करेंगे। प्रतिनिधिमंडल पार्टी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और सीएम उमर अब्दुल्ला को मांगों का ज्ञापन सौंपेगा।

पश्चिम बंगाल: दक्षिण 24 परगना में चर्च में तोड़फोड़, पादरियों-श्रद्धालुओं पर हमला

कोलकाता. एजेंसी। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में एक चर्च के उद्घाटन के दौरान कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा तोड़फोड़ करने और पादरियों के साथ-साथ श्रद्धालुओं पर हमला करने का मामला सामने आया है। यह जानकारी पुलिस द्वारा दी गई। बताया, घटना संती थाना क्षेत्र के नारायणतला में हुई। तब बिशप सुब्रत चक्रवर्ती और कई पादरी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के साथ नए चर्च के उद्घाटन के लिए इकट्ठा हुए थे। पुलिस अधिकारी ने बताया, 'हमें शिकायत मिली है कि 30-35 लोगों की भीड़ अचानक चर्च परिसर में घुस आई और वहां मौजूद लोगों के साथ मारपीट शुरू कर दी। यह भी आरोप है कि महिलाओं पर भी हमला किया गया।' हमलावरों ने न केवल चर्च के पवित्र क्रॉस को तोड़ दिया। पादरियों- श्रद्धालुओं के साथ भी मारपीट की। जो घटना का वीडियो बना रहे थे, उसे भी पीटा।

जर्मनी: सड़कों पर आगजनी-दुकानों में लूट, कई शहरों में हिंसक झड़प

बर्लिन.एजेंसी। जर्मनी में जेनेरेशन जेड युवाओं ने बढ़ती महंगाई और जीवन-लागत जैसे मुद्दों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। यूरोप भर में चल रहे इसी तरह के प्रदर्शनों के बीच जर्मनी में भी दिनभर ज्यादातर जगहों पर शांतिपूर्ण माहौल रहा, लेकिन शाम होते-होते कई शहरों में स्थिति बिगड़ गई।

दोपहर तक प्रदर्शन काफी हद तक शांत रहे, लेकिन अंधेरा होने के साथ ही कुछ इलाकों में उपद्रवी तत्वों ने पुलिस से झड़प की और दुकानों में लूटपाट की। इससे पहले हालात पिछले महीने फ्रांस में देखी गई अशांति की याद दिलाते हैं। फ्रैंकफर्ट, कोलोन, हैम्बर्ग और बर्लिन में हालात तनावपूर्ण हो गए।

इस मार्च में फिलिस्तीन-समर्थक और फासीवाद-विरोधी प्रदर्शनकारी भी शामिल हो गए। कुछ लोगों ने पूंजीवाद-विरोधी, इजरायल-विरोधी और जर्मनी-विरोधी नारे के साथ-साथ रूस और ईरान जैसे पृष्ठभूमि वाले उपद्रवियों को जिम्मेदार ठहराया और इसमें शामिल पाए जाने वालों के लिए कड़ी सजा की मांग की।

रोक

1,500 से ज्यादा गाड़ियां बॉर्डर से लौटाईं; 1 नवंबर से नए नियम लागू हुए

दिल्ली-विंटर एक्शन प्लान... वसूला 68.4 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में प्रदूषण रोकने के लिए 1 नवंबर से विंटर एक्शन प्लान लागू किया गया है। इसके पहले दिन रविवार शाम 5 बजे तक नियम तोड़ने वालों पर कुल 68.4 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।

इस प्लान के तहत बाहर से आने वाले बी-बीएस-4 वाहनों की एंट्री पर रोक है। 14,930 गाड़ियों की जांच की गई। इनमें से 1,539 गाड़ियों को दिल्ली बॉर्डर से वापस भेजा गया। वहीं, 62 गाड़ियां जब्त की गईं। इस कार्रवाई में 127 चालान काटकर 2 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। प्रदूषण जांच का सर्टिफिकेट नहीं होने पर 566 वाहनों के चालान काटे गए और 56.6 लाख रुपए का जुर्माना

लगाया। कंस्ट्रक्शन साइट पर नियम तोड़ने के मामले में 9.8 लाख रुपए का पर्यावरण मुआवजा लगाया गया। प्रशासन ने कंस्ट्रक्शन और तोड़फोड़ वाली जगहों पर धूल रोकने के नियमों की जांच की। कुल 300 साइट्स का निरीक्षण किया गया। इनमें 32 जगहों पर नियमों का उल्लंघन मिला, जिसके लिए 9.8 लाख रुपए का पर्यावरण मुआवजा लगाया गया। चूंकि दिल्ली के वातावरण में प्रदूषण इतना बढ़ गया है कि लोगों का जीना मुश्किल हो रहा है। इसलिए सख्त फैसले लिए जा रहे हैं।

28 फरवरी तक लागू रहेंगे कई प्रतिबंध

दिल्ली में 1 नवंबर से प्रदूषण रोकने के लिए विंटर एक्शन प्लान लागू है। इसके तहत बाहर रजिस्टर्ड बीएस 6 से कम मानक वाली गाड़ियों की एंट्री पर 31 जनवरी तक रोक रहेगी। धूल फैलाने वाले निर्माण कार्यों पर भी पाबंदी है। 10 दिसंबर से 20 जनवरी तक निर्माण और तोड़फोड़ के सभी काम बंद रहेंगे। जरूरी परियोजनाओं को छूट मिलेगी। 28 फरवरी तक अधिकृत पार्किंग में शुल्क दोगुना रहेगा। सरकारी और निजी दफ्तरों में 31 जनवरी तक अधिकतम 50 फीसदी कर्मचारी ही ऑफिस आएंगे, बाकी घर से काम करेंगे। इसके साथ ही कई जरूरी सेवाओं को छूट दी गई है। पर्यावरण मंत्री मंजीदर सिंह सिरसा ने लोगों से प्रदूषण जांच प्रमाण पत्र बनवाने और नियमों का पालन करने की अपील की। इसी कड़ी में 17 बंदी आदेश और 19 नोटिस भी जारी किए गए। हालांकि, जरूरी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में धूल रोकने के नियमों का उल्लंघन कहीं नहीं मिला। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने 493 चालान काटकर 49.3 लाख रुपए और परिवहन विभाग ने 73 चालान काटकर 7.3 लाख रुपए का जुर्माना लगाया।

न्यूज ब्रीफ

कर्नाटक को मिली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की मिली सौगात

बंगलूरू। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को 'कन्नड़ राज्योत्सव' के मौके पर, बंगलूरू और मुंबई को जोड़ने वाली 'वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस' को सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल (एसएमवीटी) से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस उद्घाटन समारोह में केंद्रीय रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और एच.डी. कुमारस्वामी, केंद्रीय राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे, भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या, पी.सी. मोहन और सी.एन. मंजूनाथ, तथा भाजपा के राज्यसभा सदस्य लहर सिंह सिरोया और जग्गेश मौजूद थे। वैष्णव ने रेलवे स्टेशन पर मौजूद लोगों का अभिवादन किया और हाथ हिलाकर उनका उत्साह बढ़ाया। इसके बाद, सभी गणमान्य व्यक्तियों ने नई शुरू की गई ट्रेन का जायजा लिया।

ईरान की होर्मुज को खोलने पर कतर से वार्ता जारी

तेहरान (ईरान)। मध्य पूर्व में तनाव का प्रमुख कारण बन चुके होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने को लेकर कतर के मध्यस्थों के साथ ईरान के शीर्ष नेताओं की बातचीत चल रही है। ईरान ने कतर को साफ कर दिया है कि अमेरिका को पहले उसकी शर्तें मानने को तैयार होना होगा। ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अगर अमेरिका अगर शर्तें मान लेता है तो होर्मुज जलडमरूमध्य को दो दिन में फिर से खोल दिया जाएगा। अल जजीरा और इरना की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अराघची ने कतरी मध्यस्थों के चल रही बातचीत की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को दो दिन में फिर से खोलने की योजना को अंतिम रूप दे दिया गया है। इसके लिए सिर्फ एक शर्त है कि अमेरिका को उनकी सभी मांगें माननी होंगी। उधर, ईरान के सुरक्षा प्रमुख मोहसेन रेजाई का कहना है कि उन्होंने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के पत्र को देखा है।

फ्रांस में लगातार तीसरे सप्ताह सड़कों पर उतरे हजारों युवा

पेरिस। फ्रांस में महंगाई, शिक्षा व्यवस्था और युवाओं की समस्याओं को लेकर विरोध प्रदर्शन लगातार तेज हो रहे हैं। शनिवार को लगातार तीसरे सप्ताह हजारों की संख्या में युवा और अन्य प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए। यह आंदोलन अब फ्रांस तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जर्मनी और इटली समेत यूरोप के कई देशों में भी युवाओं ने प्रदर्शन शुरू कर दिए हैं। हालात को देखते हुए फ्रांस में करीब 70 हजार पुलिसकर्मियों और जेंडरमेरी के जवानों को तैनात किया गया है। सरकार को आशंका है कि पिछले प्रदर्शनों की तरह इस बार भी हिंसा और तोड़फोड़ हो सकती है। खासकर हैलोवीन की रात को लेकर सुरक्षा एजेंसियां अधिक सतर्क हैं।

भारत के लिए तेल संकट कम होने की उम्मीद नहीं

अमेरिकी मध्यावधि चुनाव के बीच ईरान से बढ़ सकता है तनाव

एजेन्सी, नई दिल्ली

भारत के वित्तीय बाजारों को अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के बाद भी बढ़े हुए कच्चे तेल के दामों और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के दबाव का सामना करना पड़ सकता है। इसको लेकर एमके ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विसेज की एक रिसर्च रिपोर्ट सामने आई है। इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की विदेश नीति के फैसलों पर डेमोक्रेटिक पार्टी की संभावित जीत का भी कोई खास असर पड़ने की उम्मीद नहीं है।

ब्रोकरेज फर्म का कहना है कि नवंबर के चुनावों के बाद ईरान संघर्ष के दोबारा बढ़ने से तेल की कीमतें और ऊपर जा सकती हैं, जिससे भारत के भुगतान संतुलन (BOP), विदेशी मुद्रा बाजार और शेयर बाजार पर दबाव बढ़ सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'हमारा मानना है कि मध्यावधि चुनावों के बाद तेल की कीमतों में गिरावट आने की संभावना नहीं है।' एमके ने आगे कहा कि अमेरिका द्वारा ईरान पर नए हमले की संभावना से कच्चे तेल के दामों में अचानक भारी उछाल आ सकता है।

कच्चे तेल के मुख्य कारक

ब्रोकरेज के अनुसार, इन चुनावों के भारत पर प्रभाव सीधे तौर पर बाजार से जुड़े होने की बजाय अधिक भू-राजनीतिक होने की संभावना है। घरेलू बाजारों के लिए डॉलर, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड, वैश्विक जोखिम लेने की क्षमता और कच्चा तेल ही मुख्य कारक बने रहेंगे। राजनीतिक मोर्चे पर एमके का अनुमान है कि डेमोक्रेट्स प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) पर नियंत्रण हासिल कर सकते हैं, जबकि सीनेट में बहुमत हासिल करने की उनकी संभावनाएं भी बेहतर हुई हैं। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि डेमोक्रेट्स के दोनों सदनों को जीतने की 60 प्रतिशत संभावना है, जबकि डेमोक्रेट्स के हाउस पर नियंत्रण रखने और रिपब्लिकन्स के सीनेट अपने पास रखने की 30 प्रतिशत संभावना है। वहीं, रिपब्लिकन्स द्वारा दोनों सदनों पर नियंत्रण बनाए रखने की 10 प्रतिशत संभावना जताई गई है। डेमोक्रेटिक पार्टी के नियंत्रण वाली कांग्रेस ट्रंप की टैरिफ और आव्रजन नीतियों की जांच बढ़ा सकती है।

अमेरिका में गिर रही डोनाल्ड ट्रंप की लोकप्रियता

नई दिल्ली। अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में चार दिन बाकी हैं। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को झटका लगता हुआ दिखाई दे रहा है। डेमोक्रेट्स सर्वे में आगे चल रहे हैं। वहीं एक कानूनी झगड़े की वजह से अलास्का के नतीजे में देरी हो सकती हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने फोन से कैंपेन करने लिए वीकेंड की दो रैलियां भी कैंसिल कर दी हैं। ReelClearPolling के मुताबिक, डेमोक्रेट्स को 51.4 फीसदी जबकि रिपब्लिकन्स को 43.2 फीसदी वोट मिलता दिखाई दे रहा है। दोनों के बीच का फासला 8.2 फीसदी का है।

क्या कहते हैं सर्वे?

विस्कॉन्सिन में 14 अक्टूबर से 22 अक्टूबर तक किए गए और 28 अक्टूबर को जारी किए गए मार्क्वेट लॉ स्कूल के लेटेस्ट सर्वे में ट्रंप की अप्रूवल रेटिंग 37 परसेंट और डिसअप्रूवल 61 फीसदी बताई गई। सिर्फ 16 फीसदी जवाब देने वालों ने कहा कि वे एक साल पहले की तुलना में आर्थिक तौर पर बेहतर हैं, जबकि 42 फीसदी ने कहा कि वे बदतर हालत में हैं। वहीं 42 फीसदी अन्य लोगों ने कहा कि हालात लगभग वैसे ही हैं।

नेतन्याहू आइजनकोट के साथ सरकार बनाने को तैयार

अरब पार्टियों के विपक्ष को मिले समर्थन से डरे; चुनाव में किसी दल को बहुमत नहीं

तेल अवीव। इजराइल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू विपक्षी नेता गादी आइजेनकोट के साथ मिलकर सरकार बनाने तैयार हैं। इजराइली मीडिया द्व24 न्यूज के मुताबिक, नेतन्याहू को चिंता है कि आइजेनकोट अरब पार्टियों के समर्थन से वैकल्पिक सरकार बना सकते हैं। इससे नेतन्याहू को सत्ता छोड़नी पड़ सकती है।

यही वजह है कि नेतन्याहू ने आइजेनकोट के साथ गठबंधन की संभावना को खारिज नहीं किया है। हालांकि, आइजेनकोट ने अब तक इस प्रस्ताव पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

दरअसल, जॉइंट लिस्ट और राअम जैसी अरब पार्टियों ने रविवार को आइजनकोट को समर्थन देने का ऐलान किया था। इस समर्थन के बाद आइजनकोट को 67 सांसदों का साथ मिलने की संभावना है।

इजराइल में 27 अक्टूबर को हुए चुनाव में किसी भी गठबंधन को बहुमत नहीं मिला था। 120 सदस्यों वाली संसद में बहुमत के लिए 61 सीटों की जरूरत है।

नेतन्याहू के समर्थन वाले गठबंधन को 53, आइजनकोट के विपक्षी गठबंधन को 48 और अरब पार्टियों को 19 सीटें मिली हैं।

नेतन्याहू के पास सरकार बनाने के तीन रास्ते

पहला रास्ता- विपक्षी दलों को अपने साथ लाना

नेतन्याहू विपक्षी गठबंधन में शामिल कुछ दलों या सांसदों को अपने साथ लाने की कोशिश कर सकते हैं। विपक्ष के पास कुल 48 सीटें हैं। अगर इनमें से कुछ दल या सांसद नेतन्याहू का साथ देने को तैयार हो जाते हैं, तो वे बहुमत के लिए जरूरी 61 सीटों का आंकड़ा हासिल कर सकते हैं।

चुनौती- चुनाव में विपक्षी दलों ने नेतन्याहू को सत्ता से हटाने के लिए वोट मांगे थे। ऐसे में उनके लिए अब उन्हीं के साथ सरकार बनाना राजनीतिक रूप से मुश्किल होगा। इससे उनके समर्थकों के बीच भी नाराजगी पैदा हो सकती है।

दूसरा रास्ता: राष्ट्रीय एकता सरकार बनाना

नेतन्याहू विपक्षी नेता गादी आइजनकोट और उनके सहयोगियों के साथ मिलकर राष्ट्रीय एकता सरकार बना सकते हैं। इसमें अलग-अलग विचारधारा वाली पार्टियां एक साथ सरकार चलाती हैं।

इस तरह की सरकार बनने पर नेतन्याहू प्रधानमंत्री बने रह सकते हैं। आइजनकोट और उनके सहयोगियों को भी सत्ता में भागीदारी मिल सकती है।

चुनौती- आइजनकोट चुनाव में नेतन्याहू को हटाने के वादे के साथ उतरे थे। उनके समर्थक भी नेतन्याहू के खिलाफ हैं। ऐसे में उनके लिए नेतन्याहू के नेतृत्व में सरकार बनाना आसान नहीं होगा।

तीसरा रास्ता: अल्पमत सरकार बनाना

नेतन्याहू अल्पमत सरकार बनाने का विकल्प भी चुन सकते हैं। ऐसी सरकार के पास अपने गठबंधन में बहुमत के लिए जरूरी 61 सांसद नहीं होते। वह संसद में दूसरे दलों के बाहरी समर्थन या उनके विरोध नहीं करने के भरोसे काम करती है।

इसके लिए नेतन्याहू को कुछ ऐसी पार्टियों का समर्थन जुटाना होगा, जो सरकार में शामिल हुए बिना संसद में उनके पक्ष में वोट करें या अहम मौकों पर विरोध न करें। चुनौती- ऐसी सरकार को बजट पास कराने, विश्वास मत जीतने और दूसरे जरूरी फैसलों के लिए बार-बार दूसरे दलों का समर्थन जुटाना पड़ता है। इसलिए इसे लंबे समय तक चलाना मुश्किल हो सकता है।

आइजनकोट के पास सरकार बनाने के दो रास्ते

पहला रास्ता- अरब पार्टियों के समर्थन से सरकार बनाना

आइजनकोट के सामने सबसे मजबूत विकल्प अरब पार्टियों का समर्थन लेकर सरकार बनाने का है। दोनों का समर्थन मिलने पर आइजनकोट के पास 67 सांसदों का साथ हो सकता है। यह बहुमत से 6 ज्यादा है। चुनौती- इजराइल की राजनीति में अरब पार्टियों को लेकर गहरा विरोध है। नेतन्याहू ऐसे गठबंधन का विरोध करते रहे हैं। विपक्षी गठबंधन के भीतर भी अरब पार्टियों के साथ सरकार बनाने को लेकर सभी दल एकमत नहीं हैं। आइजनकोट के सहयोगी नेता लिबरमैन पहले ही इसकी आलोचना कर चुके हैं।

दूसरा रास्ता: यहूदी दलों को गठबंधन में शामिल करना

आइजनकोट अरब पार्टियों के बजाय कट्टरपंथी यहूदी धार्मिक दलों को अपने साथ लाने की कोशिश भी कर सकते हैं।

इनमें यूनाइटेड तोराह जूडिज्म सबसे अहम है। यह पार्टी अब खुद को नेतन्याहू के गठबंधन का हिस्सा नहीं मान रही है।

पार्टी के नेता सरकार बनाने से पहले अपनी रणनीति पर चर्चा भी कर चुके हैं। अगर दूसरे छोटे दल आइजनकोट को समर्थन देने के लिए तैयार हो जाते हैं तो उन्हें अरब पार्टियों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। चुनौती- सेना में अनिवार्य सैन्य भर्ती को लेकर दोनों के बीच मतभेद है।

क्या नेतन्याहू भी अरब पार्टियों का समर्थन ले सकते हैं?

गणित के हिसाब से नेतन्याहू भी अरब पार्टियों का समर्थन लेकर सरकार बनाने की कोशिश कर सकते हैं। उनके पास 53 सीटें हैं।

ऐसे में अरब पार्टियों के कुछ सांसदों का समर्थन भी उन्हें बहुमत के करीब या उससे आगे पहुंचा सकता है। लेकिन राजनीतिक रूप से यह विकल्प बेहद मुश्किल है।

नेतन्याहू खुद अरब पार्टियों के समर्थन से बनने वाली सरकार का विरोध करते रहे हैं। उनकी पार्टी और समर्थक भी इस तरह के गठबंधन को स्वीकार करने के लिए आसानी से तैयार नहीं होंगे।

19 सीटों वाली जॉइंट लिस्ट और राअम ने आइजनकोट की याशर पार्टी को समर्थन देने का फैसला किया है। हालांकि, वे बाहर से समर्थन देकर भी आइजनकोट की सरकार को बहुमत दिला सकती हैं।

सबसे पहले संसद के स्पीकर को हटाने की तैयारी विपक्षी गठबंधन की शुरुआती योजना संसद के स्पीकर आमिर ओहाना को उनके पद से हटाने की है। ओहाना नेतन्याहू की लिकुड पार्टी के नेता हैं।

अमेरिका में प्लेन क्रैश, 9 की मौत:पायलट बोला- तेजी से नीचे गिर रहे, जमीन से टकराने वाले हैं, वक्त नहीं बचा

फ्लोरिडा। अमेरिका के फ्लोरिडा में रविवार को एक बिजनेस जेट क्रैश हो गया। हादसे में विमान में सवार सभी 9 लोगों की मौत हो गई। स्नक्क के मुताबिक, विमान टेक्सास से बहामास जा रहा था।

हादसे से कुछ देर पहले पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को कहा, 'विमान तेजी से नीचे गिर रहा है, हम जमीन से टकराने वाले है। अब वक्त नहीं बचा।'

इसके कुछ ही देर बाद विमान सड़क के पास जमीन से टकरा गया। टक्कर होते ही जोरदार धमाका हुआ जमीन पर बड़ा गड्ढा बन गया और आसपास के इलाके में आग फैल गई।

हादसे की जगह राष्ट्रपति ट्रम्प के मार-ए-लागो आवास से करीब 14 किलोमीटर दूर है।

क्रैश से पहले पायलट ने 'मेडे' कॉल दी थी

एयर ट्रैफिक कंट्रोलर और पायलट के बीच बातचीत की रिकॉर्डिंग सामने आई है। इसमें पायलट ने बताया कि मौसम खराब हो रहा है। विमान में बर्फ जम रही है और तेज झटके लग रहे हैं। हालात बिगड़ने पर पायलट ने 2 हजार फीट और ऊंचाई पर जाने की अनुमति मांगी। इसी दौरान विमान तेजी से नीचे गिरने लगा। स्थिति बिगड़ती देख पायलट ने इमरजेंसी घोषित कर दी।

पायलट ने रेडियो पर कहा,

हम 8 हजार फीट नीचे जा रहे हैं... मेडे, मेडे... हम 10 हजार फीट प्रति मिनट की रफ्तार से नीचे गिर रहे हैं। हम जमीन से टकराने वाले हैं

30 हजार फीट/मिनट की रफ्तार से नीचे गिरा विमान

विमान हादसे से पहले 35 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा था। नीचे गिरते समय विमान की अधिकतम रफ्तार 30 हजार फीट प्रति मिनट तक पहुंच गई। अमेरिकी परिवहन मंत्री सीन डफी ने बताया कि यह हादसा दोपहर 12 बजकर 50 मिनट पर हुआ। उन्होंने इसे बेहद दर्दनाक हादसा बताया। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन जांच में मदद के लिए अपनी टीम भेज रहा है। यह टीम नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड के साथ मिलकर हादसे की जांच करेगी।

600 लोगों को सुरक्षित जगह पहुंचाया गया

हादसा रिहायशी इलाके में हुआ था। फ्लोरिडा के अधिकारियों के मुताबिक, विमान के मलबे और हादसे के असर के कारण करीब 600 लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया। उनके लिए दो शेल्टर बनाए गए। एविएशन इंडस्ट्री की वेबसाइट एविएशन इंटरनेशनल न्यूज के मुताबिक, हादसे का शिकार विमान साल 2004 में बना था। यानी हादसे के समय यह करीब 22 साल पुराना था। इस दौरान इलाके में भारी बारिश और गरज-चमक के साथ तूफान भी था। हालांकि, अभी यह साबित नहीं हुआ है कि खराब मौसम ही हादसे की वजह था। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि विमान क्रैश से पहले बिजली की लाइन से टकराया था। अधिकारियों ने इस दावे की पुष्टि नहीं की है।

अमेरिका में प्लेन क्रैश की पिछली घटनाएंः

30 अक्टूबर 2026- हवाई के वाइमिया में 5 लोगों को ले जा रहा एक छोटा विमान खेत में क्रैश हुआ। 13 अक्टूबर 2026- विस्कॉन्सिन के डेलोना के घने जंगलों में एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ, जिसमें 6 लोगों की मौत हो गई। 15 जून 2026- कैलिफोर्निया के एडवर्ड्स एयर फोर्स बेस के पास अमेरिकी वायुसेना का बी-52 बॉम्बर विमान उड़ान भरने के तुरंत बाद क्रैश हुआ, 8 लोग मारे गए।

बांग्लादेश में कपड़ा मजदूरों का प्रदर्शन, 3 जगह हिंसा हुई:प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थर फेंके, गाड़ी जलाई; वेतन बढ़ाने की मांग कर रहे

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका समेत तीन इलाकों में रविवार को कपड़ा फैक्ट्रियों के मजदूरों ने वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान कई जगह हिंसा भी हुई। ढाका के मीरपुर इलाके में मजदूरों ने सड़कें जाम कर दीं। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर ईंट-पत्थर फेंके और एक पुलिस गाड़ी में आग लगा दी। गाजीपुर में मजदूरों ने हाईवे जाम किया और पुलिस चौकी में आग लगा दी। वहीं, अशुलिया में कम से कम 30 फैक्ट्रियां बंद रहीं।

मजदूरों की मांग है कि उनका न्यूनतम मासिक वेतन 9,600 रुपए से बढ़ाकर करीब 23 हजार रुपए किया जाए।

पुलिस ने लाठीचार्ज की, आंसू गैस का भी इस्तेमाल किया

रविवार सुबह ढाका के मीरपुर-10 चौराहे पर मजदूर इकट्ठा हुए। इस दौरान उन्होंने सड़कें जाम कर दी। इसके चलते मजदूरों और पुलिस के बीच झड़प भी हुई। पुलिस के मुताबिक, कुछ मजदूरों ने पुलिसकर्मियों पर हमला किया। इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज किया। भीड़ को हटाने के लिए आंसू गैस का भी इस्तेमाल किया गया।

तनाव को देखते हुए मीरपुर-10 मेट्रो स्टेशन का गेट बंद करना पड़ा। शनिवार को भी मजदूरों ने इसी इलाके में करीब चार घंटे तक सड़कें जाम रखी थीं।

गाजीपुर में हाईवे जाम, सुरक्षाकर्मी तैनात करने पड़े

ढाका के उत्तर में स्थित गाजीपुर के कालीकैर इलाके में भी रविवार सुबह से प्रदर्शन शुरू हो गया। गाजीपुर के कोनाबाड़ी इलाके में प्रदर्शनकारियों ने एक पुलिस चौकी में आग लगा दी। हालात संभालने के लिए प्रशासन ने बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के पांच प्लाटून तैनात करने का ऐलान किया।

हालात बिगड़े तो फैक्ट्री प्रबंधन ने छुट्टी दे दी

ढाका के पास अशुलिया के औद्योगिक इलाके में भी शनिवार को मजदूरों ने प्रदर्शन किया। कई फैक्ट्रियों में काम बंद कर दिया गया। कुछ जगहों पर तोड़फोड़ भी हुई। हालात बिगड़ने पर फैक्ट्री प्रबंधन ने छुट्टी घोषित कर दी। अलग-अलग रिपोर्ट के मुताबिक, इलाके में कम से कम 30 फैक्ट्रियां बंद रहीं।

वेतन तय करने वाले बोर्ड में मजदूर संगठन के लोग भी शामिल

प्रदर्शन के बीच बांग्लादेश सरकार ने रविवार को छह सदस्यों वाला वेतन बोर्ड बनाया है। इसका काम कपड़ा फैक्ट्रियों के मजदूरों की नई न्यूनतम सैलरी तय करना है। श्रम मंत्री अरिफुल हक चौधरी ने बताया कि बोर्ड जल्द से जल्द नई सैलरी तय करेगा। इसमें फैक्ट्री मालिकों, मजदूर संगठनों और एक स्वतंत्र प्रतिनिधि को शामिल किया गया है। सरकार ने मजदूरों से सड़कें खाली कर काम पर लौटने की अपील की है।

सुप्रीम कोर्ट ने उठा दिए सवाल

कहां से आएगा 100 फीसदी एथेनॉल वाला ईंधन?

एजेन्सी, नई दिल्ली

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने 26 अक्टूबर को केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 में संशोधन अधिसूचित किया था। इसके तहत ई 100 यानी लगभग शुद्ध एथेनॉल से चलने वाले वाहनों को भी नियमों में शामिल किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से पूछा कि अगर 100 प्रतिशत एथेनॉल से चलने वाले वाहनों (ई-100) को अनुमति दी गई है, तो ईंधन की सप्लाई कैसे की जाएगी। एथेनॉल सप्लाई (ईएसवाई) 2025-26 के लिए एथेनॉल आवंटन से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किए। इस मुद्दे पर हाल ही में आई मीडिया रिपोर्टों का जिक्र किया। इस दौरान जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने कहा कि हाल ही में हमने कुछ अखबारों की रिपोर्ट देखीं, जिनमें कहा गया है कि 100 प्रतिशत एथेनॉल से चलने वाले वाहनों को अनुमति दी गई है। पीठ ने पूछा कि हम बस यह जानना चाहते हैं कि अगर 100 प्रतिशत एथनॉल से चलने वाले वाहनों को अनुमति दी गई है, तो आप इनकी सप्लाई कैसे करेंगे? इस पर अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने कहा है कि इसके लिए बड़े पैमाने पर विनिर्माण व्यवस्था में बदलाव करने होंगे।

न्यूज ब्रीफ

99 रुपए से भी कम में मिल रहे 5 बड़े काम के गैजेट्स

नई दिल्ली। Amazon और Flipkart पर फेस्टिव सेल जारी है और अगर आप कोई बड़ी खरीदारी करने के मूड में नहीं है, तो भी आप सिर्फ 99 रुपये में कई काम के गैजेट्स खरीद सकते हैं। इनमें लाइटनिंग डोंगल, सिलिकन सक्शन ग्रिप, Type C Cable, लैपटॉप कैमरा शटर और फोन स्टैंड जैसे कई प्रोडक्ट्स शामिल है। खास बात है कि कुछ की कीमत 70 रुपये से भी कम है। ऐसे में अगर आप जरूरी टेक गैजेट्स खरीदने का सोच रहे थे, तो यह समय सबसे सही साबित हो सकता है। सिलिकन ग्रिप 65 रुपये से कम में उपलब्ध सिलिकन ग्रिप 65 रुपये से कम में उपलब्ध अगर आप भी चाहते हैं कि ऐपल यूजर्स की तरह अपने फोन को यहां-वहां चिपका कर होल्ड करके रख सकें, तो आप सेल के इस सीजन में 65 रुपये से कम में सिलिकन ग्रिप खरीद सकते हैं। ऐपल के डिवाइसेज को चिपकने के लिए चुंबक वाले मैगसेफ कनेक्टर की जरूरत पड़ती है लेकिन आप सिलिकन ग्रिप को बिना किसी मैगसेफ डिवाइस के सिर्फ अपने फोन की पीछे चिपकाकर उसे किसी भी सपाट सतर पर चिपका पाएंगे।

नवंबर में 12 कंपनियां निवेशकों को देंगी लाभांश

नई दिल्ली। शेयर बाजार के निवेशकों के लिए नवंबर का महीना कमाई के लिहाज से बेहद खास साबित होने वाला है। इस महीने देश की कई दिग्गज और बड़ी कंपनियां अपने शेयरधारकों को भारी-भरकम अंतरिम डिविडेंड (लाभांश) के रूप में बड़ा तोहफा देने जा रही हैं। देश की 12 प्रमुख कंपनियों ने अपने निवेशकों के लिए प्रति शेयर 5 रुपये से लेकर 75 रुपये तक के तगड़े अंतरिम लाभांश की घोषणा की है, जिसके लिए जरूरी रिकॉर्ड तारीखें भी तय कर दी गई हैं। इसके अलावा, इस महीने के दौरान कई लिस्टेड कंपनियों में स्टॉक स्प्लिट (शेयर विभाजन), शेयर बायबैक और राइट्स इश्यू जैसे महत्वपूर्ण कॉरपोरेट एक्शन भी दिखने वाले हैं, जिससे निवेशकों को अपने शेयर पर एक्स्ट्रा वैल्यू हासिल करने का मौका मिलेगा। इस महीने घोषित किए गए डिविडेंड में फार्मा सेक्टर की दिग्गज कंपनी सनोफी इंडिया सबसे आगे बनी हुई है। कंपनी अपने शेयरधारकों को प्रति शेयर 75 रुपये का सबसे बड़ा और बंपर अंतरिम डिविडेंड देने जा रही है।

त्योहारों के बीच जीएसटी से सरकार की बंपर कमाई

2.31 लाख करोड़ के पार पहुंचा आंकड़ा, 22.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी

अक्तूबर में भारत का जीएसटी कलेक्शन सालाना आधार पर 22.9 प्रतिशत बढ़कर 2.31 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। आयात से राजस्व में 42.2 प्रतिशत और घरेलू जीएसटी राजस्व में 15.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। राज्यों में असम ने सबसे ज्यादा 47 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की।

■ एजेन्सी, नई दिल्ली

अक्तूबर में भारत का सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) कलेक्शन सालाना आधार पर 22.9 प्रतिशत बढ़कर 2.31 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 1.88 लाख करोड़ रुपये था। यह जानकारी वित्त मंत्रालय की ओर से जारी शुरूआती आंकड़ों के अनुसार है।

एक साल पहले क्या थे आकड़े

रिफंड को घटाने के बाद, जीएसटी राजस्व इस महीने में 25.6 प्रतिशत बढ़कर 2.03 लाख करोड़ रुपये हो गया। वहीं, अक्तूबर 2025 में यह 1.61 लाख करोड़ रुपये था। सकल कलेक्शन में इस वृद्धि को आयात से प्राप्त राजस्व में 42.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी का समर्थन मिला। आयात से प्राप्त राजस्व 72,246 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले 50,796 करोड़ रुपये था। घरेलू जीएसटी राजस्व में भी 15.8 प्रतिशत की अच्छी वृद्धि दर्ज की गई और यह 1.37 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 1.59 लाख करोड़ रुपये हो गया।

घरेलू कलेक्शन के अंतर्गत, केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) 42,935 करोड़ रुपये रहा, जबकि

राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) कलेक्शन 51,340 करोड़ रुपये रहा। घरेलू लेन-देन से प्राप्त एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) कलेक्शन 64,769 करोड़ रुपये रहा।

अक्तूबर के दौरान कुल रिफंड सालाना आधार पर 6.5 प्रतिशत बढ़कर 27,934 करोड़ रुपये हो गए। घरेलू रिफंड 9.8 प्रतिशत बढ़कर 14,007 करोड़ रुपये हो गए, जबकि आयात पर रिफंड 3.4 प्रतिशत बढ़कर 13,927 करोड़ रुपये हो गए।

शुद्ध आधार पर, घरेलू जीएसटी राजस्व 16.4 प्रतिशत बढ़कर 1.45 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि सीमा शुल्क (कस्टम्स) से जुड़े जीएसटी संग्रह से प्राप्त शुद्ध राजस्व 56.2 प्रतिशत बढ़कर 58,319 करोड़ रुपये हो गया।

अलग-अलग राज्यों वृद्धि का प्रतिशत भी अलग

प्रमुख राज्यों में, महाराष्ट्र ने 35,150 करोड़ रुपये का घरेलू जीएसटी राजस्व दर्ज किया, जो सालाना आधार पर 13 प्रतिशत की वृद्धि है। गुजरात का संग्रह 16 प्रतिशत बढ़कर 13,516 करोड़ रुपये हो गया, जबकि कर्नाटक में 18 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 15,922 करोड़ रुपये का संग्रह दर्ज किया गया। हरियाणा का संग्रह 17 प्रतिशत बढ़कर 11,529 करोड़ रुपये हो गया। असम ने राज्यों के बीच सबसे बड़ी वृद्धि दर्ज की, जहां संग्रह 47 प्रतिशत बढ़कर 1,934 करोड़ रुपये हो गया। उत्तर प्रदेश और बिहार दोनों में 24 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। कुल मिलाकर, अप्रैल-अक्तूबर 2026-27 के दौरान सकल जीएसटी संग्रह 13.2 प्रतिशत बढ़कर 14.77 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि में यह 13.05 लाख करोड़ रुपये था। सात महीने की इस अवधि के दौरान शुद्ध जीएसटी राजस्व 12.6 प्रतिशत बढ़कर 12.69 लाख करोड़ रुपये हो गया।

केंद्र सरकार ने राज्यों को कर हस्तांतरण के फंड जारी किए

उत्तर प्रदेश को 19,208 करोड़ रुपये जारी किए

■ एजेन्सी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने शनिवार को राज्य सरकारों को 1.09 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कर हस्तांतरण (टैक्स डिवोल्यूशन) की अतिरिक्त किस्त जारी की। यह नियमित मासिक हस्तांतरण के अतिरिक्त है और चालू वित्त वर्ष की दूसरी अतिरिक्त किस्त है।

वित्त मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि केंद्र सरकार ने राज्यों को 1,09,019 करोड़ रुपये का कर हस्तांतरण जारी किया है। इसमें उत्तर प्रदेश को 19,208 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। मंत्रालय ने कहा, यह राशि आगामी त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए और राज्यों को पूंजीगत व्यय में तेजी लाने के साथ-साथ अपने विकास व कल्याणकारी खर्चों को पूरा करने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से जारी की गई है।

वर्तमान में, एक वित्तीय वर्ष के दौरान केंद्र द्वारा एकत्र किए गए करों का 41 प्रतिशत हिस्सा 14 किस्तों में राज्यों के बीच वितरित किया जाता है।

राज्य का नाम	कुल राशि
हरियाणा	1,484 करोड़
हिमाचल प्रदेश	996 करोड़
पंजाब	2,176 करोड़
उत्तर प्रदेश	19,208 करोड़
उत्तराखंड	1,244 करोड़
आंध्र प्रदेश	4,597 करोड़
असम	3,552 करोड़
बिहार	10,845 करोड़
छत्तीसगढ़	3,602 करोड़

अब 31 दिसंबर तक कपास का शुल्क मुक्त आयात

केंद्र सरकार ने घरेलू कपड़ा क्षेत्र में कपास की उपलब्धता बढ़ाने के लिए कपास आयात पर सीमा शुल्क छूट को दो महीने बढ़ाकर 31 दिसंबर, 2026 तक कर दिया है। इससे पहले मई में कपास आयात को पांच महीने यानी अक्तूबर, 2026 तक के लिए सीमा शुल्क से छूट दी गई थी।

वेस्ट एशिया संकट के बीच रिलायंस का बड़ा दांव यूरोप और अफ्रीका में ईंधन निर्यात 50% बढ़ा

■ एजेन्सी, नई दिल्ली

वेस्ट एशिया में संघर्ष के कारण दुनिया के कई देशों में ईंधन की सप्लाई प्रभावित हुई है। इसका फायदा उठाते हुए मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अफ्रीका और यूरोप के बाजारों में पेट्रोल, डीजल और विमान ईंधन का निर्यात बढ़ाया है। कंपनी ने अपने ईंधन निर्यात का रुख पूर्वी और दक्षिणी अफ्रीका, भूमध्यसागरीय देशों और यूरोप के दूसरे बाजारों की ओर किया है। इससे इन बाजारों में कंपनी की हिस्सेदारी करीब 50% बढ़ गई है।

रिलायंस की सितंबर तिमाही की वित्तीय रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी ने ऑस्ट्रेलिया, केन्या और तंजानिया में प्रीमियम पेट्रोल की सप्लाई के नए मौके तलाशे। वहीं, भूमध्यसागरीय देशों में

डीजल और विमान ईंधन (एटीएफ) की सप्लाई बढ़ाई। कंपनी ने पहली बार दक्षिण अफ्रीका को कम सल्फर वाला विमान ईंधन भी भेजा है। इससे वहां भविष्य में निर्यात की नई संभावनाएं खुली हैं।

ईंधन की सप्लाई घटने से बढ़े दाम और मुनाफा: वेस्ट एशिया में संघर्ष के कारण तेल और ईंधन की सप्लाई चेन प्रभावित हुई है। रूस और वेस्ट एशिया की कुछ रिफाइनरियों की क्षमता भी संघर्ष के कारण प्रभावित हुई है।

कोल इंडिया का अक्टूबर में बंपर कोयला उत्पादन

19.3 प्रतिशत की शानदार वृद्धि बढ़कर हुआ 6.72 करोड़ टन

कोल इंडिया लिमिटेड का अक्टूबर में कोयला उत्पादन 19.3 प्रतिशत बढ़कर 6.72 करोड़ टन हो गया, जबकि उठाव में भी 18.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

■ एजेन्सी, नई दिल्ली

कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) का अक्टूबर में कोयला उत्पादन सालाना आधार पर 19.3 प्रतिशत बढ़कर 6.72 करोड़ टन हो गया। पिछले साल इसी महीने में कंपनी ने 5.64 करोड़ टन कोयले का उत्पादन किया था। सार्वजनिक

क्षेत्र की इस खनन कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि अस्थायी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में उसका उठाव 18.7 प्रतिशत बढ़कर 7.03 करोड़ टन हो गया, जो एक साल पहले 5.92 करोड़ टन था।

सीआईएल का उत्पादन

वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-अक्टूबर अवधि में सीआईएल का उत्पादन सालाना आधार पर 38.55 करोड़ टन से 0.7 प्रतिशत बढ़कर 38.82 करोड़ टन हो गया। इन सात महीनों के दौरान उठाव 9.2 प्रतिशत बढ़कर 45.46 करोड़ टन हो गया।

सीआईएल की सब्सिडियरी कंपनियों में महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) ने अक्टूबर में 20.8 करोड़ टन के साथ सबसे अधिक उत्पादन दर्ज किया, जो सालाना आधार पर 25.3 प्रतिशत अधिक है। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने 14.3 करोड़ टन का उत्पादन किया, जो 17.4 प्रतिशत की वृद्धि है।

वेस्टर्न कोलफील्ड्स का प्रोडक्शन: वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) ने सबसे तेज वृद्धि दर्ज की, जिसका उत्पादन 64.7 प्रतिशत बढ़कर 5.9 करोड़ टन हो गया।

विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में भारतीय-बाजार से 34,843 करोड़ निकाले:2026 में अब तक 2.95 लाख करोड़ की निकासी, इस साल बाजार 13% गिरा

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की बिकवाली का सिलसिला अक्टूबर के महीने में भी जारी रहा। अक्टूबर में ने भारतीय इक्विटी बाजार से कुल 34,843 करोड़ निकाल लिए हैं।

यह लगातार दूसरा महीना है जब विदेशी निवेशकों ने बाजार में भारी बिकवाली की है। ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, दुनिया भर में ऊंची ब्याज दरें और कंपनियों के सुस्त तिमाही नतीजों के अनुमान के चलते विदेशी निवेशकों का सेंटिमेंट प्रभावित हुआ है।

हालांकि, अक्टूबर के आखिरी हफ्ते (26-30 अक्टूबर) के दौरान विदेशी निवेशकों ने रुख बदलते हुए बाजार में 6,300 करोड़ का नेट यानी शुद्ध निवेश किया, जबकि इससे पिछले हफ्ते (23 अक्टूबर को खत्म हुए सप्ताह) में उन्होंने 2,700 करोड़ की बिकवाली की थी।

2026 में अब तक 2.95 लाख करोड़ की बिकवाली

सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (ष्ठष्टस्र) के आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर से पहले सितंबर महीने में भी विदेशी निवेशकों (स्नक्कह्वह्य) ने भारतीय शेयर बाजार से 35,861 करोड़ निकाले थे। इससे पहले जुलाई में 20,200 करोड़ और अगस्त में 29,631 करोड़ का नेट निवेश आया था।

अक्टूबर की नई बिकवाली को मिलाकर, साल 2026 में अब तक भारतीय इक्विटी बाजार से स्नक्कह्वह्य का कुल आउटफ्लो 2.95 लाख करोड़ के स्तर पर पहुंच गया है।

विदेशी निवेशकों की 2026 में इस बिकवाली के बीच सेंसेक्स करीब 13त्न (10,729 अंक) और निफ्टी 12त्न (3,093 अंक) गिरा है।

4 में से 3 ट्रेडिंग सेशन में खरीदार रहे विदेशी निवेशक

अक्टूबर के आखिरी हफ्ते में आए सुधार से बाजार का शॉर्ट-टर्म सेंटिमेंट तो बेहतर हुआ है, लेकिन बाजार जानकारों का कहना है कि सिर्फ एक हफ्ते की खरीदारी को ट्रेंड में स्थायी

बदलाव (रिवर्सल) नहीं माना जा सकता।

कैश मार्केट में 30 अक्टूबर को खत्म हुए आखिरी चार कारोबारी सेशन में से तीन में स्नक्कह्वह्य नेट खरीदार रहे। इससे भारतीय शेयरों को लेकर विदेशी निवेशकों के नजरिए में धीरे-धीरे सुधार के संकेत मिल रहे हैं।

डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स से मिल रहा सपोर्ट

अक्टूबर के आखिरी हफ्तों में विदेशी निवेशकों की तरफ से आई खरीदारी के दम पर निफ्टी एक बार फिर 23,000 का स्तर पार करने में कामयाब रहा।

मार्केट एक्सपर्ट्स के मुताबिक, स्नक्कह्वह्य की लगातार जारी बिकवाली के बावजूद डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (ष्ठढ्ढढ्वह्य) ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ष्ठढ्ढढ्वह्य ने विदेशी निवेशकों की बिकवाली के दबाव को संभाला और बाजार में स्थिरता बनाए रखी।

फार्मा, हेल्थकेयर और डिजिटल प्लेटफॉर्म शेयर्स में खरीदारी

अक्टूबर महीने में विदेशी निवेशकों की पसंद और नापसंद में साफ अंतर देखा गया। एक तरफ जहां स्नक्कह्वह्य ने लार्ज-कैप फाइनेंशियल (बैंकिंग और वित्तीय) शेयरों में बिकवाली जारी रखी, वहीं दूसरी तरफ वे चुनिंदा फार्मास्युटिकल (दवा), हेल्थकेयर और डिजिटल प्लेटफॉर्म कंपनियों के शेयरों में खरीदारी करते दिखे।

बिकवाली और खरीदारी के पीछे के 5 प्रमुख कारण

कच्चे तेल की कीमतें- अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के ऊंचे दाम भारत में महंगाई और कंपनियों के प्रॉफिट मार्जिन के लिए जोखिम पैदा कर रहे हैं।

अमेरिकी बॉन्ड यील्ड और यूएस फेड- अमेरिका में बॉन्ड यील्ड की दरों के चलते ग्लोबल कैपिटल वहां शिफ्ट हो रही है। हालांकि, यूएस फेड के ब्याज दरें स्थिर रखने के फैसले से थोड़ा सहारा मिला। आकर्षक वैल्युएशन- बिकवाली के कारण भारतीय लार्ज-कैप शेयरों के दाम आकर्षक स्तर पर आ गए हैं।

घरेलू आर्थिक ग्रोथ- भारत की मजबूत आर्थिक ग्रोथ के संकेतों ने विदेशी निवेशकों के सेंटिमेंट में पॉजिटिव बदलाव किया। ग्लोबल ढ्ढ ट्रेड में सुस्ती- ग्लोबल लेवल पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े ट्रेड्स में आई सुस्ती ने भी विदेशी निवेशकों के पोर्टफोलियो एलोकेशन को प्रभावित किया।

एक्सपर्ट्स की रायः कच्चे तेल के दाम और अमेरिकी चुनावों पर रहेगी नजर

मीरा मनी के को-फाउंडर आनंद के. राठी के मुताबिक, अक्टूबर महीने के दौरान विदेशी बिकवाली काफी ज्यादा रही है, जो वरूड ऑयल, वैश्विक ब्याज दरों और कंपनियों के नतीजों को लेकर अनिश्चितता को दर्शाती है।

विदेशी फंड्स का आगे टिकाऊ रहना ग्लोबल मैक्रोइकॉनॉमिक परिस्थितियों, कच्चे तेल के दाम और कंपनियों की कमाई के आउटलुक पर निर्भर करेगा।जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रेटजिस्ट वी. के. विजयकुमार ने बताया कि आकर्षक वैल्युएशन और यूएस फेड के फैसले ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। वहीं बजाज ब्रोकिंग के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट (रिसर्च) पवित्र मुखर्जी ने कहा कि स्नक्कह्वह्य का वापस लौटना बाजार के लिए पॉजिटिव है, लेकिन क्रूड ऑयल की कीमतें तेजी को सीमित कर सकती हैं।आने वाले हफ्ते में अमेरिकी मिड-टर्म चुनाव, ब्रेंट क्रूड, अमेरिका-ईरान व रूस-यूक्रेन संघर्ष और कंपनियों के तिमाही नतीजों पर बाजार की नजर रहेगी।

एफपीआई क्या होता है और बाजार पर इसका क्या असर पड़ता है

क्या है एफपीआई फॉरेन पोर्टफोलियो इनवेस्टमेंट यानी का मतलब है विदेशी निवेशकों का किसी देश के शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड या बॉन्ड में किया जाने वाला निवेश।

बाजार पर असर: जब एफपीआई भारतीय बाजार में पैसा लगाते हैं, तो शेयर बाजार में तेजी आती है और भारतीय रुपया मजबूत होता है। वहीं जब वे पैसा निकालते हैं, तो बाजार में गिरावट और रुपए में कमजोरी देखी जाती है।

महंगाई और दुनिया का तनाव बेअसर, अक्टूबर में जमकर खरीदारी

यूपीआई कलेक्शन 23% बढ़ा ; कार बिक्री, यूपीआई और बिजली की खपत ने भी रिकॉर्ड बनाया

नई दिल्ली

देश में महंगाई, ऊंची ब्याज दरों और दुनिया में चल रहे तनाव के बावजूद लोगों ने अक्टूबर में जमकर खरीदारी की। त्योहारी सीजन में बाजार में रौनक रही। इसका असर कलेक्शन, कारों की बिक्री, डिजिटल पेमेंट और बिजली की खपत के आंकड़ों में भी दिखा।

अक्टूबर में देश का ग्रस्ज्ज कलेक्शन पिछले साल के मुकाबले 22.9 बढ़कर 2.31 लाख करोड़ रुपए हो गया। पिछले साल इसी महीने यह करीब 1.88 लाख करोड़ रुपए था। यह बढ़ोतरी बताती है कि त्योहारी सीजन में बाजार में खरीदारी अच्छी रही।

कारों की बिक्री 5.30 लाख यूनिट तक पहुंची

अक्टूबर में देश में 5.25 से 5.30 लाख कारें बिकीं। यह एक महीने में अब तक की सबसे ज्यादा बि ी है। पिछले साल अक्टूबर में करीब 4.65 लाख कारें बिकी थीं। इस बार बि ी में 13 से 14 की बढ़ोतरी हुई। इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की बि ी भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। अक्टूबर में 2.24 लाख इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन बिके। वाहन पोर्टल के मुताबिक, यह अब तक का सबसे बड़ा मासिक

वित्त वर्ष 2026-27 में अब तक GST कलेक्शन का हाल

महीना	GST कलेक्शन (करोड़ रुपए में)	सालाना आधार पर बढ़ोतरी (%में)
अप्रैल	2.43 लाख	9%
मई	1.84 लाख	3%
जून	1.85 लाख	14%
जुलाई	2.11 लाख	15%
अगस्त	2.00 लाख	10%
सितंबर	2.04 लाख	15%
अक्टूबर	2.31 लाख	23%

आंकड़ा है।

यूपीआई से रोजाना 1 लाख करोड़ का लेनदेन

डिजिटल पेमेंट में भी नया रिकॉर्ड बना। अक्टूबर में यूपीआई के जरिए 25.47 अरब यानी 2,547 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए। यह पिछले साल के मुकाबले 23 ज्यादा है। इन ट्रांजैक्शन के जरिए कुल 31.53 लाख करोड़ रुपए का लेनदेन हुआ, जो सालाना आधार पर 16 ज्यादा है। पहली बार यूपीआई से रोजाना औसतन 1 लाख करोड़ रुपए का लेनदेन हुआ।

बिजली की खपत 22त्न बढ़ी

अक्टूबर में देश में बिजली की खपत पिछले साल के मुकाबले करीब 22 बढ़कर 160 अरब यूनिट हो गई। वहीं, डीजल की बिक्री में भी 11.7 की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इन आंकड़ों से पता चलता है कि अक्टूबर में देश में खरीदारी, कारोबार और आर्थिक गतिविधियां तेज रहीं। महंगाई और वैश्विक तनाव के बीच भी त्योहारी सीजन में लोगों ने खर्च करने में हाथ नहीं खींचा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से रूबरू हुईं कोरिया की महिला उद्यमी

जुनून और जीवटता ने कोरिया का माथा ऊंचा किया-कलेक्टर रोक्तिमा यादव

गुजरात के एकता नगर में आयोजित भारत पर्व में प्रधानमंत्री को बताई बिहान से आर्थिक सशक्तिकरण की कहानी

कोरिया मिलेट्स कैफे से 37 महिलाओं को मिला रोजगार

बिलासपुर

कोरिया/ छत्तीसगढ़ की ग्रामीण महिलाएं आज अपनी मेहनत, उद्यमशीलता और आत्मविश्वास के बल पर सफलता की नई इबारत लिख रही हैं। इसकी एक प्रेरणादायक झलक गुजरात के एकता नगर में आयोजित भारत पर्व 2026 में देखने को मिली, जब कोरिया जिले की महिला उद्यमी एवं मिलेट्स कैफे की संचालिका हिना को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से रूबरू होने और अपनी सफलता की कहानी साझा करने का अवसर मिला। उन्होंने प्रधानमंत्री को बताया कि किस प्रकार छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन %बिहान% से जुड़कर ग्रामीण महिलाएं आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा रही हैं।

37 महिलाओं की आजीविका का माध्यम बना कोरिया मिलेट्स कैफे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संवाद के दौरान हिना ने बताया कि कोरिया जिले में उनके द्वारा संचालित मिलेट्स कैफे ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम बन गया है। इस कैफे से जुड़कर 37 महिलाएं विभिन्न आजीविका गतिविधियों के माध्यम से नियमित आय अर्जित कर रही हैं। कभी सीमित आजीविका के साधनों पर निर्भर रहने वाली ग्रामीण महिलाएं आज अपने हुनर और सामूहिक प्रयासों से स्वरोजगार की नई पहचान बना रही हैं।

हिना ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान ने महिलाओं को संगठित होकर आगे बढ़ने और अपनी क्षमताओं को उद्यम में बदलने का अवसर प्रदान किया है। कोरिया मिलेट्स कैफे इसी सामूहिक उद्यमशीलता का सफल उदाहरण है।

जुनून और जीवटता ने कोरिया का माथा ऊंचा किया

कोरिया कलेक्टर रोक्तिमा यादव ने कहा जिले की महिलाओं में जुनून है, जीवटता है, बस उन्हें सही मंच मिलने पर अपनी प्रतिभा निखारने के अवसर मिलेगा। यादव ने कहा स्व सहायता समूह की इन महिलाओं ने एक बार फिर कोरिया का माथा ऊंचा किया है। निश्चित ही इस उपलब्धि का श्रेय स्व सहायता समूह की टीम को जाता है। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा आने वाले समय मे अन्य समूहों की महिलाएं भी इसी तरह कोरिया का नाम रौशन करेगी।

श्री अन्न के स्वाद से देशभर में पहुंच रही छत्तीसगढ़ की पहचान

हिना ने प्रधानमंत्री को बताया कि कोरिया मिलेट्स कैफे में मोटे अनाज अर्थात श्री अन्न से विभिन्न प्रकार के पौष्टिक एवं पारंपरिक छत्तीसगढ़ी व्यंजन तैयार किए जाते हैं। इसके माध्यम से एक ओर पोषणयुक्त खानपान को प्रोत्साहन मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर छत्तीसगढ़ की समृद्ध खाद्य संस्कृति और स्थानीय व्यंजनों को नई पहचान मिल रही है। उन्होंने बताया कि भारत पर्व में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक मिलेट्स व्यंजनों का स्टॉल लगाया गया है। इस स्टॉल के माध्यम से देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले आगंतुकों को छत्तीसगढ़ के पारंपरिक स्वाद, स्थानीय खाद्य संस्कृति और ग्रामीण महिलाओं की उद्यमशीलता से परिचित कराया जा रहा है।

राष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ की महिला शक्ति का गौरव

उल्लेखनीय है कि गुजरात के एकता नगर में 30 अक्टूबर से 15 नवंबर 2026 तक भारत पर्व का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में देश के विभिन्न राज्यों के शिल्पकार, उद्यमी और स्व-सहायता समूह अपनी पारंपरिक कला, हस्तशिल्प, स्थानीय व्यंजनों एवं सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन कर रहे हैं। इस राष्ट्रीय आयोजन में कोरिया जिले की महिला उद्यमी हिना का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संवाद छत्तीसगढ़ की ग्रामीण महिलाओं के बढ़ते आत्मविश्वास और आर्थिक सशक्तिकरण का गौरवपूर्ण उदाहरण है।

राज्य स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों का जिला नोडल अधिकारी ने लिया जायजा

कलेक्टर के निर्देश पर स्वामी आत्मानंद स्कूल ग्राउंड का किया निरीक्षण, 2 नवंबर को शाम 4 बजे होगा जिला स्तरीय समारोह

बिलासपुर

एमसीबी/ छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 2 नवंबर को आयोजित होने वाले जिला स्तरीय समारोह को भव्य, सुव्यवस्थित और गरिमामय बनाने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। कलेक्टर संतन देवी जांगड़े के निर्देश पर जिला नोडल अधिकारी एवं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकिता सोम ने समारोह स्थल स्वामी आत्मानंद स्कूल ग्राउंड, मनेन्द्रगढ़ का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जिला स्तरीय राज्य स्थापना दिवस समारोह 2 नवंबर 2026 को शाम 4 बजे आयोजित होगा। निरीक्षण के दौरान नोडल अधिकारी ने आयोजन स्थल की तैयारियों, आवश्यक व्यवस्थाओं और कार्यक्रम के सुचारू संचालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से तैयारियों की जानकारी लेते हुए सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर के निर्देशानुसार समारोह की जिम्मेदारियां संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सौंपी गई हैं। कार्यक्रम में विभागीय समन्वय, सुव्यवस्थित व्यवस्था और आगंतुकों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है, ताकि राज्य स्थापना दिवस का आयोजन गरिमामय एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

निरीक्षण के दौरान उप नोडल अधिकारी एवं अपर कलेक्टर लिंगराज सिदार, एसडीएम शशि शेखर मिश्रा, तहसीलदार विनीत कुमार सिंह, समीर शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस प्रदेश की गौरवशाली पहचान, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विकास यात्रा का महत्वपूर्ण अवसर है। इस अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय समारोह को यादगार बनाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं।

पटवारियों को हड़ताल समाप्त कर काम पर लौटने का अल्टीमेटम

संभाग के सभी 819 पटवारियों को तत्काल कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश, संबंधित एसडीएम ने जारी किए शो कॉज नोटिस

कोरिया जिले के 50 पटवारियों को शोकाज नोटिस जारी

बिलासपुर

कोरिया सरगुजा संभाग में हड़ताल पर गए सभी 819 पटवारियों को तत्काल काम पर लौटने के निर्देश दिए गए हैं। संभागायुक्त नरेन्द्र दुग्गा ने संबंधित पटवारियों को तत्काल कार्य पर उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सरगुजा संभाग के सभी 6 जिलों के अनुविभागीय दण्डाधिकारियों (एसडीएम) को निर्देशित करते हुए कहा कि उनके अनुविभाग में जो-जो पटवारी हड़ताल पर गए हैं उन्हें नोटिस जारी कर तत्काल अपने कर्तव्य पर उपस्थित होकर कार्यभार ग्रहण करने तथा संबंधित तहसीलदार के माध्यम से उसी दिन व्यक्तिगत लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित तिथि पर मुख्यालय में उपस्थिति नहीं देने एवं स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं करने पर नियमानुसार एकपक्षीय कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। सूरजपुर जिले के 192, सरगुजा जिले के 216, कोरिया के 50, एमसीबी जिले के के 51, जशपुर जिले के 150 एवं बलरामपुर जिले के 150 पटवारियों को शो-काज नोटिस जारी किया गया है।

बलरामपुर जिले में मुख्यालय में निवास नहीं करने के कारण 5 पटवारियों को निलंबित की कार्यवाही भी की गई है एवं सभी हड़ताल पर गए पटवारियों को निर्देशित किया गया है कि वे तत्काल अपने कार्य पर उपस्थित होकर शासकीय कार्य का संपादन करे। संभागायुक्त नरेन्द्र दुग्गा ने कहा कि सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति अथवा स्वीकृत अवकाश के बिना कर्तव्य से अनुपस्थित रहने के कारण महत्वपूर्ण एवं समयबद्ध शासकीय कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इनमें डिजिटल क्रॉप सर्वे, फिजिकल वेरिफिकेशन, एग्रीस्टैक तथा आगामी धान खरीदी से संबंधित कृषक अभिलेखों का सत्यापन शामिल है।

इसके अलावा आय, जाति एवं निवास प्रमाणपत्रों के लिए आवश्यक जांच प्रतिवेदन, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन और राजस्व न्यायालयीन प्रकरणों सहित अन्य जरूरी कार्यों पर भी असर पड़ रहा है। चक्रवाती तूफान के कारण विभिन्न क्षेत्रों में हुई फसल क्षति का त्वरित सर्वेक्षण, नुकसान का आकलन और पात्रतानुसार राहत संबंधी कार्रवाई प्राथमिकता से की जानी है। पटवारियों की अनुपस्थिति से ये अत्यावश्यक कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं, जिससे किसानों एवं आम नागरिकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। संबंधित पटवारियों से अनधिकृत अनुपस्थिति के लिए अनुशासनात्मक कार्रवाई, अनुपस्थिति अवधि के वेतन एवं अन्य सेवा लाभों के संबंध में नियमानुसार कार्रवाई तथा उक्त अवधि को सेवा में व्यवधान (ब्रेक इन सर्विस) माना जाएगा।

कलेक्टर ने परखी तैयारियां, उल्लास और उमंग से मनेगा 26वां राज्योत्सव

छत्तीसगढ़ी संस्कृति की बिखरेगी छटा, संजय सुरीला के लोकगीतों से सजेगी शाम

विधायक भइयालाल राजवाड़े होंगे मुख्य अतिथि

कलेक्टर रोक्तिमा यादव ने जिलेवासियों से सपरिवार शामिल होने की अपील की

बिलासपुर

कोरिया/ छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर कोरिया जिले में 26वां राज्योत्सव उल्लास और उमंग के साथ मनाया जाएगा। कलेक्टर रोक्तिमा यादव ने आयोजन की तैयारियों की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। सोमवार, 2 नवंबर को बैकुंठपुर स्थित शासकीय आदर्श रामानुज उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के मिनी स्टेडियम में स्थानीय प्रतिभाओं और प्रदेश के कलाकारों की प्रस्तुतियों से सांस्कृतिक संध्या सजेगी।

समारोह के मुख्य अतिथि बैकुंठपुर विधायक भइयालाल राजवाड़े होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में कोरबा सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत, भरतपुर-सोनहत विधायक रेणुका सिंह सहित पंचायत एवं नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधि आमंत्रित हैं।

शाम 4 बजे से स्थानीय कलाकार देंगे प्रस्तुतियां

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शाम 4 बजे से 5:30 बजे तक स्थानीय कलाकार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। शाम 5:30 बजे से 6 बजे तक मुख्य अतिथि का आगमन एवं उद्घाटन कार्यक्रम होगा। इसके बाद शाम 6 बजे से रात 10 बजे तक विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी।

लोकगीत, महारास, मोर नृत्य और पंडवानी होंगे आकर्षण

सांस्कृतिक संध्या में अंबिकापुर के प्रसिद्ध लोकगायक संजय सुरीला छत्तीसगढ़ी लोकगीतों की प्रस्तुति देंगे। रायपुर के किरण शर्मा एंड ग्रुप द्वारा महारास एवं मोर नृत्य और बिलासपुर के वाइब्रेशन डांस स्टूडियो द्वारा वेस्टर्न डांस प्रस्तुत किया जाएगा। नरेन्द्र जलक्षत्रिय एवं शिल्पा सिंह कथक नृत्य की प्रस्तुति देंगे। निनवा के जय दुर्गा पंडवानी दल की पंडवानी तथा रायपुर के सिसौदिया म्यूजिक की सुगम संगीत प्रस्तुति भी कार्यक्रम का आकर्षण होगी।

विभागीय प्रदर्शनियों से मिलेगी योजनाओं की जानकारी

कलेक्टर रोक्तिमा यादव ने बताया कि राज्योत्सव की तैयारियों को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं तथा व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा की जा रही है। आयोजन स्थल पर शासन की महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित विभागीय प्रदर्शनियां भी लगाई जाएंगी। इनके माध्यम से नागरिकों को योजनाओं, उपलब्धियों और उनका लाभ प्राप्त करने के संबंध में जानकारी मिलेगी।

कलेक्टर रोक्तिमा यादव ने जिलेवासियों से सपरिवार राज्योत्सव में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने नागरिकों से छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत के इस उत्सव में सहभागी बनने तथा स्थानीय प्रतिभाओं और कलाकारों का उत्साहवर्धन करने का आग्रह किया है।

मीडिया कर्मियों के लिए स्वास्थ्य एवं दुर्घटना बीमा सुरक्षा योजना

योजना के प्रारूप पर आज से सुझाव आमंत्रित

एक से 30 नवंबर तक ईमेल से भेज सकेंगे सुझाव

बिलासपुर

छत्तीसगढ़ में कार्यरत मीडिया कर्मियों को स्वास्थ्य एवं दुर्घटना बीमा सुरक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य शासन ने पहल की है। इसके लिए 'छत्तीसगढ़ मीडिया कर्मी स्वास्थ्य एवं दुर्घटना समूह बीमा योजना@2026' का प्रारूप तैयार किया गया है। योजना के प्रारूप और उसके क्रियान्वयन के संबंध में एक से 30 नवंबर 2026 तक सुझाव आमंत्रित किए जा रहे हैं।

तैयार प्रारूप को जनसंपर्क विभाग की वेबसाइट www .dprcg.gov.in पर प्रकाशित कर सुझाव लिया जा रहा है। मीडियाकर्मी योजना के प्रारूप और इसके क्रियान्वयन के संबंध में अपने सुझाव ईमेल chhattisgarhmediakarmi@gmail.com पर भेज सकते हैं। सुझाव भेजने के लिए एक माह की अवधि प्रस्तावित की गई है।

विद्युत कंपनियों के पेंशनर्स और कार्मिकों को दीपावली का तोहफा: ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

महंगाई राहत और महंगाई भत्ते में वृद्धि के आदेश जारी--

बिलासपुर

जबलपुर । ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने प्रदेश की विद्युत कंपनियों के पेंशनर्स एवं पारिवारिक पेंशनधारकों को दीपावली पर्व पर तोहफा देते हुए पुनरीक्षित महंगाई राहत (डीआर) के आदेश जारी कर दिए हैं। अब पेंशनर्स को छठवें वेतनमान में 5 प्रतिशत तथा सातवें वेतनमान के अनुसार 2 प्रतिशत महंगाई राहत की वृद्धि का लाभ मिलेगा। इसी तरह वर्तमान कार्मिकों के महंगाई भत्ते में भी 2 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।

-59000 पेंशनर्स एवं पारिवारिक पेंशनधारकों को मिलेगा लाभ--

एमपी ट्रांसको के मानव संसाधन एवं प्रशासन विभाग के अधीक्षण अभियंता राजेश शर्मा ने बताया कि यह आदेश मध्यप्रदेश शासन के ज्ञाप मांक एफआईएन/4/0009/2025/नियम-चार, दिनांक 30.10.2026 के अनुसार जारी किए गए हैं, जो 1 जुलाई 2026 (भुगतान अगस्त 2026) से प्रभावी होंगे। इस महंगाई राहत वृद्धि से प्रदेश के लगभग 59000 विद्युत पेंशनर्स एवं पारिवारिक पेंशनधारकों को लाभ मिलेगा। आदेश के अनुसार मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी, मध्यप्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी तथा मध्यप्रदेश राज्य विद्युत मंडल से 1 जून 2005 के पूर्व सेवानिवृत्त पेंशनर्स एवं पारिवारिक पेंशनधारकों को छठवें वेतनमान के अनुसार 262 प्रतिशत एवं सातवें वेतनमान के अनुसार 60 प्रतिशत महंगाई राहत प्रदान की जाएगी। यह आदेश 80 वर्ष अथवा उससे अधिक आयु के पेंशनर्स को देय अतिरिक्त पेंशन पर भी लागू होगा। महंगाई राहत की गणना पेंशन के उस मूल अंश पर की जाएगी, जो समर्पण (कम्यूटेशन) से पूर्व निर्धारित किया गया था।

--कार्मिकों को 1 जनवरी 2026 से मिलेगा 60 प्रतिशत महंगाई भत्ता-- अक्टूबर माह का हुआ भुगतान

राजेश शर्मा ने बताया कि ट्रांसमिशन कंपनी में कार्यरत कार्मिकों को सातवें वेतनमान में 2 प्रतिशत अतिरिक्त महंगाई भत्ता देने के आदेश 31 अक्टूबर को जारी किए गए हैं। इसके अनुसार कार्मिकों को 1 जनवरी 2026 से मूल वेतन पर कुल 60 प्रतिशत महंगाई भत्ता देय होगा। बढ़े हुए 2 प्रतिशत महंगाई भत्ते का भुगतान अक्टूबर 2026 के वेतन के साथ कर दिया गया है। वहीं, 1 जनवरी 2026 से 30 सितंबर 2026 तक की एरियर राशि का भुगतान तीन समान किश्तों में मशः नवंबर एवं दिसंबर 2026 तथा जनवरी 2027 के वेतन के साथ किया जाएगा। इस अवधि में सेवानिवृत्त या मृत कार्मिकों के प्रकरण में उन्हें अथवा नामांकित सदस्य को एरियर राशि का भुगतान एकमुश्त किया जाएगा।

शहडोल संभाग में पहली बार तुर्रा धाम में महर्षि वाल्मीकि जयंती का ऐतिहासिक आयोजन, सुंदरकांड पाठ व विशाल भंडारे में उमड़ा जनसैलाब

बिलासपुर

शहडोल - शहडोल संभाग के इतिहास में पहली बार महर्षि वाल्मीकि जयंती का इतना वृहद, भव्य और सामाजिक समरसता से परिपूर्ण आयोजन देखने को मिला। 31 अक्टूबर 2026 को अनूपपुर जिले के रामनगरङ्कडोला स्थित प्रसिद्ध तुर्रा धाम में महर्षि वाल्मीकि युवा सेवा समिति, अनूपपुर के तत्वावधान में ऐतिहासिक धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम संपन्न हुआ। पूरे संभाग में अपनी तरह के इस अनूठे व प्रथम बड़े आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं, युवाओं एवं गणमान्य नागरिकों में खासा उत्साह देखा गया।

कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ आदि कवि भगवान महर्षि वाल्मीकि जी के पूजन-अर्चन और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद भव्य सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने पूरे भक्तिभाव के साथ संगीतमय भजनों पर आहुति दी। पाठ के उपरांत विशाल भंडारे और महाप्रसाद वितरण का आयोजन हुआ, जिसमें पूरे क्षेत्र से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

विशिष्ट अतिथियों की रही गरिमामयी उपस्थिति

इस ऐतिहासिक अवसर पर मुख्य रूप से महर्षि वाल्मीकि युवा सेवा समिति के जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र नाहर, भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष प्रेम चंद्र यादव, तुर्रा धाम समिति के अध्यक्ष विनोद तिवारी तथा रामनगर थाना प्रभारी सुमित कौशिक सहित क्षेत्र के कई वरिष्ठ समाजसेवी व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अतिथियों ने संभाग स्तर पर इस तरह की ऐतिहासिक शुरुआत के लिए आयोजकों की सराहना की।

युवाओं ने संभाली व्यवस्था की कमान

संभाग में पहली बार आयोजित इस महाआयोजन को सफल बनाने में वाल्मीकि समाज के युवाओं ने अग्रणी भूमिका निभाई। आयोजन व्यवस्थाओं में अनुज नाहर, अनिल खरारे, सागर, सूरज सनकत, बृजेश, सूरज, राहुल, विक्रम, राजेश कलसा एवं विष्णु खरारे सहित समाज के युवा कार्यकर्ताओं ने दिन-रात एक कर सराहनीय योगदान दिया।

सामाजिक समरसता और शिक्षा पर बल

समारोह के दौरान वक्ताओं ने महर्षि वाल्मीकि जी के जीवन दर्शन, रामायण कालीन आदर्शों और उनके सामाजिक समरसता के संदेशों पर प्रकाश डाला। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि शहडोल संभाग में यह पहली बार है जब वाल्मीकि जयंती को इतने व्यापक पैमाने पर जन-उत्सव के रूप में मनाया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य समाज में शिक्षा, आपसी भाईचारा, समरसता और एकजुटता को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम का समापन महाप्रसाद वितरण और संभाग भर में सामाजिक एकता व सद्भाव बनाए रखने के संकल्प के साथ हुआ।

मेक्सिको सिटी ग्रां प्री, 0.009 सेकंड से चूके रसेल, पियास्त्री को बड़ा झटका

ब्रिटिश ड्राइवर लुईस हैमिल्टन ने फिर दिखाया जलवा, तीन साल का सूखा खत्म

मेक्सिको सिटी, एजेंसी

फॉर्मूला-1 के दिग्गज ब्रिटिश ड्राइवर लुईस हैमिल्टन ने आखिरकार तीन साल का इंतजार खत्म कर दिया। उन्होंने मेक्सिको सिटी ग्रां प्री की क्वालीफाइंग में शानदार प्रदर्शन करते हुए पोल पोजीशन पर कब्जा जमा लिया। आखिरी प्रयास में निकाली गई उनकी जबरदस्त लैप ने मुकाबले का रुख बदल दिया। हैमिल्टन ने मर्सिडीज के जॉर्ज रसेल को महज 0.009 सेकंड के बेहद मामूली अंतर से पछाड़ दिया। यह उनके एफ1 करियर की 105वीं पोल पोजीशन है।

पोल पोजीशन के लिए आखिरी क्षणों तक जबरदस्त टक्कर देखने को मिली। हैमिल्टन ने अपने अंतिम प्रयास में एक मिनट 16.514 सेकंड का समय निकालकर सबसे तेज लैप पूरी की। रसेल भी शानदार लय में थे, लेकिन कुछ हजारवें सेकंड के अंतर से शीर्ष स्थान हासिल करने से चूक गए। इस क्वालीफाइंग में शीर्ष पांच ड्राइवरों के बीच 0.2 सेकंड से भी कम का अंतर रहा, जिसने मुकाबले को बेहद रोमांचक बना दिया।

हैमिल्टन ने अपने अनुभव और रफ्तार का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए दबाव के बीच शानदार प्रदर्शन किया। लंबे समय बाद पोल पोजीशन हासिल करना उनके लिए बड़ी उपलब्धि है। रसेल दूसरे स्थान पर रहे, जबकि फेरारी के चार्ल्स लेक्लेर ने तीसरा स्थान हासिल किया। रेड बुल के मैक्स वेरस्टैपेन चौथे स्थान पर रहे। अपने आखिरी लैप में वह कार पर नियंत्रण खो बैठे, जिसका असर उनकी स्थिति पर पड़ा। चैंपियनशिप की दौड़ में आगे चल रहे किमी एंटोनेली पांचवें स्थान पर रहे। शीर्ष पांच के बीच बेहद कम अंतर ने मुख्य रेस को लेकर रोमांच बढ़ा दिया है।

पियास्त्री के लिए क्वालीफाइंग बना बुरा सपना

क्वालीफाइंग का सबसे बड़ा उलटफेर मैकलारेन के ऑस्कर पियास्त्री के बाहर होने के रूप में सामने आया। अभ्यास सत्रों में अच्छी रफ्तार दिखाने वाली मैकलारेन की कार क्यू2 में उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। पियास्त्री अपने अंतिम लैप में भी जरूरी गति हासिल नहीं कर पाए और 13वें स्थान पर रहे। उनसे आगे ऑडी के निको हुल्केनबर्ग 11वें और अल्पाइन के फ्रेंको कोलपिंटो 12वें स्थान पर रहे। मैकलारेन के लैंडो नॉरिस भी शीर्ष पांच में जगह नहीं बना सके और छठे स्थान पर रहे। इसाक हजार सातवें स्थान पर रहे।

लॉसन को झटका, लिंडब्लाड को मिला फायदा

रेसिंग बुल्स के लियाम लॉसन ने आठवां स्थान हासिल किया था, लेकिन एफपी2 में वेरस्टैपेन के साथ हुई घटना के कारण उन्हें एक स्थान का नुकसान उठाना पड़ेगा। वेरस्टैपेन पर भी इसी तरह का दंड लगाया गया है। इसके चलते लॉसन नौवें स्थान पर खिसकेंगे और उनके टीम साथी आर्विड लिंडब्लाड आठवें स्थान पर पहुंच जाएंगे। अल्पाइन के पियरे गैस्ली को भी इसका फायदा मिलेगा और वह शीर्ष 10 में शामिल हो जाएंगे। ऑडी के गैब्रियल बोर्टोलेतो 14वें स्थान पर रहे। उनके बाद ऑली बेयरमैन और कार्लोस सैंज का नंबर आया। सैंज ने इस सत्र में 14वीं बार अपने विलियम्स टीम साथी एलेक्जेंडर एल्बोन से बेहतर क्वालीफाइंग प्रदर्शन किया। एल्बोन 17वें स्थान पर रहे।

पूर्व कप्तान की दोटूक सलाह

बाबर को पाकिस्तान में खेलने से रोकें, ऑस्ट्रेलिया भेजें...

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम की लगातार खराब होती फॉर्म ने उनके करियर को लेकर नई बहस छेड़ दी है। अब पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मोहम्मद यूसुफ ने बाबर को एक ऐसी सलाह दी है, जिस पर पाकिस्तान क्रिकेट में चर्चा तेज हो सकती है। यूसुफ का मानना है कि बाबर को फिलहाल घरेलू क्रिकेट खेलने के बजाय ऑस्ट्रेलिया या दक्षिण अफ्रीका जाकर अपनी बल्लेबाजी की तकनीक सुधारनी चाहिए। उन्होंने चेताया कि तकनीकी खामियां दूर किए बिना घरेलू क्रिकेट में संघर्ष करना बाबर के आत्मविश्वास को और कमजोर कर सकता है। बाबर की बल्लेबाजी पर सवाल श्रीलंका के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल के बाद एक बार फिर उठे। शनिवार को खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान ने खिताब अपने नाम किया, लेकिन लक्ष्य का पीछा करते हुए बाबर बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। उनके प्रदर्शन ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया कि आखिर वह अपनी पुरानी लय में कब लौटेंगे। मोहम्मद यूसुफ ने रविवार को सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि बाबर को कुछ समय के लिए पाकिस्तान से बाहर जाकर सिर्फ अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान देना चाहिए। उनके मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया या दक्षिण अफ्रीका की परिस्थितियों में अभ्यास और विशेषज्ञों से मार्गदर्शन बाबर के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

चार साल पहले भी दी थी सलाह, किसी ने नहीं सुनी | यूसुफ ने बाबर के इंग्लैंड या ऑस्ट्रेलिया की किसी क्रिकेट अकादमी में विशेषज्ञ कोचिंग लेने की पैरवी की है। उन्होंने कहा कि बाबर अब भी पाकिस्तान के शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल हैं और सही मार्गदर्शन मिलने पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकते हैं। यूसुफ ने यह भी याद दिलाया कि उन्होंने चार साल पहले भी बाबर को ऐसी सलाह दी थी, लेकिन उस समय उनकी बात पर ध्यान नहीं दिया गया।

---

19 मैचों में 23 की औसत से रन बना रहे सैमसन, सोशल मीडिया पर उठे सवाल

बेंच पर बैठे वैभव कब तक देखेंगे संजू का फ्लॉप शो? टीम मैनेजमेंट पर फिर सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम अभी शुरुआती झटकों से उबर भी नहीं पाई थी कि तेज गेंदबाज एडम मिल्ने ने एक और बड़ा हमला कर दिया। मिल्ने ने अपने ओवर की पहली गेंद पर विकेट लेने का सिलसिला जारी रखते हुए संजू सैमसन को पवेलियन का रास्ता दिखा दिया। संजू महज 10 गेंदों का सामना कर चार रन बनाकर आउट हो गए। माइकल ब्रेसवेल ने उनका कैच लपका। इससे पहले मिल्ने अपने स्पेल के पहले ओवर की पहली ही गेंद पर अभिषेक शर्मा को भी एक रन के निजी स्कोर पर आउट कर चुके थे।

संजू के इस तरह सस्ते में आउट होने के बाद सोशल मीडिया पर भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों का गुस्सा फूट पड़ा। फैन्स ने उनके प्रदर्शन पर सवाल उठाने के साथ ही टीम प्रबंधन के फैसलों को भी निशाने पर लिया। सबसे ज्यादा चर्चा युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लेकर हो रही है, जिन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली है। प्रशंसकों का मानना है कि लगातार मौके मिलने के बावजूद संजू उम्मीदों पर खरे नहीं उतर रहे हैं, जबकि वैभव जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी को बाहर बैठाना समझ से परे है।

पांच में एक अच्छी पारी, बाकी में निराशा

संजू सैमसन के प्रदर्शन को लेकर सोशल मीडिया पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। प्रशंसकों का कहना है कि उनके बल्ले से कभी-कभार बड़ी पारी जरूर निकलती है, लेकिन निरंतरता की कमी टीम के लिए परेशानी बन रही है। पांच मुकाबलों में एक अच्छी पारी खेलने के बाद बाकी मैचों में उनका जल्दी आउट होना चिंता का विषय बन गया है। टी20 क्रिकेट में जहां हर गेंद और हर रन की अहमियत होती है, वहां शीर्ष क्रम के बल्लेबाज से लगातार अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद की जाती है। संजू को मिले अवसरों के बावजूद उनका बल्ला अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पा रहा है। यही वजह है कि अब उनके चयन को लेकर भी बहस तेज हो गई है।

विश्व कप फाइनल के बाद आंकड़ों ने बढ़ाई चिंता

साल 2026 के टी20 विश्व कप फाइनल के बाद से संजू सैमसन का प्रदर्शन भी उनके आलोचकों के निशाने पर है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, इस मुकाबले से पहले के 19 मैचों में उन्होंने 23 की औसत से रन बनाए हैं। यह आंकड़ा उनकी मौजूदा फॉर्म पर सवाल खड़े करता है। आलोचकों का मानना है कि संजू में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में वह नाकाम रहे हैं। खासकर गेंद के मूवमेंट के सामने उनकी बल्लेबाजी तकनीक को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। तेज गेंदबाजों के खिलाफ शुरुआती ओवरों में उनका विकेट गंवाना टीम की मुश्किलें बढ़ा रहा है।

वैभव को बाहर बैठाने पर टीम प्रबंधन निशाने पर

संजू के लगातार निराशाजनक प्रदर्शन के बीच वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिलने से प्रशंसकों की नाराजगी और बढ़ गई है। सोशल मीडिया पर कई प्रशंसक सवाल उठा रहे हैं कि आखिर वैभव को कब तक बाहर बैठाया जाएगा। उनका कहना है कि युवा बल्लेबाज को मौका देकर उसकी क्षमता परखनी चाहिए। वैभव ने कम उम्र में ही अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से क्रिकेट जगत का ध्यान खींचा है। फ्रेंचाइजी क्रिकेट में उनके प्रदर्शन और भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए प्रशंसक उन्हें भारतीय टीम में भी खेलते देखना चाहते हैं।

मीम्स के जरिए भी निकाली नाराजगी

संजू के आउट होते ही सोशल मीडिया पर मीम्स की बाढ़ आ गई। कुछ प्रशंसकों ने टीम प्रबंधन के चयन संबंधी फैसलों पर तंज कसा, तो कुछ ने वैभव को मौका नहीं देने को युवा प्रतिभा के साथ अन्याय बताया। प्रशंसकों का तर्क है कि जब संजू लगातार मौके मिलने के बावजूद रन नहीं बना पा रहे हैं, तो वैभव को आजमाने में क्या परेशानी है?अब सवाल यह है कि क्या टीम प्रबंधन संजू के मौजूदा प्रदर्शन को देखते हुए कोई बदलाव करेगा या उन्हें एक और मौका दिया जाएगा?

अब भुवनेश्वर की जगह पर संकट!

आईपीएल में मचाया था तहलका, टीम इंडिया में लौटते ही हुए बेअसर...

हैमिल्टन, एजेंसी

न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज भारतीय टीम ने 3-2 से जीत ली, लेकिन आखिरी मुकाबले में मिली सात विकेट की हार ने टीम प्रबंधन के सामने कुछ सवाल खड़े कर दिए हैं। इनमें सबसे बड़ा सवाल अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को लेकर है। आईपीएल 2026 में अपनी गेंदबाजी से बल्लेबाजों के छक्के छुड़ाने वाले भुवनेश्वर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके। अब दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ होने वाली टी-20 सीरीज के लिए उनकी टीम में जगह को लेकर संशय पैदा हो गया है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का आखिरी मुकाबला एक नवंबर को हैमिल्टन में खेला गया, जिसमें मेजबान टीम ने सात विकेट से जीत दर्ज की। हालांकि, भारतीय टीम ने शुरुआती मुकाबलों में दमदार प्रदर्शन करते हुए सीरीज अपने नाम कर ली। अब भारतीय खिलाड़ियों को टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से कुछ समय का विश्राम मिलेगा। टीम की अगली भिड़ंत दिसंबर में श्रीलंका से होगी।

16 ओवर में दिए 180 रन, मिला सिर्फ एक विकेट

36 वर्षीय भुवनेश्वर कुमार का न्यूजीलैंड के खिलाफ प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। उन्होंने पूरी सीरीज में 16 ओवर गेंदबाजी की और सिर्फ एक विकेट हासिल कर सके। इस दौरान उन्होंने 180 रन खर्च किए। उनका गेंदबाजी औसत 180 और रन देने की दर 11.25 रही। भुवनेश्वर की गेंदबाजी में सबसे ज्यादा परेशानी बीच के ओवरों में दिखाई दी। पहले ओवर में उन्होंने 5.25 रन प्रति ओवर दिए, लेकिन दूसरे ओवर में यह आंकड़ा 11.25 तक पहुंच गया। तीसरे ओवर में तो उन्होंने 15.75 रन खर्च कर दिए। चौथे ओवर में भी उनकी रन देने की दर 12.75 रही।

अफगानिस्तान ने जिम्बाब्वे को 7 विकेट से हराया

8.1 ओवर में 80 रन का टारगेट हासिल किया; नूर अहमद ने झटके 5 विकेट

एजेंसी शारजाह

अफगानिस्तान ने शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए तीसरे टी-20 में जिम्बाब्वे को 7 विकेट से हरा दिया। जिम्बाब्वे की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 14.3 ओवर में सिर्फ 79 रन पर सिमट गई।

जवाब में अफगानिस्तान ने 80 रन का लक्ष्य 8.1 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया। स्पिनर नूर अहमद ने 3.3 ओवर में 13 रन देकर 5 विकेट लिए।

जिम्बाब्वे की शुरुआत खराब

टॉस जीतकर अफगानिस्तान ने पहले गेंदबाजी चुनी। पहले ओवर में फजलहक फारूकी ने इनोसेंट काइया को आउट किया। काइया 4 गेंदों पर 5 रन बनाकर नूर उल रहमान को कैच दे बैठे।

इसके बाद अजमतुल्लाह उमरजई ने ब्रायन बेनेट को पवेलियन भेज दिया। बेनेट 3 गेंदों पर 2 रन ही बना सके। इस तरह जिम्बाब्वे ने 8 रन पर दो विकेट गंवा दिए।

कप्तान सिकंदर रजा भी ज्यादा देर नहीं टिक सके। वह 8 गेंदों पर 2 रन बनाकर अब्दुल्लाह तराखैल की गेंद पर इब्राहिम जादरान को कैच दे बैठे। 13 रन तक टीम के तीन बल्लेबाज आउट हो चुके थे।

रयान बर्ल ने संभाली पारी, लेकिन दूसरे छोर से विकेट गिरते रहे

शुरुआती झटकों के बाद रयान बर्ल ने पारी को संभालने की कोशिश की। उन्होंने 29 गेंदों पर 30 रन बनाए। इस दौरान 5 चौके लगाए। वेस्ली मधेवेरे ने भी 17 गेंदों पर 10 रन का योगदान दिया।

दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 43 रन की साझेदारी हुई। यह जिम्बाब्वे की पारी की सबसे बड़ी साझेदारी रही। लेकिन 56 रन के स्कोर पर बर्ल रन आउट हो गए। उन्हें अब्दुल्लाह अहमदजई ने पवेलियन भेजा।

नूर अहमद ने 5 विकेट लेकर जिम्बाब्वे की पारी समेटी

अफगानिस्तान के स्पिनर नूर अहमद ने वेस्ली मधेवेरे, तदिवानाशे मारुमानी, तफाजवा त्सिगा, न्यूमैन न्यामहुरी और अर्नेस्ट मसुकू को आउट किया। अब्दुल्लाह तराखैल ने 2 विकेट लिए। अजमतुल्लाह उमरजई, फजलहक फारूकी और अब्दुल्लाह अहमदजई को एक-एक सफलता मिली।

लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान ने भी शुरुआती विकेट गंवाए

80 रन का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत तेज रही। मोहम्मद अकरम ने पहले ओवर में लगातार तीन चौके लगाए। हालांकि, ब्लेसिंग मुजरबानी ने उन्हें चौथी गेंद पर आउट कर दिया। अकरम ने 5 गेंदों पर 14 रन बनाए।

इसके बाद सेदीकुल्लाह अटल ने इब्राहिम जादरान के साथ पारी आगे बढ़ाई। अटल ने 14 गेंदों पर 20 रन बनाए, जिसमें 2 चौके और एक छक्का शामिल था। वह अर्नेस्ट मसुकू की गेंद पर वेस्ली मधेवेरे को कैच दे बैठे।

मसुकू ने इसी ओवर में नूर उल रहमान को रन आउट कर दिया। नूर खाता नहीं खोल सके। इस तरह अफगानिस्तान ने 44 रन पर तीसरा विकेट गंवा दिया।

इब्राहिम और उमरजई ने 19 गेंदों में 37 रन जोड़कर मैच खत्म किया

तीन विकेट गिरने के बाद भी अफगानिस्तान को जीत के लिए सिर्फ 36 रन की जरूरत थी। इब्राहिम जादरान और अजमतुल्लाह उमरजई ने बिना दबाव के बल्लेबाजी की। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 19 गेंदों पर 37 रन की नाबाद साझेदारी की।

इब्राहिम ने 17 गेंदों पर नाबाद 25 रन बनाए। उनकी पारी में 4 चौके शामिल रहे। उमरजई ने 12 गेंदों पर नाबाद 18 रन बनाए और 2 छक्के लगाए। आठवें ओवर की पहली गेंद पर उमरजई ने विन्सेंट मासेकेसा की गेंद को वाइड लॉन्ग ऑन के ऊपर छक्के के लिए भेजा। इसी के साथ अफगानिस्तान ने 8.1 ओवर में 81/3 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया।

न्यूजीलैंड ने भारत को 7 विकेट से हराया, साइफर्ट ने 93 रन बनाए

भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवां टी-20 मुकाबला 7 विकेट से हार गई है। हालांकि टीम इंडिया ने सीरीज 3-2 से अपने नाम की। हैमिल्टन में कीवी टीम ने 192 रन का टारगेट 3 विकेट खोकर 18 ओवर में चेज कर लिया।

न्यूजीलैंड के मार्क चैपमैन, रचिन रवींद्र वनडे सीरीज से बाहर

चोट से ठीक नहीं हो सके, 4 नवंबर से शुरू होगी पांच मैचों की सीरीज

एजेंसी मीरपुर

न्यूजीलैंड के मार्क चैपमैन और रचिन रवींद्र भारत के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने बताया कि दोनों खिलाड़ी चोटों से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। चैपमैन बाएं हैमस्ट्रिंग की चोट से जूझ रहे हैं। जबकि प्रमोशनल शूट के दौरान रचिन रवींद्र का दायां कंधा डिसलोकेट हो गया था। भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज 4 नवंबर से ऑकलैंड में शुरू होगी।

कोच बोले- टेस्ट सीरीज से पहले जोखिम नहीं ले सकते

मुख्य कोच रॉब वॉल्टर ने कहा, 'हर कोई जानता है कि मार्क और रचिन इस टीम के लिए कितने अहम हैं। उनका इस सीरीज में नहीं खेलना दुखद है।'

उन्होंने कहा, 'मैं पिछले हफ्ते मार्क से मिला था। वह निराश हैं, लेकिन मैदान पर लौटने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।' रॉब वॉल्टर ने कहा, 'रचिन का कंधा अभी उस स्थिति में पूरी तरह नहीं आया है, जिसमें वह सफेद गेंद की क्रिकेट में आराम से फील्डिंग कर सकें।'

उन्होंने कहा, 'इस महीने के आखिर में टेस्ट सीरीज भी है। इसलिए हम कोई अनावश्यक जोखिम नहीं लेना चाहते।'

न्यूजीलैंड टीम में बदलाव किए, निकोल्स-फॉक्स ॉप्ट को बुलायाविकेटकीपर बल्लेबाज टिम सीफर्ट को पहले तीन के लिए टीम में शामिल किया गया है। उन्हें सीरीज के आखिरी दो मैचों के लिए पहले ही चुना गया था। बाएं हाथ के बल्लेबाज हेनरी निकोल्स और ऑलराउंडर डीन फॉक्स ॉप्ट को भी टीम में बुलाया गया है। निकोल्स पहले तीन के लिए टीम में रहेंगे। फॉक्स ॉप्ट आखिरी दो मैचों के लिए टीम से जुड़ेंगे।

मैट फिशिर शुरुआती 3 वनडे के लिए टीम

तेज गेंदबाज मैट फिशर भी पहले तीन मैचों के लिए टीम में शामिल किए गए हैं। उन्हें शुरुआत में केवल आखिरी दो मैचों के लिए चुना गया था। मैट हेनरी दाएं क्वाड्रिसेप में मामूली चोट के कारण आखिरी तीन नहीं खेल पाए थे। वह सोमवार, 2 नवंबर को टीम से जुड़ेंगे। उनकी खेलने की तैयारी का आकलन किया जाएगा। भारत के खिलाफ पहले तीन के लिए न्यूजीलैंड टीम मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, मैट फिशर, हेनरी, काइल जेमीसन, टॉम लैथम (विकेटकीपर), डैरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, ग्लेन फिलिप्स, टिम सीफर्ट, नाथन स्मिथ, विल यंग और ब्लेयर टिकनर।

बीबीएमकेयू में आजसू छात्र संघ का हल्ला बोल अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे कार्यकर्ता

विश्वविद्यालय प्रशासन पर वित्तीय अनियमितताओं और पारदर्शिता की कमी के गंभीर आरोप

▶▶प्रमुख माँगे: पीएचडी प्रवेश परीक्षा का नोटिफिकेशन जारी करने और आउटसोर्सिंग टेंडर (निविदा) को रद्द करने की मांग।

रफ्तार मीडिया संवाददाता

धनबाद : बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय (बीबीएमकेयू) में प्रशासनिक नीतियों और कथित वित्तीय अनियमितताओं को लेकर आजसू छात्र संघ ने मोर्चा खोल दिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन की कार्यशैली के विरोध में सोमवार को आजसू छात्र संघ के कार्यकर्ता मुख्य प्रवेश द्वार पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठ गए। आंदोलनकारियों ने पीएचडी प्रवेश परीक्षा का नोटिफिकेशन जारी करने, आउटसोर्सिंग निविदा प्रक्रिया में पारदर्शिता बरतने और विभिन्न मांगों पर लिखित जवाब देने की मांग की है। आजसू छात्र संघ ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि विश्वविद्यालय में छात्रों के हितों की लगातार अनदेखी की जा रही है और कई मामलों में पारदर्शिता नहीं बरती जा रही है। इसी के विरोध में छात्र संघ ने मुख्य प्रवेश द्वार पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की है। आजसू के प्रदेश महासचिव विशाल महतो ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय में विभिन्न स्तरों पर वित्तीय गड़बड़ियां हो रही हैं। उन्होंने कहा कि पीएचडी प्रवेश परीक्षा का नोटिफिकेशन अब तक जारी नहीं होने से अभ्यर्थियों को भारी परेशानी हो रही है। वहीं, सीनेट की बैठक और दीक्षांत समारोह आयोजित करने को लेकर दिए गए आवेदनों पर भी विश्वविद्यालय प्रशासन ने अब तक कोई लिखित जवाब नहीं दिया है।

आउटसोर्सिंग निविदा और अन्य मांगे

आउटसोर्सिंग निविदा प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए आजसू छात्र संघ ने पूर्व में जारी टेंडर को तत्काल रद्द करने की मांग की है। संघ का कहना है कि झारखंड सरकार की निर्धारित न्यूनतम मजदूरी और संशोधित दरों के आधार पर नई निविदा आमंत्रित की जानी चाहिए। साथ ही, सरकारी प्रावधानों के अनुरूप पात्र एमएसएमई इकाइयों और श्रम सहकारी समितियों को टर्नओवर, कार्यानुभव और अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट (ईएमडी) में नियमानुसार छूट देने की मांग की गई है। आजसू छात्र संघ ने साफ कर दिया है कि अब केवल मौखिक आश्वासनों से काम नहीं चलेगा। विश्वविद्यालय प्रशासन को सभी मांगों पर ठोस निर्णय लेते हुए लिखित जवाब देना होगा। संघ ने चेतावनी दी है कि जब तक मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं होती, तब तक यह अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल जारी रहेगी। फिलहाल, आजसू छात्र संघ ने अपना आंदोलन जारी रखने का ऐलान किया है। अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि विश्वविद्यालय प्रशासन इन गंभीर मांगों पर क्या रुख अपनाता है और छात्रों की समस्याओं के समाधान के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं।

समाचार सार

समावेशी शिक्षा की ओर कदम: डॉ. नागेन्द्र सिन्हा विद्यालय में लैंगिक समानता और जागरूकता कार्यक्रम

मिहिजाम (रफ्तार मीडिया संवाददाता): मिहिजाम थाना अंतर्गत स्थानीय डॉ. नागेन्द्र सिन्हा विद्यालय में सोमवार को समानता, सम्मान और सामाजिक संवेदनशीलता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण जागरूकता एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जामताड़ा उपायुक्त आलोक कुमार और जिला शिक्षा अधीक्षक विकेश कुणाल प्रजापति के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य फोकस ट्रांसजेंडर विद्यार्थियों के अधिकारों, सम्मान और उन्हें शिक्षा में समान अवसर दिलाना रहा। प्राचार्या चंदा मिश्रा और विद्यालय सचिव नंदलाल शर्मा की उपस्थिति में आयोजित इस आयोजन के दौरान शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर को पूरी तरह भेदभावमुक्त बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान यह स्पष्ट किया गया कि किसी भी विद्यार्थी की लैंगिक पहचान उसकी शिक्षा के आड़े नहीं आनी चाहिए, बल्कि हर बच्चे को सुरक्षित, संवेदनशील और सम्मानजनक शैक्षणिक माहौल मिलना चाहिए। कार्यक्रम में मानसिक एवं शारीरिक उत्पीड़न पर रोक लगाने, विद्यार्थियों की निजता सुनिश्चित करने और उनकी आवश्यकताओं के अनुकूल सुविधाएं प्रदान करने की प्रतिबद्धता भी दोहराई गई, जिससे क्षेत्र में समावेशी शिक्षा का एक बेहतरीन संदेश गया है।

विकास की राह पर कल्याणग्राम: 32 लाख की लागत से साढ़े तीन किलोमीटर सड़क का कायाकल्प शुरू

मिहिजाम (रफ्तार मीडिया संवाददाता): रूपनारायणपुर फाड़ी अंतर्गत कल्याणग्राम-1 नंबर क्षेत्र से कुसुमकनाली मोड़ तक करीब साढ़े तीन किलोमीटर लंबी जर्जर सड़क के नवीनीकरण का कार्य सोमवार सुबह से आखिरकार शुरू हो गया है, जिससे लंबे समय से परेशान स्थानीय ग्रामीणों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। दुर्गापूजा से ठीक पहले बाराबनी विधायक अरिजीत राय द्वारा इस बहुप्रतीक्षित सड़क के मरम्मत कार्य का औपचारिक शुभारंभ किया गया था, जिसके तहत अब लोअर केशिया के समीप जल टंकी मोड़ से पांच नंबर दुर्गा मंदिर तक सड़क की पूर्ण मरम्मत और शेष हिस्से में पैचवर्क का काम युद्धस्तर पर जारी है। भाजपा नेत्री यमुना समाद्दार खुद मौके पर मौजूद रहकर पूरे निर्माण कार्य की बारीकी से निगरानी कर रही हैं ताकि कार्य की गुणवत्ता और पारदर्शिता से कोई समझौता न हो। लगभग 32 लाख रुपये की लागत से बनने वाली इस सड़क को अधिक टिकाऊ और मजबूत बनाने के लिए दोहरी परत में पिच और गिट्टी बिछाई जा रही है। नेत्री यमुना समाद्दार ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समयसीमा के भीतर उच्च मानकों के साथ काम पूरा किया जा रहा है, जिससे क्षेत्रवासियों को आवागमन में लंबे समय तक स्थायी राहत मिल सकेगी।

तरहसी में ग्लोबल फिटनेस क्लब की शुरूआत, युवाओं को मिलेगी बेहतर फिटनेस की सुविधा

तरहसी (रफ्तार मीडिया संवाददाता): पलामू जिले के तरहसी प्रखंड में युवाओं को फिटनेस के प्रति जागरूक करने और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ग्लोबल फिटनेस क्लब की शुरूआत की गई है। क्लब का संचालन तरहसी स्थित बेदानी चौक के समीप किया गया है। ग्लोबल फिटनेस क्लब में लोगों को शारीरिक व्यायाम, बॉडी बिल्डिंग और फिटनेस से जुड़ी गतिविधियों के लिए बेहतर माहौल उपलब्ध उम्मीद है। क्लब के संचालक इरशाद और एजाज हैं। क्लब के माध्यम से युवाओं को नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया जा रहा है।

रेम्बा का ऐतिहासिक बाबाजी पोखर बदहाली का शिकार, गंदे पानी में छठ करने को मजबूर होंगे व्रती

रेम्बा /गिरिडीह(रफ्तार मीडिया संवाददाता)। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की तैयारियों के बीच रेम्बा का ऐतिहासिक बाबाजी पोखर अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। रेम्बा बाजार का एकमात्र प्रमुख छठ घाट आज बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। तालाब की स्थिति इतनी दयनीय हो चुकी है कि उसका स्वच्छ जल अब कीचड़ और गंदगी में तब्दील हो गया है। ऐसे में छठ व्रतियों को दूषित पानी में ही भगवान भास्कर को अर्घ्य देने की चिंता सता रही है। ग्रामीणों का कहना है कि बाबाजी पोखर कभी क्षेत्र की ऐतिहासिक धरोहर हुआ करता था। एक समय इस तालाब से सरकार को लाखों रुपये का राजस्व प्राप्त होता था, लेकिन आज यह तालाब अपनी बदहाली की कहानी बयां कर रहा है। तालाब के आसपास दो बड़े-बड़े मंदिर स्थित हैं। पूरे रेम्बा बाजार और आसपास के गांवों के लोग इसी तालाब में स्नान कर दुर्गा मंदिर एवं देवी मंदिर में पूजा-अर्चना करने जाते थे। धार्मिक और सामाजिक दृष्टिकोण से इस तालाब का विशेष महत्व रहा है। वर्तमान में तालाब का पानी पूरी तरह गंदा और कीचड़युक्त हो चुका है। मजबूरी में छठ व्रतियों को तालाब के बगल स्थित कुएं में स्नान कर छठ घाट तक पहुंचना पड़ रहा है। रेम्बा की व्यावसायिक मंडी से जुड़े लोगों एवं स्थानीय ग्रामीणों में इस बदहाली को लेकर काफी नाराजगी है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस समस्या को लेकर सांसद, विधायक और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से कई बार गुहार लगाई गई, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई। छठ जैसे महान पर्व में भी घाट की साफ-सफाई, जल की स्वच्छता और बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है। ग्रामीणों ने सांसद एवं विधायक से एक बार फिर मांग की है कि ऐतिहासिक बाबाजी पोखर की अविलंब साफ-सफाई, गहरीकरण और सौंदर्यीकरण कराया जाए। साथ ही छठ घाट को अतिक्रमण मुक्त कराकर व्रतियों के लिए स्वच्छ जल एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। अब देखना यह है कि जनभावनाओं और धार्मिक आस्था से जुड़े इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सोच कब बदलती है और प्रशासन कब तक इस ऐतिहासिक धरोहर की सुध लेता है।

उपायुक्त तथा एसएसपी के निर्देशानुसार अतिक्रमण पर जिला प्रशासन पुलिस की सख्त कार्रवाई, मनईटांड़ में अवैध कब्जा विफल

मनईटांड़ में सरकारी जमीन पर सीमेंटेड शीट की बाउंड्री वॉल खड़ी कर अवैध कब्जे का चल रहा था प्रयास

अंचल अधिकारी और धनसार थाना प्रभारी ने किया स्थल निरीक्षण, स्कूटी जब्त कर एफआईआर की प्रक्रिया शुरू।

रफ्तार मीडिया संवाददाता

धनबाद : उपायुक्त आदित्य रंजन तथा वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के कड़े निदेर्शानुसार जिले में सरकारी भूमियों को अतिक्रमण मुक्त रखने के अभियान के तहत प्रशासन ने त्वरित और सख्त कार्रवाई की है। इसी क्रम में धनसार थाना क्षेत्र अंतर्गत मनईटांड़ में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा करने के प्रयास को पुलिस तथा प्रशासन ने पूरी तरह विफल कर दिया है। रविवार के बीती रात असामाजिक तत्वों द्वारा सीमेंटेड शीट की बाउंड्री वॉल खड़ी कर सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा था, जिसमें गणेश यादव नामक व्यक्ति की संलिप्तता सामने आई है। सोमवार को प्रशासन एवं पुलिस की टीम ने मौके पर दबिश देकर तुरंत अवैध निर्माण को हटवाया और स्थल से एक स्कूटी जब्त की है, जिसके आधार पर एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया की जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही सदर अंचल अधिकारी राम प्रवेश कुमार तथा धनसार थाना प्रभारी ने संयुक्त रूप से घटनास्थल पर पहुंचकर वस्तुस्थिति का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के उपरांत अंचल अधिकारी राम प्रवेश कुमार ने स्पष्ट किया कि ₹क्षेत्र की सरकारी जमीन की अविलंब मापी कराई जाएगी ताकि स्पष्ट सीमांकन कर आवश्यक सरकारी योजनाओं का निर्माण कराया जा सके। सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों को चिह्नित कर अतिक्रमण वाद के तहत नोटिस जारी किया जाएगा और भूमि को पूर्णतः अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा।

प्रशासन की कड़ी चेतावनी

जिला प्रशासन ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि पूरे जिले में सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उपायुक्त आदित्य रंजन तथा वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने संदेश दिया है कि सरकारी जमीन पर काबिज लोग स्वतः अतिक्रमण हटा लें, अन्यथा प्रशासन तथा पुलिस द्वारा अतिक्रमण हटाने के साथ-साथ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हजारीबाग में आवासीय बालिका बैडमिंटन प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ, 25 खिलाड़ियों को मिलेगी आधुनिक सुविधाएं

▶▶उपायुक्त हेमन्त सती ने कर्जन ग्राउंड स्थित केंद्र का किया उद्घाटन, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार करने पर जोर

रफ्तार मीडिया संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग के कर्जन ग्राउंड स्थित आवासीय बालिका बैडमिंटन प्रशिक्षण केंद्र का सोमवार, 2 नवंबर 2026 को उपायुक्त हेमन्त सती ने फीता काटकर उद्घाटन किया। इस केंद्र के शुरू होने से झारखंड की प्रतिभाशाली बालिका खिलाड़ियों को आधुनिक सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण बैडमिंटन प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। केंद्र में राज्यभर की 25 बालिका खिलाड़ियों के प्रशिक्षण एवं आवासन की व्यवस्था की गई है। उद्घाटन के बाद उपायुक्त हेमन्त सती ने पूरे परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने छात्रावास, रसोईघर, बेड, बिजली व्यवस्था सहित खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध आवासीय एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि खिलाड़ियों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ एवं बेहतर वातावरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही आवासन, भोजन और प्रशिक्षण से जुड़ी सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देने को कहा।

राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाएंगी खिलाड़ी

उपायुक्त हेमन्त सती ने कहा कि इस आवासीय प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से राज्यभर की प्रतिभाशाली बालिका खिलाड़ियों को बेहतर खेल प्रशिक्षण और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यहां प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली खिलाड़ी भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी और हजारीबाग जिला सहित झारखंड राज्य का नाम रोशन करेंगी।

टैलेंट हंट के जरिए होगा खिलाड़ियों का चयन

उल्लेखनीय है कि झारखंड सरकार के खेलकूद एवं युवा कार्य निदेशालय के अंतर्गत संचालित इस आवासीय प्रशिक्षण केंद्र में 25 बालिका खिलाड़ियों के प्रशिक्षण एवं रहने की व्यवस्था की गई है। राज्यस्तरीय ट्रायल एवं टैलेंट हंट के माध्यम से चयनित बालिकाओं को आवास, भोजन और खेल प्रशिक्षण सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस केंद्र के संचालन से राज्य की बालिका खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा निखारने का बेहतर मंच मिलेगा। साथ ही बैडमिंटन के क्षेत्र में नई प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और भविष्य के उत्कृष्ट खिलाड़ी तैयार करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगी। उद्घाटन समारोह में जिला खेल पदाधिकारी कैलाश राम सहित संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

सदमा में 15 नवंबर को धूमधाम से मनेगी भगवान बिरसा मुंडा जयंती, सजेगा आदिवासी 22 पड़हा जतर

रफ्तार मीडिया संवाददाता

ओरमांझी। प्रखंड के ग्राम सदमा में भगवान बिरसा मुंडा जयंती सह आदिवासी 22 पड़हा जतरा के आयोजन को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। आगामी 15 को आयोजित होने वाले इस समारोह की तैयारी के लिए भगवान बिरसा मुंडा स्मारक समिति के अध्यक्ष हरिलाल मुंडा की अध्यक्षता में ग्रामीणों की बैठक हुई। बैठक में सर्वसम्मति से पुरानी जतरा समिति को भंग कर नई समिति का गठन किया गया। नई समिति में रितेश मुंडा को अध्यक्ष, आनंद उरांव को सचिव, दीपक लोहरा को कोषाध्यक्ष तथा ललिता पाहन, शोभा महली और पुष्पा उरांव को उपाध्यक्ष चुना गया। वहीं, निगरानी समिति के अध्यक्ष की जिम्मेदारी दिलीप मुंडा को सौंपी गई। स्मारक समिति के सचिव एवं 22 पड़हा के अध्यक्ष बाबूलाल महली ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उन्हें कार्यभार सौंपा। समिति की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार, 14 नवंबर शनिवार की शाम सात बजे गांव के पाहन झिरगा पाहन के नेतृत्व में पारंपरिक रीति-रिवाज से गंवा देवती की पूजा की जाएगी। इस दौरान जतरा खूंटा में रंगुवा मुर्गा की बलि देकर जतरा का विधिवत शुभारंभ होगा। वहीं, 15 नवंबर रविवार को सुबह 10 बजे सदमा अखड़ा से पारंपरिक भैंस-भूसा एवं कलश के साथ आदिवासी महिला-पुरुषों का जुलूस निकलेगा। जुलूस दल-बल के साथ भगवान बिरसा मुंडा चौक सदमा पहुंचेगा। यहां 11 पाहनों की उपस्थिति में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा की विधिवत पूजा-अर्चना की जाएगी। इसके बाद सामूहिक रूप से माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। इसके पश्चात दोपहर दो बजे से जतरा एवं छोटे-छोटे बच्चों के सामाजिक नृत्य कार्यक्रम का आयोजन होगा। वहीं, शाम चार बजे से रंगारंग नागपुरी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। आयोजन को लेकर ग्रामीणों में उत्साह है। समिति ने सभी ग्रामीणों से कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है। बैठक में मुख्य रूप से जिला परिषद सदस्य कमीशनर मुंडा, रमेश चंद्र उरांव, धनेश्वर मुंडा, लोकन मुंडा, रवि पाहन, संजय मुंडा, डिस्को मुंडा, सनु मुंडा, राजेंद्र मुंडा, मोहन मुंडा, धीरेंद्र उरांव, सूकरा उरांव, संदीप पाहन, लछमन मुंडा, रविंद्र मुंडा, कुंदन मुंडा, टिंकू उरांव, सुमित मुंडा, रोशन मुंडा, मिलन मुंडा, सिबु उरांव, रोहित मुंडा, लहसन मुंडा, बालकिसून मुंडा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

गोविंदपुर रजिस्ट्री कार्यालय में अवैध डीड राइटरों का कथित साम्राज्य तीन दर्जन से अधिक लोग बिना अनुज्ञप्ति के चला रहे कारोबार

कार्यालय के बाहर टेंट लगाकर हो रहा डीड लेखन, बाहरी व्यक्तियों की दखलंदाजी से विभागीय व्यवस्था पर खड़े हुए बड़े सवाल

प्रशासन से मांग: अवैध डीड राइटर्स और कार्यालय में अनधिकृत रूप से सक्रिय लोगों पर निष्पक्ष जांच और त्वरित कार्रवाई की जरूरत

रफ्तार मीडिया संवाददाता

धनबाद : झारखंड सरकार की ओर से जमीन की रजिस्ट्री से संबंधित व्यवस्था में बदलाव और अधिकृत डीड लेखकों को लेकर नए नियम लागू किए गए हैं, लेकिन इसके बावजूद धनबाद के गोविंदपुर निबंधन कार्यालय में नियमों की सरेआम अनदेखी हो रही है। आरोप है कि कार्यालय के बाहर टेंट लगाकर तीन दर्जन से अधिक लोग बिना किसी वैध अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) के डीड लेखन का अवैध कारोबार चला रहे हैं। जमीन की खरीद-बिक्री के लिए रजिस्ट्री कराने पहुँचने वाले आम लोग इनकी मनमानी का शिकार हो रहे हैं।

मुख्य बिंदु और आरोप:

तीन दर्जन से अधिक अवैध डीड राइटर सक्रिय: कार्यालय के बाहर टेंट लगाकर बैठने वाले ये लोग खरीद-बिक्री करने वालों से मनमानी राशि वसूल रहे हैं। स्थानीय स्तर पर यह बड़ा सवाल है कि जिला प्रशासन और निबंधन विभाग इनकी सूची सार्वजनिक क्यों नहीं कर रहा और बिना अनुमति के इन्हें काम करने की छूट किसने दी है? साधन कुंभकार की कार्यशैली पर सवाल: बॉक्स के रूप में सामने आई जानकारी के अनुसार, कार्यालय में जनरेटर ऑपरेटर के रूप में शुरूआत करने वाले साधन कुंभकार की भूमिका संदिग्ध बनी हुई है। आरोप है कि आउटसोर्सिंग के जरिए झाड़ू-पर्च के पद पर बहाल होने के बावजूद वह सफाई कार्य के बजाय सरकारी दस्तावेजों की नंबरिंग और मुहर लगाने जैसे गोपनीय लिपिकीय कार्य कर रहा है। इसके लिए उसने सफाई हेतु अलग से दूसरे व्यक्ति को रख रखा है। वसीम अकरम की रजिस्ट्री से अंचल तक 'पहुंच': गोविंदपुर रजिस्ट्री कार्यालय से लेकर अंचल कार्यालय तक वसीम अकरम नामक व्यक्ति की सक्रियता चर्चा का विषय बनी हुई है। आरोप है कि कुछ कथित डीड राइटर म्यूटेशन (दाखिल-खारिज) कराने के नाम पर सौदा करते हैं और यह काम वसीम अकरम को सौंप देते हैं। क्या दाखिल-खारिज जैसे सरकारी काम निजी माध्यमों से ठेके पर कराए जा रहे हैं?

प्रशासन के सामने खड़े किए गए गंभीर सवाल

गोविंदपुर निबंधन कार्यालय की पूरी व्यवस्था इस समय जांच के घेरे में है। जिला प्रशासन, जिला अवर निबंधक और संबंधित विभाग से निम्नलिखित बिंदुओं पर जवाब की मांग की जा रही है—

1. कार्यालय के बाहर टेंट लगाकर डीड लिखने वाले सभी लोगों के पास वैध अनुज्ञप्ति है या नहीं? 2. बिना लाइसेंस डीड लेखन करने वालों के खिलाफ अब तक कोई कानूनी कार्रवाई क्यों नहीं की गई? 3. बाहरी व्यक्तियों को सरकारी कार्यालय के अंदर दस्तावेजों की नंबरिंग और मुहर जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में किसने शामिल किया? 4. आउटसोर्सिंग कर्मियों को उनके निर्धारित सफाई कार्य के बजाय लिपिकीय जिम्मेदारी कौन दे रहा है? 5. दाखिल-खारिज के नाम पर निजी व्यक्तियों द्वारा वसूली और दखलंदाजी के आरोपों की सच्चाई क्या है? अब सबकी निगाहें जिला प्रशासन और निबंधन विभाग पर टिकी हैं कि वे इन गंभीर मामलों का संज्ञान लेते हुए कब तक प्रभावी और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करते हैं।

पीआरजीआई/आरएनआई पंजीयन संख्या RNI NO. JHHIN/26/3481 स्वतत्वाधिकारी,संपादक एवं प्रकाशक गौरव कुमार, कार्यकारी संपादक अरविंद कुमार, उत्तम निवास, हरमू हाउसिंग कॉलोनी, अरगोड़ा थाना के पास, हरमू, रांची, झारखंड 834002 से प्रकाशित, एसएच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, रातू काठीटांड़ नियर टेंडर बगीचा एचपी पेट्रोल पंप, पीओ रातू, रांची 835222 से मुद्रित, फोन नंबर 6203592707,ईमेल -raftaarhr@gmail.com(पीआरबी अधिनियम के तहत समाचारों के चयन के लिए जिम्मेवार) समस्त विवादों का क्षेत्राधिकार रांची न्यायलय रहेगा।